जबलपुर शुक्रवार 12 जून 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष द्वादशी

वर्ष 31 अंक 343 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 41.3°C
न्यूनतम तापमान 25.0°C
सूर्योदय -5.24 | सूर्यास्त - 6.56

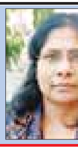

डिंडौरी नगर परिषद में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल ⏩ 2

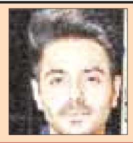

शादी के बाद बदली किस्मत, तब मिलने लगे काम ⏩ 7

महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष पद हेतु आभार ⏩ 9

मध्यप्रदेश सब्जी उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर

4 वर्षों में उत्पादन में 21.58 लाख मीट्रिक टन की हुई अभूतपूर्व वृद्धि

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश आज कृषि और उद्यानिकी के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी सशक्त पहचान बना चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है, इसका उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि, कृषि का विविधीकरण तथा खेती को अधिक लाभकारी बनाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कहते है कि कृषि को केवल पारंपरिक फसलों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि के साथ उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण को भी समान महत्व देना आवश्यक है। विगत 4 वर्ष में प्रदेश के सब्जी उत्पादन में लगभग 21.58 लाख मीट्रिक टन की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मध्यप्रदेश देश में सब्जियों के उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा 'समृद्ध किसान-समृद्ध मध्यप्रदेश' की थीम पर सब्जी क्षेत्र विस्तार की व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। प्रदेश की अनुकूल जलवायु, उपजाऊ भूमि, सिंचाई संसाधनों का विस्तार तथा किसानों द्वारा आधुनिक तकनीकों को अपनाने के कारण सब्जी उत्पादन में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। वर्ष 2022-23 में प्रदेश में सब्जियों का उत्पादन 236.41 लाख मीट्रिक टन था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 257.99 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया। यह वृद्धि राज्य के कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र की सुदृढ़ प्रगति को दर्शाती है। राष्ट्रीय स्तर पर सब्जियों का कुल उत्पादन लगभग 2177 लाख मीट्रिक टन है, जिसमें मध्यप्रदेश की भागीदारी लगभग 259

लाख मीट्रिक टन है। इससे स्पष्ट है कि देश की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में मध्यप्रदेश महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। प्रदेश के लाखों किसान सब्जी उत्पादन से अपनी आय भी बढ़ा रहे हैं और देश की बढ़ती मांग को भी पूरा कर रहे हैं। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की कार्य योजना में प्रदेश में 54 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सब्जियों का विस्तार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें 13 हजार 300 हेक्टेयर में आलू, 9 हजार 800 हेक्टेयर में टमाटर, 16 हजार 500 हेक्टेयर में प्याज, 3 हजार 500 हेक्टेयर में मटर, 3 हजार 500 हेक्टेयर में फूल-गोभी एवं पत्ता-गोभी, 01 हजार 200 हेक्टेयर में उच्च मूल्य वाली सब्जियां तथा 6 हजार 200 हेक्टेयर में कद्दूवर्गीय सब्जियों का विस्तार किया जाएगा। इस योजना से किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री, आधुनिक कृषि तकनीकों तथा विपणन सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा।

प्याज उत्पादन का विशेष स्थान

प्रदेश में किसानों द्वारा प्याज, आलू, टमाटर, बैंगन, फूल-गोभी, पत्ता-गोभी, हरी मटर, भिंडी, पालक, लौकी, अरबी, करेला, ककड़ी, मूली, तुरई (तोरी), गाजर, शकरकंद, शिमला मिर्च, परवल सहित अनेक प्रकार की सब्जियों का उत्पादन किया जाता है। इनमें प्याज उत्पादन का विशेष स्थान है। प्रदेश में सर्वाधिक क्षेत्र प्याज की खेती के लिए उपयोग किया जाता है। वर्ष 2022-23 में प्याज का रकबा 2.17 लाख हेक्टेयर था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर लगभग 2.30 लाख हेक्टेयर हो गया है। यह वृद्धि किसानों के बढ़ते विश्वास और बाजार में प्याज की मांग को दर्शाती है।

अब भाजपा-चुनाव आयोग की जुगलबंदी ने 'सीट चोरी' का रास्ता अपनाया : राहुल

राज्यसभा चुनाव में पक्षपात का लगाया आरोप

नई दिल्ली (वार्ता)

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने राज्यसभा चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाया कि वोट चोरी और सरकार चोरी के बाद अब भाजपा और चुनाव आयोग की कथित जुगलबंदी ने सीट चोरी का रास्ता अपना लिया है। राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन ने नामांकन के दौरान सभी आवश्यक दस्तावेज जमा किए थे और उनके खिलाफ कोई लंबित मामला भी नहीं था। इसके बावजूद भाजपा की एक आपत्ति के आधार पर उनका नामांकन रद्द कर दिया गया। वहीं झारखंड से निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नथवानी ने नामांकन पत्र में अपना नाम तक गलत लिखा था और कई अनिवार्य जानकारियां भी नहीं दी थीं। इसके बावजूद चुनाव आयोग ने उन्हें सभी त्रुटियों को सुधारने के लिए अतिरिक्त समय प्रदान किया। राहुल गांधी ने सवाल उठाते हुए कहा कि एक ही चुनाव आयोग ने दो उम्मीदवारों के साथ अलग-अलग व्यवहार किया। उनके अनुसार, कांग्रेस उम्मीदवार को बिना सुनवाई का अवसर दिए अयोग्य घोषित कर दिया गया, जबकि दूसरे उम्मीदवार को नियमों का पालन न करने के बावजूद राहत दी गई।

तीन घंटे चली कांग्रेस की बैठक

कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई महासचिवों, प्रदेश प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि करीब तीन घंटे चली बैठक में देश की राजनीतिक और आर्थिक स्थिति के साथ-साथ मध्य प्रदेश और झारखंड में राज्यसभा नामांकन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्रों की जांच के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों की धज्जियां उड़ाई गई हैं। कांग्रेस का आरोप है कि दोहरा मापदंड लोकतंत्र की दयनीय स्थिति को दर्शाता है।

दिल्ली में कांग्रेस का प्रदर्शन आज

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब कांग्रेस ने इस मामले में चुनाव आयोग से मिलने का समय मांगा तो आयोग ने पहले मुलाकात से बचने की कोशिश की। बाद में हुई बैठक में भी आयोग ने कांग्रेस के सवालों पर कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस तरह की घटनाएं और देखने को मिल सकती हैं, क्योंकि भाजपा के लिए चुनाव जीतने की बजाय चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करना अधिक आसान हो गया है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस मध्यप्रदेश और झारखंड राज्यसभा चुनाव में गड़बड़ी के मामले में शुक्रवार को दिल्ली में भाजपा और चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन करने वाली हैं।

सुप्रीम कोर्ट आज करेगा सुनवाई

उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की उस रिट याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने पर सहमति दे दी, जिसमें मध्य प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए उनका नामांकन खारिज किए जाने को चुनौती दी गयी है। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी द्वारा मामले पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किए जाने के बाद न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति ए. एस. चांदुरकर की पीठ इस मामले को शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमत हो गई। सिंघवी ने अदालत से परिणामों की घोषणा पर रोक लगाने का एक अंतरिम आदेश पारित करने का भी आग्रह किया।

राज्यसभा-चुनाव से पहले 26 में से 18 उम्मीदवार निर्विरोध जीते

इनमें खड़गे और खेड़ा शामिल, 6 सीटों पर 18 जून को मतदान

नई दिल्ली।

ाज्यसभा की 26 सीटों में 18 पर निर्विरोध उम्मीदवार चुने गए हैं। इनमें 10 भाजपा, 4 कांग्रेस, 3 टीडीपी और 1 जनसेना से है। चुनाव जीतने वालों में कर्नाटक से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और मीडिया व प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा का नाम शामिल है। इन 18 सीटों में से भाजपा को 2 सीटों का फायदा हुआ है। मप्र में 3 सीटें खाली हुई थीं, इनमें 2 भाजपा और 1 सीट कांग्रेस के पास थी। वहीं, गुजरात में 4 सीटें खाली हुई थीं। इनमें 3 भाजपा और 1 कांग्रेस के पास थी। अब दोनों राज्यों की 7 सीटों पर भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। बाकी 8 सीटों पर 18 जून को वोटिंग होगी। 245 सदस्यों वाली राज्यसभा में एनडीए के पास अभी 147 सांसद हैं, जबकि विपक्ष के पास 67 और गैर-गठबंधन वाले क्षेत्रीय दलों के पास 28 सांसद हैं। महाराष्ट्र में एनसीपी की सुनेत्रा पवार और तमिलनाडु में एआईएडीएमके के सीवी

षणमुगम के इस्तीफे से खाली हुई सीटों पर उपचुनाव होंगे। महाराष्ट्र की सीट एनडीए के खाते में आ सकती है। वहीं तमिलनाडु की एआईएडीएमके की सीट सत्ताधारी पार्टी टीवीके को मिल सकती है। आंध्र प्रदेश में तीन सीटें वायएसआरसीपी के पास हैं, एक टीडीपी के पास है। अब एनडीए चारों सीटें जीत सकती है। झारखंड में दो सीटें हैं। एक सीटें भाजपा के पास है। एक खाली है। दोनों सीटें जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन को मिल सकती हैं। लेकिन बीजेपी के पास 21 विधायक हैं। चार विपक्षी सदस्यों की क्रॉस वोटिंग अगर हो गई तो वह एक सीट जीत सकती है। राजस्थान में दो बीजेपी और एक कांग्रेस के पास है। यहां कोई बदलाव नहीं होगा। कर्नाटक में अभी एनडीए के पास तीन, कांग्रेस के पास एक सीट हैं। चुनाव में कांग्रेस तीन सीटें जीत गई है। वहीं एनडीए को एक सीट मिली है। मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में एक-एक सीट खाली हो रही हैं। दोनों भाजपा के पास हैं, पार्टी फिर इन्हें हासिल कर सकती है। मिजोरम में अभी मिजो नेशनल फ्रंट के पास एक सीट है, जो जोरम पीपल्स मूवमेंट जीत सकती है। मेघालय में नेशनल पीपुल्स पार्टी अपनी सीट बचाने में कामयाब हो सकती है।

एसबीआई के पूर्व एजीएम की 3 करोड़ की संपत्ति अटैच

भोपाल (स्वतंत्र मत)। भोपाल ईडी ने भारतीय स्टेट बैंक के एलएचओ में पदस्थ रहे पूर्व सहायक महाप्रबंधक अनिल कुमार जैन की लगभग 3.01 करोड़ रुपए मूल्य की चल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया है। इस अधिकारी ने शैल कम्पनी के माध्यम से राशि हेरफेर करने का काम किया था। जांच में पाया गया कि वैध आय से 481 प्रतिशत अधिक आमदनी है। ईडी ने शैल कम्पनी के एक फर्जी डायरेक्टर का भी खुलासा किया है।

ओंकारेश्वर नहर में डूबे तीन युवक

ओंकारेश्वर। ओंकारेश्वर के कोठी हेलीपैड क्षेत्र स्थित नहर में नहाने के दौरान गुरुवार को तीन मजदूर डूब गए। इस हादसे में तीनों युवकों की मौत हो गई है। ये तीनों मजदूर ओंकारेश्वर-मोरटक्का निर्माणाधीन सड़क परियोजना में कार्यरत थे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुनील साहू, भगवानदास साहू और अनिकेत यादव 10 जून की शाम को कोठी नहर में स्नान करने गए थे।

लक्ष्मी नारायण के पास मिली 241 गुना संपत्ति

इंदौर। महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक लक्ष्मी नारायण कंडवाल पर मिड-डे मील, आंगनवाड़ी मरम्मत, ठेकेदारों के भुगतान और विभागीय मामलों में भ्रष्टाचार कर करोड़ों रुपए की अवैध संपत्ति जुटाने के आरोप हैं। इंदौर लोकायुक्त टीम ने उनके घर और कारोबारी ठिकानों पर छापा मारा, जहां आधुनिक जिम और सुपर मार्केट मिला। जांच में उनकी आय से 241 प्रतिशत अधिक संपत्ति मिलने का दावा किया गया है। लोकायुक्त ने करीब डेढ़ महीने तक जांच के बाद यह कार्रवाई की।

विकसित भारत की दिशा में मिलकर काम करने के लिए नीति आयोग एक अहम मंच : मोदी

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि नीति आयोग केन्द्र और राज्यों के बीच सहयोग के मंच के तौर पर अहम भूमिका निभाते हुए राज्यों को विकसित भारत के विजन के लिए मिलकर काम करने के लिए सशक्त बना सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को यहां नीति आयोग की संचालन परिषद की 11 वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि दुनिया अभी अनिश्चितता के दौर से गुज़र रही है लेकिन भारत विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, दुनिया अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, फिर भी भारत आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। जैसे-जैसे भारत

विकसित राष्ट्र के विजन को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हमारी सामूहिक जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। राज्यों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्यों के बीच बातचीत का आधार सहयोग, संवाद और विचारों का आदान-प्रदान होना चाहिए।

गड्ढों की निगरानी करेंगे अत्याधुनिक एनएसवी

देशभर में सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर होंगे तैनात

नई दिल्ली (वार्ता)। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता, सुरक्षा और रखरखाव को मजबूती देने के लिए 3डी लेजर आधारित नेटवर्क सर्वे व्हीकल (एनएसवी) तैनात करने का फैसला किया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि देशभर में सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर अत्याधुनिक तकनीक से लैस ये वाहन

सड़कों पर मौजूद गड्ढों, दरारों और अन्य खामियों की सटीक पहचान कर उनकी निगरानी करेंगे। सूचना मिलने पर इन अवरोधों की समय-समय पर मरम्मत सुनिश्चित होगी और यात्रियों को अधिक सुरक्षित एवं सुगम यात्रा उपलब्ध कराई जा सकेगी। मंत्रालय का कहना है कि एनएसवी लेजर प्रोफाइलर, जीपीएस और उन्नत इमेजिंग तकनीक से लैस हैं, जो राष्ट्रीय राजमार्गों की सतह का विस्तृत डिजिटल मानचित्र तैयार करेंगे। इसके साथ ही एक मोबाइल ऐप भी विकसित किया गया है।

गृहणियों को होममेकर नहीं नेशन बिल्डर कहें: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ऐतिहासिक फैसला में कहा, 'सड़क हादसे में गृहिणियों की मौत होने पर उनके द्वारा की जाने वाली परिवार की देखभाल और घरेलू काम की कीमत कम से कम 30 हजार रुपए प्रति महीना मानी जाएगी।' जस्टिस संजय करोल और न्यायाधीश एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा- यह रकम प्रणय सेठी मामले में तय अन्य सभी मुआवजा नियमों के अलावा होगी। घर संभालने वाली महिलाओं को राष्ट्र निर्माता (नेशन बिल्डर) का दर्जा मिलना चाहिए। उनके काम की तुलना किसी पेशेवर से करके उनके योगदान को कम नहीं आंका जा सकता। दरअसल, कोर्ट का यह फैसला नवंबर 2001 में हरियाणा में सड़क हादसे में हुए गृहणी की मौत के मामले में हुई सुनवाई पर आया। सड़क हादसों के मुआवजा मामलों की सुनवाई करने वाले मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल में अक्सर गृहिणियों के योगदान का मूल्यांकन करना चुनौती होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह व्यवस्था दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 15-59 साल की आयु के बीच की महिलाएं प्रतिदिन 7 घंटे से अधिक समय बिना वेतन वाले घरेलू कामों में बिताती हैं, जबकि पुरुष ऐसे कार्यों में 3 घंटे से भी कम समय देते हैं। महिलाएं बिना वेतन वाले देखभाल और घरेलू कार्य पुरुषों की तुलना में 2.6 गुना अधिक करती हैं, यहां तक कि तब भी जब वे आर्थिक रूप से योगदान दे रही होती हैं।

'ये जो दहशतगर्दी है, इसके पीछे वर्दी है'

पीओके में पाक सेना की गोलीबारी, 16 की मौत

रावलकोट (वार्ता)

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के रावलकोट शहर में बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हजारों निहत्थे नागरिकों पर पाकिस्तानी सेना ने बिना किसी चेतावनी के अंधाधुंध गोलियां चला दीं, जिसमें कम से कम 16 नागरिक मारे गये हैं गयी और 37 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रावलकोट के ईदगाह मैदान में करीब 60,000 से 70,000 लोग शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र हुए थे। ये लोग सस्ते आटे, चावल, बिजली की उचित दरों और अपने बुनियादी मानवाधिकारों की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और 'ये जो दहशतगर्दी है, इसके पीछे वर्दी है' के नारे लगाए, जो अब पूरे क्षेत्र में आंदोलन का मुख्य नारा बन चुका है। इसी दौरान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने भीड़ पर एके-47 राइफलों से सीधे गोलियां बरसाना शुरू कर दिया। अचानक हुई इस गोलीबारी से मैदान में भगदड़ मच गई और अपनी आर्थिक बदहाली के खिलाफ आवाज उठाने आए पुरुष, महिलाएं और युवा अपनी जान बचाने के लिए भागते नजर आए। इस दमन के बाद पूरे रावलकोट में स्थिति अत्यंत तनावपूर्ण और डरावनी बनी हुई है। सड़कों और मैदानों में चारों तरफ खून के निशान दिखाई दे रहे हैं, और पीड़ित परिवार अपने लापता

प्रियजनों की तलाश में भटक रहे हैं। भारी दमन और खून-खराबे के बावजूद आंदोलनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। आर्थिक राहत और राजनीतिक अधिकारों की मांग को लेकर हजारों लोग अब भी रावलकोट की सड़कों पर डटे हुए हैं। गोलीबारी की इस घटना के बाद प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए आंदोलन के प्रमुख नेता सरदार अमन खान ने घोषणा की कि यह संघर्ष अब निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। उन्होंने संकल्प जताया कि इतनी बड़ी संख्या में जानमाल के नुकसान के बाद भी यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक मांगें पूरी नहीं हो जातीं।

एक सप्ताह में 55 से अधिक मौतें

स्थानीय निवासियों के मुताबिक, क्षेत्र में दमन का यह सिलसिला नया नहीं है। पिछले शुक्रवार से अब तक पीओके के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शनों पर की गई सैन्य कार्रवाई में कुल 55 से अधिक नागरिकों की जान जा चुकी है। इस नरसंहार के बाद पूरे क्षेत्र में पाकिस्तान सरकार और सेना के खिलाफ भारी आक्रोश फैल गया है। रावलकोट के नजदीकी गांव खाई गाला में स्थानीय निवासियों ने बाजार पूरी तरह बंद कर दिए और हिंसा के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। इस प्रदर्शन में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया।

हितकारिणी डेंटल कॉलेज में 'द साइंस ऑफ व्हाइटर स्माइल' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल के कंजरवेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडॉन्टिक्स विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एसपी मंत्री के नेतृत्व में विभाग द्वारा द साइंस ऑफ व्हाइटर स्माइल ब्लीचिंग ऑफ टीथ विषय पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान 9 जून 2025 को आर. डी. डी. सी. एच., नागपुर के कंजरवेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडॉन्टिक्स विभाग की प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. प्रतिमा शेनॉय द्वारा प्रस्तुत किया गया। अपने व्याख्यान में डॉ. शेनॉय ने दंत ब्लीचिंग के वैज्ञानिक सिद्धांतों, उसके नैदानिक उपयोगों तथा इस क्षेत्र में हुए नवीनतम विकासों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उपयोगी रहा व्याख्यान

उन्होंने सौंदर्यपरक दंत चिकित्सा में वर्तमान ब्लीचिंग प्रोटोज किया, जिससे आधुनिक ब्लीचिंग तकनीकों की समझ और अधिक सुदृढ़ हुई। उपस्थित विद्यार्थियों ने इस व्याख्यान को अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं नैदानिक अभ्यास के लिए उपयोगी बताया। विभाग ने डॉ. प्रतिमा शेनॉय के प्रति उनके विद्वत्तापूर्ण योगदान एवं संस्थान के शैक्षणिक वातावरण को समृद्ध करने हेतु हार्दिक आभार व्यक्त किया। यह कार्यक्रम संस्थान के निदेशक डॉ. राजेश बी. धीरावानी तथा अधिष्ठाता डॉ. रोहित मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कंजरवेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडॉन्टिक्स विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस. पी. मंत्री, डॉ. कविता दुबे, डॉ. निहारिका गुप्ता, डॉ. अक्षरा श्रीवास्तव एवं डॉ. राजश्री का विशेष सहयोग रहा।

राष्ट्रपति के आगमन से लेकर प्रस्थान तक चप्पे-चप्पे पर रहेगी पैनी नजर

आगमन की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर और पुलिस कप्तान ने ली बैठक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और रानी दुर्गावती विश्व6विद्यालय के दीक्षांत समारोह के अवसर पर राष्ट्रपति के जबलपुर आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी सिलसिले में गुरूवार को कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय की संयुक्त अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने राष्ट्रपति के दौर से जुड़े सुरक्षा और व्यवस्था संबंधी प्रोटोकॉल की विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टर और एसपी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि दिशा निर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पहले ही सुनिश्चित कर ली जाएं। बैठक के दौरान महामहिम राष्ट्रपति के जबलपुर आगमन से लेकर उनके प्रस्थान तक के मिनट टू मिनट कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की गई, ताकि कार्यक्रम का संचालन पूरी तरह निर्बाध और गरिमापूर्ण तरीके से संपन्न हो सके।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में होंगी शामिल- कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि महामहिम राष्ट्रपति 20 जून को शाम 6.10 बजे कलाईकुंडा एयरपोर्ट पश्चिम बंगाल से भारतीय वायु सेना के विमान से जबलपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगी तथा यहां रात्रि विश्राम करेंगी।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सुबह 7.20 बजे गैरीसन ग्राउंड में आयोजित सामूहिक योग के कार्यगिम में शामिल होंगी तथा सुबह 11.40 बजे रानी दुर्गावती विश्वमविद्यालय पहुंचेंगी। राष्ट्रपति रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह में शामिल होने के बाद दोपहर 12.50 बजे जबलपुर एयरपोर्ट रवाना होंगी तथा एयरपोर्ट से दोपहर 1.20 बजे भारतीय वायु सेना के विमान द्वारा ग्वालियर प्रस्थान करेंगी।

मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक हुई सम्पन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभाकक्ष में 11 जून को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 194वीं बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी आनंद कुमार ने अपने स्वागत उद्बोधन में समिति के अध्यक्ष कमल कुमार तलरेजा, दिनेश कुमार कलामे सहित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बताया कि भारत सरकार की राजभाषा नीतियों का प्रभावी कार्यान्वयन उत्तरोत्तर प्रगति पर है। राजभाषा प्रयोग प्रसार में आयोजित समसामयिक विषयों पर हिंदी संगोष्ठियां और कार्यशालाएं आयोजन के साथ साहित्यकारों की जयंतियां मनाने से कार्यालयीन कार्य हिंदी में निष्पादित करने का वातावरण निर्मित होता है। उन्होंने ने इस बात पर जोर दिया की कर्मचारियों द्वारा हिंदी में अनिवार्य रूप से यूनिकोड समर्थित मंगल फोण्ट का ही उपयोग किया जाए। कमल कुमार तलरेजा ने खा की हमारा मंडल हिंदी भाषी क्षेत्र में स्थित है अधिकाधिक कार्य हिंदी में ही निष्पादित किए जाएं। अंत में गुन्नार सिंह ने सभी उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार प्रदर्शित कर बैठक समाप्त करने की घोषणा की।

स्वराभिनंदन समारोह का आयोजन आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

गुंजन कला सदन युवा द्वारा मध्य प्रदेश मेला विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष विनोद गोंटिया एवं जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन का सम्मान समारोह स्वराभिनंदन 12 जून को शाम 6.30 बजे से शहीद स्मारक प्रेक्षागृह में अजय विश्नोई, डॉ अभिलाष पांडे एवं बबलू मैथ्यूज के आथित्य में आयोजित है। इस अवसर पर 7 स्टार 7 सिंगर गीतों का कार्यक्रम अनिकेत देवक के निर्देशन में होगा। गायक दिलीप कोरी, अवशेष बेंटिया, सुब्रत पात्रा, राजा सोनी, रवि शुक्ला, ध्रुव मुखर्जी, मयंक विश्वकर्मा कु. अवनि विश्वकर्मा एवं राखी मजूमदार गीतों की प्रस्तुति करेंगे ।

शिव-पार्वती विवाह देखकर श्रद्धालु हुए मंत्रमुग्ध

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शिव-पार्वती विवाह कथा प्रताप वार्ड शिवमन्दिर में शिव महापुराण में भैयाजी कृष्ण शास्त्री ने बताया एक अत्यंत पवित्र प्रसंग है। माता सती द्वारा त्याग के बाद, उन्होंने माता पार्वती के रूप में हिमालय के यहां जन्म लिया। भगवान शिवजी को पुन: पति रूप में पाने के लिए उन्होंने घोर तपस्या की इसके बाद ब्रह्माजी के पुरोहितत्व और भगवान विष्णु द्वारा कन्यादान के साथ उनका भव्य विवाह संपन्न हुआ।

शिवजी को प्रसन्न करने के लिए माता पार्वती ने वनों में जाकर घोर तपस्या की, जिससे प्रसन्न होकर उन्होंने विवाह का प्रस्ताव स्वीकार किया। बारात में भूत, प्रेत, और सभी गण शामिल हुए। स्वयं शिवजी भस्म रमाए, सर्पों की माला पहने और नंदी पर सवार होकर विवाह मंडप में पहुंचे। शिवजी के इस अनोखे रूप को देखकर पार्वती की माता मेना बेहोश हो गईं, लेकिन बाद में शिवजी ने सबके आग्रह पर एक अत्यंत सुंदर रूप धारण किया । इसके बाद विधि-विधान से विवाह संपन्न हुआ आयोजक समस्त जन उपस्थित रहे।

सहायक प्रशिक्षुओं को नियुक्ति पत्र जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत चयनित संयंत्र सहायक पद पर प्रशिक्षु के रूप में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रस्ताव पत्र जारी किए गए हैं। सीधी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत श्रेणी-3 के संयंत्र सहायक प्रशिक्षु पदों के लिए कुल 61 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। इनमें संयंत्र सहायक प्रशिक्षु मैकेनिकल 36 एवं इलेक्ट्रिकल 25 पदों के चयनित अभ्यर्थियों को उनके आवंटित पदस्थापना स्थल पर आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित होने के लिए कहा गया है। इन पदों के लिए इसी वर्ष फरवरी माह में तथा दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया को मई के महीने में पूर्ण किया गया था। इस दौरान दीपक कश्यप ने सभी नवनियुक्त प्रशिक्षु कार्मिकों को बधाई दी।

भाजपा जिला कार्य समिति की बैठक में बताई प्रधानमंत्री की उपलब्धियां

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भाजपा संभागीय कार्यालय में पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार द्वारा जिला कार्यसमिति की बैठक ली। बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव के कार्यकाल दौरान किए गए केंद्र एवं राज्य द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी। जिसमें डिजिटल इंडिया मेक इन इंडिया, भारत की राजमार्ग और रेलवे एक्सप्रेसवे का जाल 1,000 किमी से बढ़कर 7,332 किमी और रेलवे का लगभग पूर्ण विद्युतीकरण हो चुका है विषयों पर जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया पीएम मोदी के कार्यकाल में अब तक जन-धन और आवास 58 करोड़ से ज्यादा जनधन खाते खुले और पीएम आवास योजना के जरिए गरीबों को करोड़ों पक्के घर दिए गए। आयुष्मान भारत योजना के तहत 44 करोड़ से ज्यादा मुफ्त स्वास्थ्य कार्ड बनाए गए। जानकारी कार्यक्रम संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष संजय सिंह यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, विधायक अभिलाष पांडे, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय सिंह यादव, नगर मंत्री रजनीश यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी राम पटेल, प्रदेश सह प्रभारी धनेश धनंजय आदि उपस्थित रहे।

सिहोरा से पकड़ा गए गैंगस्टर छोटू चौबे के गुर्गे

सिहोरा (स्वतंत्र मत) । सिहोरा के एनएच 30 हाईवे पर पेट्रोलिंग के दौरान एक काले रंग की स्कार्पियों कार मझौली ब्रिज के पास खडी मिली पुलिस को देख कर कार के अंदर बैठे युवकों के चेहरों के हाव भाव बदल गए जैसे ही पुलिस ने बीच की सीट में बैठे दो लडको को नीचे उतरकर चैक किया तभी स्कार्पियो चालक ने तुरंत गाडी को आगे बढा कर जबलपुर तरफ भाग गया। चेकिंग के लिए 21 वर्षीय निहाल केवट निवासी रामपुर ,रामनगर थाना गोरखपुर और 25 वर्षीय गगन जायसवाल निवासी ग्राम ककरा, बदेरा जिला मैहर को उतारा गया था। जिनको चैक करने पर निहाल केवट और गगन जायसवाल दोनों के पास एक - एक सिंगल राउंड लोडेड धातु की हेंडमेड पिस्टल मिली । गैंगस्टर छोटू चौबे और बाबू सिंधी से करीब 2 माह पहले पिस्टल खरीदी थी।

युवा कांग्रेस ने फूंका पीएम का रावण रूपी पुतला

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री एवं पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने का मामला अब पूरी तरह गरमा चुका है। इस फैसले को भाजपा का राजनीतिक षड्यंत्र करार देते हुए गुरुवार को मालवीय चौक पर जबलपुर शहर युवा कांग्रेस द्वारा प्रदर्शन किया गया।

मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रदर्शन में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आक्रोश व्यक्त करते हुए केंद्र व राज्य सरकार और निर्वाचन आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और 'रावण रूपी' पुतले का दहन किया। जबलपुर शहर युवा कांग्रेस के अध्यक्ष सतेंद्र (सोनू) कुकरेले और अभ्युत अतुल बाजपेयी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने अलोकतांत्रिक और षड्यंत्रकारी तरीकों से कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन रद्द करवाया है। इस अवसर पर पार्षद हर्षित यादव, भानु यादव ,शिशंत सिंह ठाकुर, राजा रैकवार, मोंटी वंशकार, अमित सोनकर, सौरभ यादव, नितिन सिंह, उबेश अंसारी, समीर गढ़वाल, पंकज पटेल, अदनान अंसारी, नीलेश जैन, शैंकी सोनकर, रवि खत्री आदि उपस्थित रहे।

डीएनए से हुई नर्मदा नदी में मिली युवती के शव की पहचान

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मदन महल क्षेत्र से 18 जनवरी को लापता हुई युवती गीता राजपाल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। गीता का शव शहपुरा में नर्मदा किनारे मिला था, लेकिन पहचान नहीं हो सकी थी। लिहाजा डीएनए टेस्ट कराया गया, रिपोर्ट आने के बाद इस बात की पुष्टि तो गई कि उक्त शव गीता का था। लेकिन शिनाख्ती के बाद मृतिका के परिजन दो युवकों पर गीता की हत्या करने की शंका जाता रहे हैं। जानकारी के मुताबिक 18 जनवरी से थी लापता मदन महल निवासी गीता राजपाल 18 जनवरी से घर से लापता हुई थी। जिसके बाद 20

जनवरी को परिजनों ने मदन महल थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

29 जनवरी को पुलिस को मदन महल से गुमशुदा गीता से मिलते कद काठी की युवती का शव शहपुरा थाना क्षेत्र में नर्मदा किनारे मिला। शव की हालत खराब होने के कारण पहचान नहीं हो पा रही थी। गीता के परिवार वाले भी पहचान नहीं पा रहे थे। जिसके बाद पुलिस ने शिनाख्ती के लिए डीएनए सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा था। डीएनए रिपोर्ट में मृतका की पहचान गीता राजपाल के रूप में हुई।

परिजनों ने की न्याय की मांग

इधर डीएनए से शिनाख्त होने के बाद बुधवार की दोपहर परिजनों ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा से मुलाकात की। परिजनों ने दो युवकों पर गीता की हत्या का शंका जताते हुए निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है। उनका आरोप है कि गीता की हत्या कर शव नर्मदा में फेंका गया था।

एसपी सूर्यकांत शर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मदन महल थाना पुलिस को विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। पीएम रिपोर्ट और कॉल डिटेल के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

मंगल की बारिश के बाद तमतमाया गुरूवार

तापमान में हुई बढ़त, जनजीवन हुआ अस्त व्यस्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

संस्कारधानी में मौसम का मिजाज एक बार फिर पूरी तरह बदल चुका है। कुछ दिनों पहले हुई राहत की बारिश के बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि अब मौसम सुहावना बना रहेगा, लेकिन गुरुवार को शहर में एक बार फिर तेज उमस और भीषण गर्मी का दौर बरकरार रहा। सुबह से ही सूरज के तीखे तेवरों ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया, जो दोपहर होते-होते और भी ज्यादा आक्रामक हो गए। दिनभर आसमान पूरी तरह साफ रहा और दूर-दूर तक बादलों का नामोनिशान नजर नहीं आया। बादलों की इस बेरुखी और सीधी धूप के

कारण हवा में नमी का स्तर बढ़ गया, जिसने उमस को असहनीय बना दिया है।

41 डिग्री पार हुआ तापमान

बादलों की बेरुखी ने एक बार फिर तापमान में बढ़ोतरी कर दी है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 41.3 तो वहीं न्यूनतम तापमान 28.5 दर्ज किया गया था।जहां झुलसाती गर्मी और उमस का सीधा असर जनजीवन पर देखने को मिल रहा है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है और लोग तीखी धूप से बचने के लिए घरों और दफ्तरों के अंदर ही कैद रहने को मजबूर हैं। कूलर और पंखे भी इस भारी उमस के सामने बेअसर साबित हो रहे हैं। अब शहरवासी एक बार फिर कुछ दिनों पूर्व हुई उस झमाझम बरसात का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसने कुछ समय के लिए ही सही, लेकिन शहर को इस तपन से बड़ी राहत दिलाई थी।

उमस के साथ बढ़ा बीमारियों का ग्राफ

इस बदलते और अत्यधिक उमस भरे मौसम ने अब लोगों के स्वास्थ्य पर भी सीधा हमला बोल दिया है। तेज गर्मी और दूषित खानपान के कारण शहर में उल्टी-दस्त के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ । इसके साथ ही, हवा में अत्यधिक नमी और लगातार आ रहे पसीने के कारण लोग अब त्वचा से जुड़ी बीमारियों जैसे घमौरियां, फंगल इन्फेक्शन, रैशेज और खुजली से जूझ रहे हैं। शहर के मुख्य अस्पतालों और निजी क्लीनिकों में ओपीडी के बाहर मरीजों की भीड़ देखी जा रही हैं। डॉक्टरों ने सलाह दी है कि इस मौसम में भरपूर पानी पिएं, बासी भोजन से बचें और सूती कपड़े पहनकर ही बाहर निकलें।

वाणिज्यः आर्थिक सशक्तिकरण और करियर निर्माण का आधार

वाणिज्य केवल एक शैक्षणिक विषय नहीं है, बल्कि यह व्यापार, उद्योग, अर्थव्यवस्था और वित्तीय प्रबंधन को समझने का एक सशक्त माध्यम है। आधुनिक युग में, जब विश्व तीव्र गति से आर्थिक, तकनीकी और डिजिटल परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, तब वाणिज्य का महत्व निरंतर बढ़ता जा रहा है। आज प्रत्येक व्यक्ति, संस्था और राष्ट्र की प्रगति आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी हुई है, और इन गतिविधियों को समझने तथा संचालित करने में वाणिज्य की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

करियर की असीम संभावनाएं

यदि कोई विद्यार्थी वाणिज्य विषय का चयन करता है, तो उसके सामने करियर के अनेक द्वार खुल जाते हैं। वाणिज्य का अध्ययन करने वाले विद्यार्थी चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए), कंपनी सेक्रेटरी (सीएस), कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट (सीएमए), बैंक अधिकारी, वित्तीय सलाहकार, निवेश विशेषज्ञ, कर सलाहकार, उद्यमी तथा व्यवसाय प्रबंधक जैसे प्रतिष्ठित पदों पर कार्य कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त डिजिटल बैंकिंग, ई-कॉमर्स और वित्तीय तकनीक (फिनटेक) के बढ़ते क्षेत्र में भी वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिए असीम संभावनाएँ हैं।

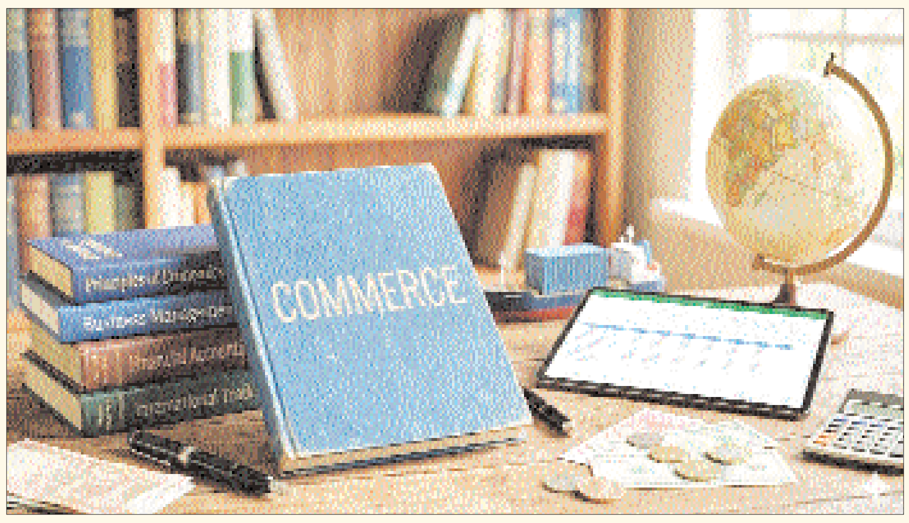

आर्थिक समझ का विकास

वाणिज्य विषय विद्यार्थियों में तार्किक सोच, विश्लेषणात्मक क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता तथा नेतृत्व कौशल का विकास करता है। यह उन्हें आर्थिक परिस्थितियों को समझने और व्यावहारिक जीवन में सही वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम बनाता है। आज देश और दुनिया की आर्थिक प्रगति में कुशल वाणिज्य विशेषज्ञों की महत्वपूर्ण भूमिका है। किसी भी उद्योग, संस्था या संगठन की सफलता उसके वित्तीय प्रबंधन और व्यापारिक रणनीतियों पर निर्भर करती है, जिनका आधार वाणिज्य ही है।

वाणिज्य और नवाचार

सफलता प्राप्त करने के लिए केवल डिग्री पर्याप्त नहीं होती, बल्कि निरंतर सीखने की इच्छा, कठोर परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच भी आवश्यक होती है। वाणिज्य के क्षेत्र में वही व्यक्ति आगे बढ़ता है जो बदलती आर्थिक परिस्थितियों को समझने, नई तकनीकों को अपनाने और स्वयं को समयानुकूल विकसित करने के लिए तैयार रहता है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव और नवाचार की सोच भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वाणिज्य के संग, दें सपनों को पंख

हर महान व्यवसाय एक छोटे से विचार से प्रारंभ होता है। इसलिए विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने चाहिए और उन्हें साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। असफलता, सफलता की राह में आने वाला एक पड़ाव मात्र है, जो व्यक्ति को नई सीख और अनुभव प्रदान करती है। यही अनुभव भविष्य में उसे एक सफल उद्यमी, चार्टर्ड अकाउंटेंट, बैंक अधिकारी, वित्तीय सलाहकार या व्यवसायी बनने में सहायता करता है। याद रखें, सफलता भाग्य से नहीं, बल्कि सही दिशा में किए गए निरंतर प्रयासों से प्राप्त होती है। वाणिज्य का अध्ययन केवल रोजगार प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि समाज और देश की आर्थिक उन्नति में योगदान देने के लिए भी किया जाता है। एक सक्षम वाणिज्य विशेषज्ञ न केवल स्वयं को आत्मनिर्भर बनाता है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित करता है और राष्ट्र के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इसलिए विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए, अपने लक्ष्य स्पष्ट रूप से निर्धारित करने चाहिए और उन्हें प्राप्त करने के लिए पूरी लगन एवं समर्पण से कार्य करना चाहिए। सफलता निश्चित रूप से उनके कदम चूमेगी।

सचिन कुमार पेंडके
उप प्राचार्य
हितकारिणी बीएमडी कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला दीक्षितपुरा, जबलपुर

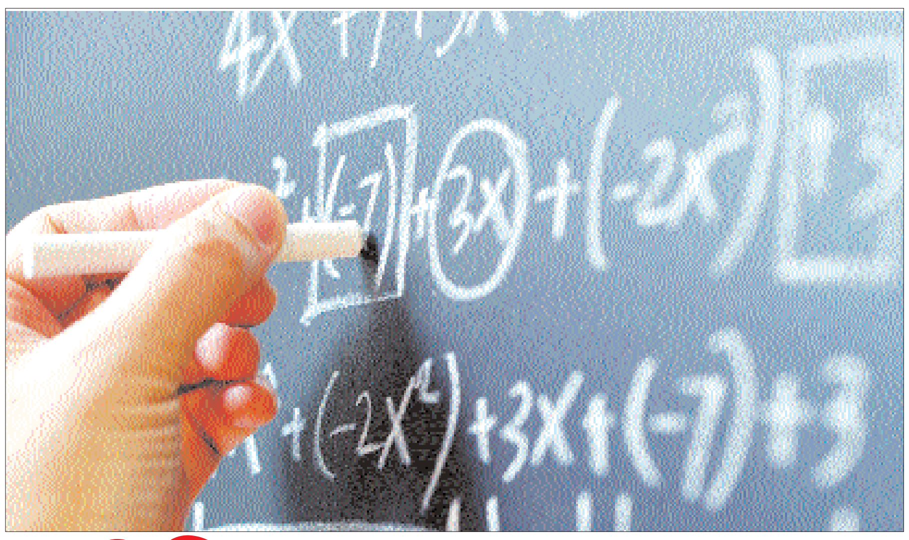

जीनियस नहीं, अभ्यास बनाता है, गणित का मास्टर

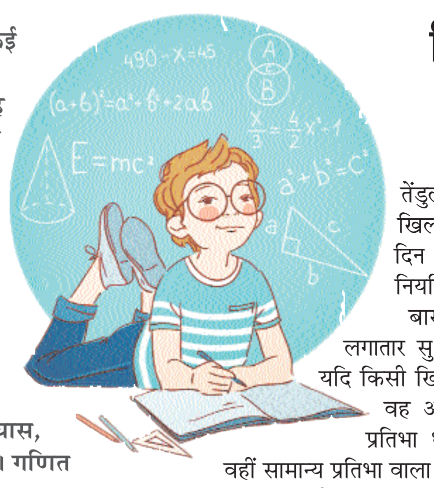

गणित का नाम सुनते ही कई विद्यार्थियों के मन में एक धारणा बन जाती है कि यह केवल तेज दिमाग वाले या जन्मजात प्रतिभाशाली छात्रों का विषय है। कुछ छात्र यह सोचकर शुरुआत में ही हार मान लेते हैं कि वे गणित में अच्छे नहीं हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि गणित में सफलता का सबसे बड़ा आधार प्रतिभा नहीं, बल्कि नियमित अभ्यास, धैर्य और निरंतर प्रयास है। गणित में सफलता किसी चमत्कार या जन्मजात प्रतिभा का परिणाम नहीं है। यह छोटे-छोटे लेकिन नियमित प्रयासों का फल है। जो विद्यार्थी रोज अभ्यास करते हैं, गलतियों से सीखते हैं और धैर्य बनाए रखते हैं, वे निश्चित रूप से गणित में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। इसलिए यदि कभी लगे कि गणित कठिन है, तो अपनी प्रतिभा पर नहीं, अपने अभ्यास पर ध्यान दीजिए।

साइकिल चलाना सीखने का उदाहरण

जब कोई बच्चा पहली बार साइकिल चलाने की कोशिश करता है, तो वह अक्सर गिर जाता है। शुरुआत में संतुलन बनाना कठिन लगता है। यदि वह एक-दो बार गिरकर साइकिल छोड़ दे, तो वह कभी साइकिल चलाना नहीं सीख पाएगा। लेकिन जब वह रोज अभ्यास करता है, तो कुछ दिनों बाद बिना सोचे-समझे साइकिल चलाने लगता है। गणित भी बिल्कुल ऐसा ही है। शुरुआत में सवाल कठिन लग सकते हैं, लेकिन लगातार अभ्यास से वे आसान लगने लगते हैं।

क्रिकेट का उदाहरण

विराट कोहली या सचिन तेंडुलकर जैसे सफल क्रिकेट खिलाड़ियों को देखें। वे एक दिन में महान नहीं बन जाते। नियमित नेट प्रैक्टिस, फिटनेस, बार-बार की मेहनत और लगातार सुधार उन्हें सफल बनाते हैं। यदि किसी खिलाड़ी में प्रतिभा हो लेकिन वह अभ्यास न करे, तो उसकी प्रतिभा धीरे-धीरे कम हो जाएगी। वहीं सामान्य प्रतिभा वाला खिलाड़ी निरंतर अभ्यास के बल पर बड़ी सफलता प्राप्त कर सकता है। गणित में भी यही नियम लागू होता है।

पहाड़ा और गुणा का उदाहरण

जब हम छोटे थे, तब 2 से 20 तक के पहाड़े याद करना कठिन लगता था। लेकिन रोज दोहराने और लिखने के कारण वे हमारी स्मृति का हिस्सा बन गए। आज यदि कोई पूछे कि 12 गुणा 8 कितना होता है, तो उत्तर तुरंत दिमाग में आ जाता है। यह किसी विशेष प्रतिभा का परिणाम नहीं, बल्कि अभ्यास का प्रभाव है। यही अभ्यास हमें गणित के साथ भी करना है।

संगीत सीखने का उदाहरण

कोई भी व्यक्ति पहली बार हारमोनियम, गिटार या तबला बजाने बैठता है, तो वह तुरंत मधुर धुन नहीं निकाल पाता। रोज रियाज करने से ही उंगलियां सही जगह चलना सीखती हैं। गणित में भी दिमाग को नियमित रियाज की आवश्यकता होती है। हम जितने अधिक प्रश्न हल करेंगे, हमारी सोचने की क्षमता उतनी ही अधिक विकसित होगी।

नियमित अभ्यास के लाभ

1. सूत्र लंबे समय तक याद रहते हैं
2. प्रश्न हल करने की गति बढ़ती है
3. आत्मविश्वास मजबूत होता है
4. परीक्षा का डर कम होता है
5. कठिन प्रश्न चुटकियों में होने लगते हैं
6. तार्किक और विश्लेषणात्मक सोच विकसित होती है

गणित में रोज क्या करें?

1. दस मिनट सूत्र दोहराएं
2. बीस मिनट पुराने प्रश्न पत्र हल करे
3. बीस मिनट नए प्रश्नों का अभ्यास करें
4. गलत प्रश्नों का दोबारा हल करें
5. मानसिक गणना का अभ्यास करें
6. गलत हुए सवालों के लिए अलग कॉपी बनाएं।

डिजिटल युग में छात्रों को ई-कॉमर्स सीखना क्यों है जरूरी

आज का समय पूरी तरह डिजिटल हो चुका है। मोबाइल, इंटरनेट और ऑनलाइन सेवाओं ने हमारे जीवन को बहुत आसान बना दिया है। पहले जहाँ हर चीज के लिए बाजार जाना पड़ता था, वहीं आज कुछ ही क्लिक में हम घर बैठे कपड़े, किताबें, मोबाइल, किराना और लगभग हर चीज मंगवा सकते हैं। इसी व्यवस्था को ई-कॉमर्स कहा जाता है। ई-कॉमर्स ने न केवल खरीदारी के तरीके को बदला है, बल्कि यह आज के समय की सबसे बड़ी आर्थिक और तकनीकी क्रांति बन चुका है।

आर्डर से डिलीवर तक का सफर

ई-कॉमर्स का मतलब है इंटरनेट के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद-बिक्री करना। इसमें ग्राहक ऑनलाइन प्रोडक्ट देखते हैं, ऑर्डर करते हैं और डिजिटल पेमेंट के माध्यम से भुगतान करते हैं। इसके बाद सामान घर तक डिलीवर कर दिया जाता है। उदाहरण के लिए अमेजन, फ्लिपकार्ट, मिशो, जियोमार्ट ये सभी प्लेटफॉर्म ई-कॉमर्स के बड़े उदाहरण हैं।

ई-कॉमर्स छात्रों के लिए क्यों जरूरी

आज के छात्रों के लिए ई-कॉमर्स सीखना बहुत जरूरी हो गया है क्योंकि आने वाला भविष्य पूरी तरह डिजिटल है। हर क्षेत्र में ऑनलाइन सिस्टम का उपयोग बढ़ रहा है। इससे छात्रों को डिजिटल दुनिया की समझ विकसित होती है। उन्हें आधुनिक तकनीक का ज्ञान मिलता है

करियर के नए विकल्प तैयार

ई-कॉमर्स सीखने से छात्रों के लिए कई नए करियर विकल्प खुल जाते हैं। जैसे डिजिटल मार्केटिंग, ऑनलाइन बिजनेस मैनेजमेंट, कंटेंट क्रिएशन, डिलीवरी और लॉजिस्टिक्स की समझ तथा कस्टमर सपोर्ट के बारे में पूरी जानकारी। आज कई कंपनियाँ ऐसे युवाओं की तलाश में रहती हैं जिन्हें ऑनलाइन बिजनेस की समझ हो।

आत्मनिर्भर बनने का माध्यम

ई-कॉमर्स छात्रों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी देता है। वे पढ़ाई के साथ-साथ छोटे स्तर पर ऑनलाइन बिजनेस शुरू कर सकते हैं। उदाहरण के लिए हैंडमेड प्रोडक्ट बेचना, सोशल मीडिया से बिजनेस प्रमोशन और ऑनलाइन रीसेलिंग। इससे छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे आर्थिक रूप से भी मजबूत बन सकते हैं। कॉमर्स आज केवल खरीदारी का साधन नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल बन चुका है। छात्रों के लिए इसे सीखना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह उन्हें भविष्य की डिजिटल दुनिया के लिए तैयार करता है। जो छात्र आज ई-कॉमर्स को समझता है, वही कल के आधुनिक और सफल समाज का हिस्सा बनता है।

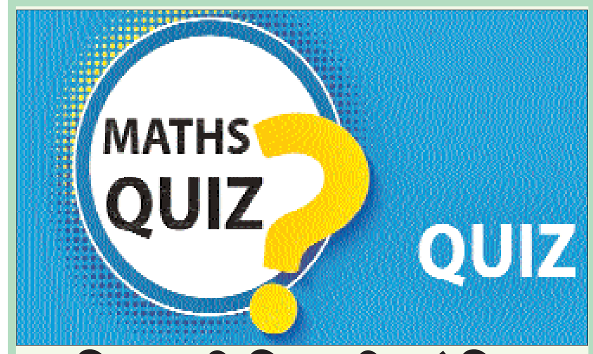

गणित की दिमागी पहेलियां

1 - यदि 8 आदमी किसी काम को 12 दिन में पूरा करते हैं तो 4 आदमी वही काम कितने दिन मे करेंगे।

2 - यदि 3 बिल्लियां, 3 चूहों को 3 मिनट में पकड़ती है तो 100 बिल्लियां 100 चूहों को कितने मिनट में पकड़ेंगीं।

3 - एक संख्या सोचिए। उसे 2 से गुणा करें। फिर 10 जोड़े, फिर 2 से भाग दें और अंत में मूल संख्या घटा दें। क्या बचेगा।

4 - एक होटल मे 7 मंजिल है। पहली मंजिल में 7 लोग रहते हैं, दूसरी में 14, तीसरी में 16, चौथी में 19 पांचवी, छठी में 20-20 और सातवी में 22 लोग तो लिफ्ट सबसे अधिक किस मंजिल में रूकेगी।

5 - एक तालाब में 100 मछलियां हैं। 29 मछलियां डूब गयी तो अब तालाब में कितनी मछलियां बचीं।

जवाब

1 - 24 दिन, क्योंकि आदमी आधे हुए इसलिए समय दोगुना होगा।

2 - 3 मिनट क्योंकि हर एक बिल्ली एक चूहा 3 मिनट में पकड़ती है।

3 - 5, कोई भी संख्या लें जवाब हमेशा 5 ही आएगा।

4 - ग्राउंड फ्लोर में क्योंकि हर व्यक्ति को बाहर जाने के लिए ग्राउंड फ्लोर में आना ही होगा।

5 - 100 मछलियां क्योंकि मछलियां डूबती नहीं है।

खेल-खेल में आसान तरीकों से सीखें गणित

गणित को अक्सर एक कठिन और डरावना विषय माना जाता है, लेकिन अगर इसे सही तरीके से समझा जाए तो यही सबसे मजेदार और रोचक विषय बन सकता है। जब बच्चे किताबों की जगह खेल-खेल में, कहानियों में और अपनी रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़कर गणित सीखते हैं, तो उनका डर खुद-ब-खुद खत्म हो जाता है, और सीखने की रुचि बढ़ जाती है। यही कारण है कि खेल-खेल में सीखना बच्चों के दिमाग को तेज करता है, याददाश्त बढ़ाता है और गणित को बोझ नहीं बल्कि आनंद बना देता है। आइए जानते हैं कुछ आसान और रोचक तरीके, जिनसे गणित को खेल की तरह सीखा जा सकता है।

लूडो और सांप-सीढ़ी से सीखें जोड़-घटाव

लूडो खेलते समय पासा फेंकना बच्चों के लिए जोड़-घटाव का सबसे सरल अभ्यास हो सकता है। उदाहरण के लिए पहली बार 4 आया फिर 6 आया तो बच्चे से दोनों अंक जोड़ने को बोलें। इससे वह आसानी से बोल और समझ सकेगा कि 4 प्लस 6, 10 होगा। लूडो और सांप सीढ़ी खेलते हुए अगर किसी घर से 3 पीछे जाना है, तो 10 माइनस 3 यानि 7 होगा। इससे बच्चा बिना दबाव के खेल खेल में गणना करना सीख जाता है।

क्रिकेट स्कोर से गणित सीखना

क्रिकेट बच्चों का पसंदीदा खेल होता है। इसे गणित से जोड़कर सीखना बहुत आसान है। उदाहरण एक ओवर में 8 रन बने और अगले में 12 रन तो बच्चे से पूछें कि कुल कितने रन बनें। 8 प्लस 12 यानि 20 होगें। इसी तरह अगर किसी टीम को जीत के लिए 150 रन चाहिए और अभी 90 रन बने हैं तो उससे पूछें कि जीतने के लिए कितने रन चाहिए, बच्चा गणना करके बोलेगा, 150 माइनस 90 यानि 60 रन की और जरूरत है। इससे जोड़-घटाव और मानसिक गणना (मेंटल मैथ्स) मजबूत होती है।

बाजार और खरीदारी से गणित

दैनिक जीवन में सबसे अच्छा गणितीय अभ्यास बाजार से सीखने को मिलता मिलता है। उदाहरण के लिए बाजार जाकर बच्चे से पूछें एक किलो टमाटर 30 रूपये का आता है तो 2 किलो टमाटर कितने का आयेगा। बच्चा गणना करके बोलेगा 30 गुणा 2 यानि 60 रूपये का। इसी तरह आप उनसे पूछें कि अगर उसे 100 दिए,गए तो कितने रूपए बचे। बच्चा 100 माइनस 60 यानि 40 रूपए बोलेगा। इससे गुणा और घटाव दोनों आसान हो जाते हैं बच्चे के मस्तिष्क में गणितीय रचनात्मकता का विकास होगा।

पिज्जा और चॉकलेट से भाग सीखना

बच्चों को भाग समझाना कठिन लगता है, लेकिन खाते समय खेल खेल में उन्हें आसाी से समझाया जा सकता है। उदाहरण के लिए एक पिज्जा या चॉकलेट को 4 हिस्सों में बांटकर उसे बताओ कि यदि आपने 1 हिस्सा खाया तो कुल पिज्जा या चॉकलेट का एक चौथाई होगा। यदि आपने आधा खाया तो आधा हिस्सा होगा। इससे गणितीय भिन्न की समझ बहुत मजबूत होती है। साथ ही समय और जोड़-घटाव दोनों का अभ्यास होता है। गणित कोई कठिन विषय नहीं है, बल्कि इसे सीखने का तरीका अगर सही हो तो यह सबसे आसान और रोचक विषय बन सकता है।

भारतीय गणितज्ञ और उनका योगदान

आर्यभट

1 - भारत के कुसुमपुरा, वर्तमान पटना में जन्मे आर्यभट को प्रथम महान भारतीय गणितज्ञ और खगोलशास्त्री माना जाता है।

2 - गणनाओं के लिए दशमलव संख्या प्रणाली की शुरुआत इन्होंने ही की।

3 - पाई का मान चार दशमलव स्थानों तक सटीकता से परिकलित किया।

4 - पृथ्वी के गोलाकार आकार और उसकी धुरी पर घूर्णन की खोज की।

5 - उन्होंने ही सबसे पहले बताया कि एक वर्ष की अनुमानित अवधि 365.25 दिन होती है। आर्यभट ने पृथ्वी की परिधि की गणना 99.8 प्रतिशत सटीकता के साथ की थी।

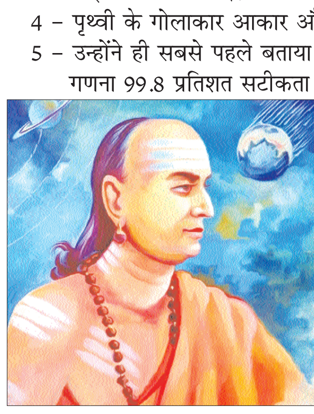

वराहमिहिर

1 - उज्जैन के गणितज्ञ और ज्योतिषी वराहमिहिर ने आर्यभट्ट के कार्य को आगे बढ़ाया।

2 - पास्कल त्रिभुज के प्रारंभिक संस्करण की खोज की।

3 - अधिक सटीक त्रिकोणमितीय गणनाओं के लिए आर्यभट की साइन सारणी को उन्नत किया।

4 - उन्होंने पंचसिद्धांतिका और बृहत् संहिता की रचना की, जो गणित और खगोल विज्ञान को संयोजित करने वाले ग्रंथ हैं।

5 - वराहमिहिर ने मैजिक स्क्वायर का आविष्कार किया, जो एक लोकप्रिय गणितीय पहेली है।

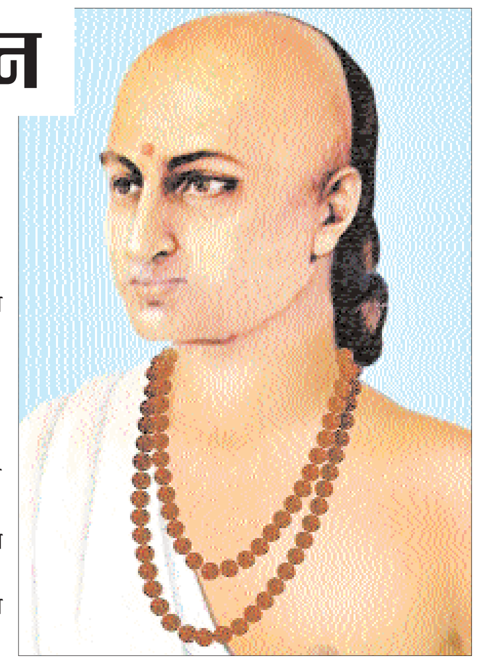

पेयजल व्यवस्था पर कलेक्टर की चेतावनी, कहा–लापरवाही बर्दाश्त नहीं

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक में दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले में पेयजल आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने तथा आम नागरिकों को किसी प्रकार की पेयजल समस्या का सामना न करना पड़े, इसके लिए कलेक्टर मृणाल मीना ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी (पीएचई) विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में पेयजल व्यवस्थाओं, खराब हैंडपंपों की मरम्मत, जल स्रोतों की स्वच्छता तथा सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की स्थिति पर गहन चर्चा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री बी.एल. उइके सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर मृणाल मीना ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों (एसडीओ) को साफ निर्देशित किया कि जिले में जहां कहीं भी हैंडपंप खराब अवस्था में हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर तत्काल सुधरवाया जाए। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान पेयजल की उपलब्धता नागरिकों की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र का भ्रमण कर वास्तविक स्थिति का आकलन करने तथा समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर मृणाल मीना ने कहा कि केवल जल उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी हैंडपंपों, कुओं एवं अन्य जल स्रोतों के आसपास नियमित साफ–सफाई कराई जाए ताकि गंदगी और दूषित वातावरण के कारण किसी भी प्रकार की जलजनित बीमारी फैलने की आशंका न रहे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

पेजजलकी शिकायतों को गंभीरता से लेव

कलेक्टर मृणाल मीना ने चेतावनी देते हुए कहा कि पेयजल आम नागरिकों का मूलभूत अधिकार है और प्रत्येक व्यक्ति तक पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी पहुंचाना शासन–प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेयजल से जुड़ी प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसका त्वरित और प्रभावी निराकरण किया जाए।

लापरवाह अधिकारियों पर होंगी कार्यवाई

कलेक्टर मृणाल मीना ने पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया कि सभी लंबित शिकायतों का समय–सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही या अनावश्यक विलंब पाया गया तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी एसडीओ को निर्देश दिए कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में प्राप्त जन शिकायतों की नियमित निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार–बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे संवेदनशीलता, जवाबदेही और तत्परता के साथ कार्य करते हुए जिले में पेयजल व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने का काम करें, ताकि प्रत्येक नागरिक को समय पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके और किसी भी क्षेत्र में जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो।

बीमार मां की जमीन हड़पने का भाई पर आरोप

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले के बिरसा क्षेत्र में पारिवारिक विवाद ने एक नया मोड़ ले लिया है। छोटे भाई ने अपने ही बड़े भाई सहित छह लोगों पर मानसिक रूप से बीमार मां की संपत्ति को धोखाधड़ी और साजिश के तहत अपने नाम कराने का आरोप लगाते हुए एसपी से लिखित शिकायत की है। बिरसा निवासी मोहम्मद ओबेश सौदागर ने एसपी को दिए शिकायत पत्र में अपने बड़े भाई मोहम्मद अबरार उर्फ टीपू, जितेंद्र पिता फागूलाल क्षीरसागर (दानपत्र के गवाह), राधेकिशन पिता कंचन सिंह चौहान (दानपत्र के गवाह), मुबीन खान पिता स्व. अब्दुल रब, संबंधित सर्विस प्रोवाइडर उप पंजीयक कार्यालय बैहर सहित महासिंह मसराम उप पंजीयक बैहर के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं।

शिकायतकर्ता के अनुसार, उनके पिता स्वर्गीय मोहम्मद साबीर सौदागर द्वारा जीवनकाल में उनकी मां शमीम अख्तर के नाम ग्राम पीपरटोला में कृषि भूमि क्रय की गई थी।शिकायत में बताया गया है कि उनकी मां लंबे समय से मानसिक रोग से ग्रसित हैं और वर्ष 2014 से उनका इलाज चल रहा है। इस स्थिति का फायदा उठाते हुए उनके बड़े भाई ने अपने सहयोगियों–दानपत्र के गवाहों, एक रिश्तेदार तथा उप पंजीयक कार्यालय के कर्मचारियों के साथ मिलकर कथित रूप से साजिश रची। आरोप है कि 15 अप्रैल 2026 को उनकी मां को बिना उचित समझ और सहमति के उप पंजीयक कार्यालय बैहर ले जाकर दानपत्र के माध्यम से पूरी संपत्ति बड़े भाई के नाम हस्तांतरित करा दी गई। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी की गई और एक जिम्मेदार लोक सेवक द्वारा भी बिना जांच–पड़ताल के दस्तावेज पंजीकृत कर दिए गए। मोहम्मद ओबेश ने यह भी आरोप लगाया है कि उनका बड़ा भाई आपराधिक प्रवृत्ति का है और पूर्व में भी उसके खिलाफ धोखाधड़ी एवं अन्य मामलों में प्रकरण दर्ज रह चुके हैं। वर्तमान में वह उक्त संपत्ति को बेचने की कोशिश कर रहा है।शिकायतकर्ता ने प्रशासन से मांग की है कि सभी आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, साजिश और अन्य प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि उनकी मां के अधिकारों की रक्षा हो सके।

बार रूम अध्यक्ष पर अवैध वसूली का आरोप, पुलिस से शिकायत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिला न्यायालय एवं तहसील परिसर के आसपास अस्थाई रूप से कई दस्तावेज लेखक तथा स्टाम्प कार्य करते है, जिन्होंने जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष पर अभद्रता किये जाने तथा अनुचित रूप से प्रति दुकान के 600 रूपये महीने के हिसाब से वसूली किये जाने के आरोप लगाये है। इसकी शिकायत लेकर 11 जून को कोतवाली थाने पहुंचे थे जहां पर दस्तावेज लेखक स्टाम्प वेंडर संघ बालाघाट के माध्यम से आवेदन दिया है तथा बार रूम अध्यक्ष की शिकायत बार काउंसिल, पुलिस अधीक्षक तथा कलेक्टर से भी किये जाने की बात कही है। पुलिस अधीक्षक के नाम दिये गये पत्र में बताया गया है कि न्यायालय परिसर के बाहर लगभग 20 से 40 वर्षो से कुछ लोग स्टाम्प वेंडेर, दस्तावेज लेखक और टाइपिस्ट के तौर पर भूमि पंजीयन एवं टाइपिंग संबंधी कार्य करते है। कुछ दिनों पहले जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रवेश मलेवार अपने कुछ साथियों के साथ यहां पहुंचे थे जिन्होंने सभी के लाइसेंस की जांच की। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि जांच के बाद उन्हें वहां बैठकर कार्य करने से रोकने का प्रयास किया गया तथा प्रत्येक व्यक्ति से प्रतिमाह 600 रूपये की राशि दिये जाने की मांग की गई। स्टाम्प वेंडरों ने कहा है कि वे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के है और अपने परिवार का भरण–पोषण इसी कार्य से करते है ऐसे में उनके द्वारा जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष को प्रतिमाह यह राशि देना संभव नहीं है। दस्तावेज लेखक एवं स्टाम्प वेंडरों का कहना है कि बार रूम अध्यक्ष द्वारा अनुचित तरीके से उनसे रूपये की मांग की जा रही है जिसे लेकर वे इस अवैध वसूली को रोकने की शिकायत तथा पुलिस का सहयोग मिले इस अपेक्षा के साथ शिकायत देने पहुंचे है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उचित कार्यवाही किये जाने की मांग रखी गई है। बताया गया कि इस मामले की शिकायत बार काउंसिल एवं कलेक्टर से भी की जा रही है। स्टाम्प वेंडर संघ कोषाध्यक्ष दिनेश एड़े ने कहा है कि बार काउंसिल अध्यक्ष प्रवेश मलेवार द्वारा हमारे कार्य करने के दौरान लायसेंस की जांच की गई और फिर अभद्रतापूर्ण व्यवहार किया गया। एक साथी को बैठने लायक नहीं है कहां गया और विद्युत मीटर के तारों को हटाकर फेंका गया है।

एसडीएम ने शिविर लगाकर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

फौती नामांतरण का मौके पर हुआ निराकरण, नांदी में लगा जनकल्याण शिविर

कटंगी(स्वतंत्र मत)

शासन द्वारा संचालित विशेष अभियान के अंतर्गत गुरुवार को तिरोड़ी तहसील के ग्राम नांदी में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं को उनके गांव में ही सुनकर उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना था। शिविर में कुल 46 आवेदन प्राप्त हुए थे। शिविर में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कटंगी के.सी. ठाकुर, तहसीलदार शांडिल्य एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गायत्री कुमार सारथी ने उपस्थित ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना। अधिकारियों ने प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का परीक्षण करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समय–सीमा में उनका निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

फौती नामांतरण का मौके पर हुआ निराकरण

शिविर के दौरान ग्रामीणों द्वारा राजस्व, पेयजल, बिजली, सड़क, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन, आवास, कृषि एवं अन्य विभागों से संबंधित समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखी गई। अधिकारियों ने संबंधित विभागों के कर्मचारियों को प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। शिविर में फौती नामांतरण के एक आवेदन का मौके पर ही निराकरण किया गया और पटवारी द्वारा फार्मर रजिस्ट्री के साथ किसानों को ई–टोकन से उर्वरक प्राप्त करने के लिए बकेटिंग की गई।

जनहितकारी योजना का लाभ लेने की अपील

इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और उन्होंने अपने–अपने विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को प्रदान की। शिविर में पात्र हितग्राहियों के आवेदन भी प्राप्त किए गए तथा उन्हें योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से शासन की जनहितकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने तथा अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन से सीधे संपर्क बनाए रखने की अपील की। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे और उन्होंने प्रशासन द्वारा गांव स्तर पर आयोजित इस पहल की सराहना की।

व्यापारियों के हित में नगर पालिका की बड़ी पहल, सड़क निर्माण को मिली मंजूरी

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) जिला उमरिया के जिला अध्यक्ष कीर्ति कुमार सोनी द्वारा व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद नगर पालिका परिषद उमरिया की मल्टी टायर्ड मॉनिटरिंग टास्क फोर्स समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, जिसमें व्यापारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा की गई। बैठक में 9 जून को आयोजित व्यापारियों की बैठक में उठाए गए प्रमुख विषयों पर विचार किया गया। बैठक में आईसीआईसीआई बैंक से रेलवे फाटक के पहले तक सड़क निर्माण का मुद्दा प्रमुखता से रखा गया। समिति ने इस प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान करते हुए तकनीकी स्वीकृति (टी.एस.) के लिए फाइल अग्रेषित कर दी है। नगर पालिका अधिकारियों के अनुसार बरसात शुरू होने से पहले सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाने का प्रयास किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के व्यापारियों एवं आम नागरिकों को आवागमन में होने वाली समस्याओं से राहत मिलेगी। इसके अलावा गांधी चौक स्थित यातायात थाना बाउंड्री के पास अस्थायी रूप से दुकान लगाने वाले मोची व्यवसायियों के संबंध में भी चर्चा हुई। समिति ने निर्णय लिया कि वर्तमान स्थान से उन्हें व्यवस्थित रूप से अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाएगा, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और संबंधित व्यवसायियों के रोजगार पर भी कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। व्यापारिक संगठन के आग्रह पर समिति ने आर.के. स्टूडियो उमरिया एवं एक्सीलेंस स्कूल के मध्य क्षेत्र में एक मिनी सुलभ शौचालय स्थापित करने की अनुमति भी प्रदान की है। व्यापारियों का कहना था कि इस क्षेत्र में शौचालय की व्यवस्था नहीं होने के कारण व्यापारियों, ग्राहकों एवं आम नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। समिति के इस निर्णय से लंबे समय से चली आ रही समस्या के समाधान का मार्ग प्रशस्त हुआ है। बैठक के दौरान नगर पालिका द्वारा व्यापारियों से शहर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करने का आग्रह किया गया। अधिकारियों ने कहा कि दुकानों का कचरा सड़क पर अथवा सार्वजनिक स्थानों पर न फेंका जाए। यदि भविष्य में निर्धारित व्यवस्था का पालन नहीं किया गया और सड़क पर कचरा फेंकने की शिकायतें प्राप्त होती रहीं, तो नगर पालिका द्वारा चलानी कार्रवाई भी की जा सकती है।

बांधवगढ़ में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए बड़ा अभियान, 1500 से अधिक आवारा कुत्तों का होगा टीकाकरण

उमरिया (स्वतंत्रमत)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व (बीटीआर) प्रबंधन ने वन्यजीवों को संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केनाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) के संभावित खतरे को देखते हुए टाइगर रिजर्व क्षेत्र और उसके आसपास के गांवों में रहने वाले 1500 से अधिक आवारा कुत्तों के व्यापक टीकाकरण की तैयारी पूरी कर ली गई है। वैक्सीन की खेप पहुंचते ही अगले एक–दो दिनों के भीतर अभियान शुरू कर दिया जाएगा। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार केनाइन डिस्टेंपर वायरस मुख्य रूप से कुत्तों में पाया जाने वाला अत्यंत संक्रामक रोग है। यह संक्रमित कुत्तों के संपर्क में आने से अन्य वन्यजीवों तक भी पहुंच सकता है। विशेष रूप से बाघ, तेंदुआ और अन्य मांसाहारी वन्यजीव इस वायरस की चपेट में आ सकते हैं। ऐसे में बांधवगढ़ जैसे संवेदनशील टाइगर रिजर्व क्षेत्र में इस बीमारी की रोकथाम बेहद जरूरी मानी जा रही है।टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने अभियान शुरू करने से पहले क्षेत्रीय सर्वे कराकर 1500 से अधिक आवारा कुत्तों की पहचान की है।

विशाल मेगा नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन उमरिया जिले में हुआ सम्पन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बिलासपुर छत्तीसगढ़ के जूनेजा सुपरस्पेशियलिटी आई हॉस्पिटल, बिलासपुर द्वारा ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ कोल एग्जीक्यूटिव्स एवं ऑल इंडिया कोल पेंशनर्स एसोसिएशन के संयुक्त सहयोग से कोल कर्मियों एवं अन्य कर्मचारियों ,व जिले के नागरिकों के लिए विशाल नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन उमरिया नौरोजाबाद ,पाली,विन्ध्या,में हुआ।शिविर में देश के प्रतिष्ठित नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सोनल जुनेजा (एमएस, एफआरएफ, एफयूओसी, यूएसए) एवं डॉ. राकेश जुनेजा (एमएस, एफआरएफ, एफयूओसी, यूएसए) द्वारा मरीजों का परीक्षण एवं परामर्श दिया गया एवं नि:शुल्क आवश्यक दवाईयों ,इंजेक्शन का भी वितरण किया गया। शिविर के दौरान मोतियाबिंद, रेटिना, यूविया, न्यूरो–ऑप्थैल्मोलॉजी, ट्रॉमा एवं अन्य नेत्र रोगों की जांच की गयी। शिविर में आधुनिक मशीनों द्वारा रेटिना स्कैन एवं अन्य नेत्र परीक्षण किए गये।डा0सोनल जुनेजा,डा0राकेश जुनेजा जो कि इंटरनेशनल कांफ्रेस में वियतनाम गये हुऐ थे शिविर के दौरान आवश्यकता पड़ने पर विडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये परामर्श देते रहे। इसके अलावा आंखों में पानी आना, खुजली, धुंधला दिखाई देना, आंखों की पलकों, नाखून एवं आंसू ग्रंथियों से संबंधित समस्याओं का भी उपचार एवं परामर्श नि:शुल्क किया गया। साथ ही नेत्र प्रत्यारोपण (आई ट्रांसप्लांट) संबंधी जानकारी भी प्रदान की गयी।जांच शिविर में उमरिया में 50,पाली में 58,नौरोजाबाद में 150 व विन्ध्या कालरी कालोनी में 61 महिला पुरूष बच्चों का परीक्षण किया गया।सम्पूर्ण कार्यक्रम महाप्रबंन्धक जोहिला क्षेत्र श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान के निर्देशन व उपक्षेत्रीय उमरिया प्रबंन्धक श्री आर0व्ही गोटमारे के दिग्दर्शन में सम्पन्न किया गया।इस अवसर पर जवाहर डिस्पेंसरी उमरिया चपहा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0संतोष कुमार व 9 नम्बर कालोनी डिस्पेंसरी उमरिया के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 अभिनव,सिनीयर क्लर्क मोहित कुमार व पूरा हास्पिटल स्टाफ नर्स उपस्थित रहे।शायोप्रस व नव स्वदेश के समाजसेवी विजय कुमार व भारतीय कोयला मजदूर संघ के अध्यक्ष नौमीशरण यादव जी ने ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ कोल एग्जीक्यूटिव्स एवं ऑल इंडिया कोल पेंशनर्स एसोसिएशन तथा महाप्रबंन्धक जोहिला क्षेत्र के महाप्रबंन्धक श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान जी के प्रति धन्यवाद भरा आभार व्यक्त करते हुऐ कहा कि वर्तमान समय में प्रदूषण,डायबिटिज,मोबाईल इंटरनेट व अन्य आंखो से सम्बधिंत आर्गन प्रभावित होने वाली बीमारियों की वजह से हमारी कोमल आंखो पर बुरा असर पड़ता है।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने पर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, मानपुर में किया उपवास

मानपुर (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मानपुर द्वारा तहसील परिसर में एक दिवसीय उपवास एवं सत्याग्रह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस निर्णय को लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताते हुए शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया तथा संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। उपवास कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र, संविधान और जनप्रतिनिधित्व की निष्पक्ष व्यवस्था के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की। वक्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा और संविधान की मूल भावना को अक्षुण्ण बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष की आवाज को कमजोर करने तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से विरोध कर रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि कांग्रेस हमेशा लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है। इसी उद्देश्य से मानपुर में एक दिवसीय उपवास रखकर लोकतांत्रिक अधिकारों के संरक्षण और न्याय की मांग को लेकर विरोध दर्ज कराया गया है। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष उमाशंकर पटेल, पूर्व जिला अध्यक्ष शारदा प्रसाद गौतम, पीसीसी सदस्य ओपी द्विवेदी, जनपद सदस्य रोशनी सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजय सिंह, मनोज सिंह, युवा नेता विजय गौतम, कुशलेंद्र तिवारी, नगर अध्यक्ष विकास गुप्ता, विष्णु तिवारी, मंडलम अध्यक्ष भोला पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेल बेहद जरूरी

एक माह तक चला खेल उत्सव, स्कूली बच्चों और युवाओं में दिखा उत्साह

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान स्कूली बच्चों और युवाओं को खेल से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित खेल उत्सव आरोह 2026 का समापन दीनदयाल उपाध्याय इंडोर स्टेडियम में हुआ। समापन अवसर पर मध्यप्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती उईके ने कहा कि खेल मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा है। खेल न केवल बच्चों को ऊर्जावान रखता है बल्कि उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकालीन अवकाश में इस प्रकार के खेल उत्सव स्कूली बच्चों और युवाओं के लिए उपयोगी साबित होते हैं। केन्द्र और प्रदेश सरकार लगातार महिलाओं कृषकों और युवाओं के हित में काम कर रही है। मंत्री ने कहा कि जिले में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जिले की खेल संभावनाओं को देखते हुए खेल एवं युवक कल्याण विभाग की ओर से 53 लाख रुपये की क्रीड़ा सामग्री उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ ही जिले में एक जिला स्तरीय खेल परिसर के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है और शीघ्र ही नया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। उन्होंने बच्चों को खेल उत्सव में भाग लेने के लिए प्रेरित करने वाले अभिभावकों का आभार भी व्यक्त किया। समापन कार्यक्रम से पहले मंत्री श्रीमती उईके तीरंदाजी मैदान पहुंचीं और वहां मौजूद खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं भी रिकर्व बो हाथ में लेकर तीरंदाजी में अपना हाथ आजमाया। इसके बाद उन्होंने इंडोर स्टेडियम में लगाई गई स्पोर्ट्स प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न खेल उपकरणों की जानकारी ली। समापन समारोह में खेल उत्सव में हिस्सा लेने वाले बच्चों ने वुशु और मुक्केबाजी का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों के जोश और अनुशासन को देखकर उपस्थित दर्शकों ने तालियां बजाकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अंत में खेल प्रशिक्षकों और प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य जोरावर सिंह, शिवा राजपूत, कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे, पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, सहायक कलेक्टर शैलेन्द्र चौधरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा, जिला खेल अधिकारी विकास खराड़कर सहित मीडिया प्रतिनिधि, खिलाड़ी और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के 1760 खिलाड़ियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के तहत 41 प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को 21 खेलों की बेसिक और एडवांस तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही योग एरोबिक जुम्बा और फिट इंडिया मूवमेंट जैसी 35 फिटनेस गतिविधियां भी आयोजित की गईं। सांस्कृतिक विकास के लिए जिला स्तर पर नृत्य गायन और चित्रकला प्रतियोगिताएं कराई गईं, जिसमें विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। आयोजन में केवल खेल तक सीमित नहीं रखा गया। खिलाड़ियों को नेतृत्व क्षमता, संचार कौशल और प्रेरणा जैसे विषयों पर भी प्रशिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। 2 जून को साइबर सेल मंडला के निरीक्षक राजेंद्र बिसेन ने खिलाड़ियों और अभिभावकों को नशा मुक्ति और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। आरोह 2026 का आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंडोर स्टेडियम मंडला, जेआरसी खेल मैदान नैनपुर, महात्मा गांधी स्टेडियम सहित जिले के विभिन्न केंद्रों पर किया गया।

चार गुना मुआवजे की मांग

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)।

टिकरिया नारायणगंज से चुटका परमाणु विद्युत संयंत्र क्षेत्र तक बन रहे सड़क मार्ग के चौड़ीकरण में अधिग्रहित भूमि का मुआवजा मौजूदा बाजार दर पर दिलाने की मांग को लेकर देवहारा और देवगांव प.ह.नं. 26/40 के सैकड़ों किसानों ने कलेक्टर से मुलाकात कर आवेदन सौंपा है।

सौपे गए आवेदन में किसानों ने मांग की है कि वर्ष 2021 की सर्वे सूची को निरस्त कर 2026-27 में नया सर्वे कराया जाए। साथ ही सर्वे में छूटे हुए किसानों को सूची में शामिल कर इसी वित्तीय वर्ष के प्रचलित दर पर मुआवजा भुगतान सुनिश्चित किया जाए। मौके पर सड़क चौड़ीकरण का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। निर्माण एजेंसी द्वारा फिलहाल सरकारी भूमि पर कार्य कराया जा रहा है।

अधिग्रहित की गई निजी भूमि को बीच-बीच में छोड़ा गया है। किसानों का कहना है कि देर-सबेर इस भूमि पर भी निर्माण होना तय है। इससे पहले आज के रेट का चार गुना मुआवजा भुगतान किसानों के खाते में हो। आपत्ति का मुख्य वजह यह है कि प्रशासन द्वारा 2021 की सर्वे सूची के आधार पर मुआवजा दिए जाने का दबाव बनाया जा रहा है। किसानों का कहना है कि मुख्यमंत्री ने हाल ही में अधिग्रहित भूमि का मुआवजा चार गुने दर पर भुगतान करने की घोषणा की है। पांच साल पुराने रेट से भुगतान करने पर किसानों को भारी आर्थिक क्षति होगी।

21 नए सपोर्ट पर्सन इम्पैनल

मण्डला (स्वतंत्र मत)। महिला एवं बाल विकास विभाग एवं बाल कल्याण समिति द्वारा पॉक्सो पीड़ित बालक-बालिकाओं को बेहतर सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में 21 नए सपोर्ट पर्सन इम्पैनल किए गए हैं इस नवीन इम्पैनलमेंट के बाद जिले में कुल सपोर्ट पर्सन की संख्या बढ़कर 50 हो जाएगी जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पॉक्सो पीड़ित बच्चों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए विगत एक वर्ष में तीन चरणों में आवेदन आमंत्रित किए गए थे वर्तमान में बाल कल्याण समिति के समक्ष पॉक्सो अधिनियम से संबंधित लगभग 70 प्रकरण लंबित हैं जिनमें 29 सपोर्ट पर्सन पहले से कार्यरत हैं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 39 के तहत यौन अपराध से पीड़ित बच्चों को सहायक व्यक्ति उपलब्ध कराने का प्रावधान है राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के आधार पर 21 नए सपोर्ट पर्सन का चयन किया गया है।

औसत वर्षा की गई दर्ज

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिले में इस वर्ष 1 जून से 10 जून 2026 के दौरान 9.9 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है जबकि इसी अवधि तक गत वर्ष 24.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार गत् वर्ष की तुलना में इस वर्ष 14.9 मिलीमीटर कम वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 जून 2026 को मंडला में 5.8 मि.मी., नैनपुर में 6.2 मि.मी., बिछिया में 1.4 मि.मी., निवास में 0.2 मि.मी., घुघरी में 1.6 मि.मी. एवं नारायणगंज में 1.2 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। इस प्रकार जिले में 10 जून 2026 को 2.7 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

जल संरक्षण का संदेश

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड बिछिया द्वारा ग्राम पंचायत मेढ़ाताल में बावड़ी उत्सव का आयोजन किया गया। 5 जून से 30 जून तक चल रहे इस अभियान के तहत नवांकुर संस्था दिवारा ने जिला एवं विकासखंड समन्वयकों के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित किया।

बाढ़ आपदा नियंत्रण ड्यूटी

मण्डला (स्वतंत्र मत)। आगामी मानसून सत्र को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन ने बाढ़ एवं अतिवृष्टि जैसी संभावित आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला स्तरीय बाढ़ आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था सुदृढ़ कर दी है। कलेक्टर कार्यालय मंडला द्वारा जारी आदेश के अनुसार नियंत्रण कक्ष में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी 9 जून से 15 अक्टूबर तक निर्धारित की गई है।

कार्यवाही, दो वाहन जब्त

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। मध्यप्रदेश शासन खनिज साधन विभाग के निर्देशों एवं कलेक्टर मंडला के मार्गदर्शन में जिलेभर में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में प्राप्त शिकायतों के आधार पर 9 जून को नारायणगंज क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त दो वाहनों को जब्त किया गया।

ग्रामीणों को दी बैंकिंग बीमा जानकारी

मण्डला (स्वतंत्र मत)। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न विकासखंडों में वित्तीय साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से समर्पित संस्था सीएफएल द्वारा घुघरी, नैनपुर, बिछिया, नारायणगंज एवं मवई विकासखंड की ग्राम पंचायतों तथा स्थानीय हाट-बाजारों में कैनोपी लगाकर यह विशेष जनजागरूकता अभियान संचालित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं बचत की आदत डिजिटल लेन-देन ऋण सुविधाओं तथा सरकार एवं बैंकों द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही नागरिकों को वित्तीय प्रबंधन के प्रति जागरूक रहने सुरक्षित बैंकिंग अपनाने तथा दुर्घटनाओं एवं अन्य जोखिमों से होने वाले आर्थिक नुकसान से बचाव हेतु उपलब्ध बीमा योजनाओं एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी भी दी गई। आयोजकों ने ग्रामीणों को साइबर धोखाधड़ी से बचने, अपने बैंक खाते की गोपनीय जानकारी साझा न करने तथा डिजिटल भुगतान के दौरान आवश्यक सावधानियां बरतने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन महिला समूहों के सदस्य तथा स्थानीय नागरिक शामिल हुए। इस दौरान आरओ लक्ष्मी पटेल के निर्देशन में सहयोगी साथियों एवं ब्लॉक काउंसलरों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

क्लोरीनेशन स्वच्छ पेयजल जागरूकता

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग पीएचई द्वारा जिले में सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने तथा जलजनित बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से विकासखंड घुघरी एवं मंडला के विभिन्न ग्रामों में क्लोरीनेशन कार्य एवं जनजागरूकता अभियान संचालित किया गया।

अभियान के तहत विकासखंड घुघरी के ग्राम लाफन एवं सैलवारा तथा विकासखंड मंडला के ग्राम घुघरा, हिरदेनगर, कटंगा टोला, खारी, सिलगी, ठरका एवं टिकरवारा में पेयजल स्त्रोतों का निर्धारित मानकों के अनुरूप

क्लोरीनेशन किया गया। विभागीय अमले ने हैंडपंपों, पेयजल स्त्रोतों एवं जल भंडारण स्थलों में क्लोरीन का उपयोग कर जल की गुणवत्ता एवं शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की। अभियान के दौरान ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि दूषित जल के सेवन से डायरिया, हैजा, टायफाइड सहित कई जलजनित बीमारियाँ फैल सकती हैं। इन रोगों से बचाव के लिए क्लोरीनयुक्त एवं स्वच्छ जल का उपयोग करना आवश्यक है।

ग्रामीणों को सलाह दी गई कि पेयजल को हमेशा स्वच्छ एवं ढंके हुए पात्रों में संग्रहित करें, जल स्त्रोतों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखें तथा आवश्यकता पड़ने पर पानी को उबालकर उपयोग करें।

योग में रिकॉर्ड बनाने अपील

मण्डला (स्वतंत्र मत)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा हाबिल्ड हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से एक विशेष ऑनलाइन योग सत्र आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकतम संख्या में लोगों को एक साथ जोड़कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करना है। यह ऑनलाइन योग सत्र 14 जून को प्रातः 6:15 बजे से 7:35 बजे तक आयोजित होगा। जिले के नागरिक टोल फ्री नंबर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर कार्यक्रम में पंजीयन कर सकते हैं। मिस्ड कॉल के बाद व्हाट्सऐप पर प्राप्त लिंक के माध्यम से प्रतिभागी निर्धारित समय पर योग सत्र से जुड़ सकेंगे।

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मण्डला (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में प्रकृति सेवा समिति टिकरिया द्वारा ग्राम बनेहरी में जल संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्यों ग्रामवासियों जनप्रतिनिधियों समाजसेवियों तथा छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को जल संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

विभाग ने जब्त किया ट्रैक्टर

मण्डला (स्वतंत्रमत)। खनिजों के अवैध उत्खनन परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। मध्यप्रदेश शासन खनिज साधन विभाग के निर्देशों तथा कलेक्टर के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा प्राप्त शिकायतों के आधार पर नियमित जांच एवं की जा रही है। इसी क्रम में 6 जून को बिछिया क्षेत्र के भ्रमण के दौरान खनिज विभाग की टीम ने रेत के अवैध उत्खनन परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त एक बिना नंबर प्लेट वाले नीले रंग के पावर ट्रैक ट्रैक्टर को जब्त किया। वाहन का उपयोग अवैध रूप से खनिज रेत के परिवहन में किए जाने की जानकारी मिलने पर कार्रवाई की गई।

मीडिया से वार्तालाप आज

मण्डला (स्वतंत्रमत)। प्रेस इनफॉरमेशन ब्यूरो पीआईबी भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भोपाल द्वारा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी एवं विकासोन्मुखी योजनाओं तथा विकसित भारत 2047 के विजन पर केंद्रित विशेष मीडिया वार्तालाप कार्यक्रम का आयोजन 12 जून को किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रातः 11 बजे से होटल विट्ठल इन, जबलपुर रोड, कटरा, मंडला में आयोजित होगा।

प्राचीन बावड़ियों का निरीक्षण

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में पहल करते हुए कलेक्टर ने कलंका बुर्ज, संगम घाट के समीप स्थित प्राचीन बावड़ी किला मंदिर परिसर स्थित बावड़ी तथा डिठौरी बीहर माता कुण्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को साफ-सफाई संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन स्थलों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा इनके संरक्षण और विकास के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार की जाए जिससे इन ऐतिहासिक धरोहरों की गरिमा और पहचान बनी रहे।

मछली का कांटा फंसा, किया उपचार

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों ने एक जटिल मामले का सफलतापूर्वक उपचार कर 11 वर्षीय बालक के गले में फंसे मछली के कांटे को सुरक्षित निकालकर राहत प्रदान की। जानकारी के अनुसार अम्बेडकर वार्ड निवासी 11 वर्षीय अंश चौधरी के गले में मछली खाते समय कांटा फंस गया था जिसके कारण उसे तत्काल जिला चिकित्सालय लाया गया। चिकित्सकों ने त्वरित जांच एवं उपचार प्रारंभ किया।

नाक कान एवं गला रोग विशेषज्ञ डॉ. सौम्या चौबे ने आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की सहायता से बालक के गले में फंसे लगभग 6 सेंटीमीटर लंबे मछली के कांटे को सफलतापूर्वक निकाल दिया। उपचार के बाद बालक की स्थिति सामान्य बताई गई है। जिला चिकित्सालय प्रबंधन ने बताया कि अस्पताल में आधुनिक सुविधाओं एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता के कारण जटिल मामलों का भी सफल उपचार किया जा रहा है।

हम फाउंडेशन की बैठक संपन्न

मण्डला (स्वतंत्र मत)। विगत दिवस कारीकोन तिराहा महाराजपुर स्थित दिलीप होटल में हम फाउंडेशन की विवेकानंद शाखा की बैठक शाखा अध्यक्ष पुहुप सिंह भारत की अध्यक्षता में तथा जिला शाखा अध्यक्ष एच पी झरिया तथा प्रदेश संरक्षक बी के राय के विशिष्ट आथित्य में संपन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि हम फाउंडेशन भारत के एक प्रकल्प पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए आगामी वर्षा ऋतु में फलदार वृक्षों का रोपण किया जावे। जिसमें यह भी निर्णय लिया गया कि हमारे शाखा के सक्रिय सदस्य राकेश दीक्षित के बाजू में स्थित भूमि में फलदार वृक्षों का रोपण किया जावे। इसी के साथ ही संगठन के प्रत्येक सदस्य को उत्तम किस्म के ग्राफ्टेड फलदार पौधों का वितरण किया जावे।

नरसिंहपुर में 13 जून को मेगा अपार दिवस का आयोजन होगा

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिला शिक्षा अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार जिले के सभी शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में एक जून से 30 जून 2026 तक प्रत्येक शनिवार को मेगा अपार दिवस का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत कक्षा पहली से 12 वीं तक के उन सभी छात्र-छात्राओं की अपार आईडी अनिवार्य रूप से बनाई जाएगी, जो इससे वंचित रह गए हैं। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक की संयुक्त बैठक लेकर इस अभियान को सफलता पूर्वक संचालित करने के निर्देश दिए हैं। विकासखंड स्तर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक, संकुल प्राचार्य और जनशिक्षकों को हर शनिवार के लिए अपार आईडी बनाने का लक्ष्य सौंपा गया है। लक्ष्य के अनुरूप अपार आईडी का कार्य समय सीमा में पूर्ण न होने पर संबंधित शासकीय/ अशासकीय विद्यालय के प्राचार्य जिम्मेदार होंगे। प्रत्येक शनिवार को स्कूलों में विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में उन बच्चों के माता-पिता/ अभिभावक को विशेष रूप से स्कूल में आमंत्रित किया जाएगा, ताकि सहमति प्राप्त कर मौके पर ही ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी की जा सके।

निगरानी समिति की बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शैक्षणिक संस्थाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के मानसिक तनाव प्रबंधन एवं उनकी मानसिक स्थिति की निगरानी के संबंध में समिति के दायित्वों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग की ओर से पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के प्राचार्य डॉ. अनिल गुप्ता ने समिति की संरचना, काउंसलर की पदस्थापना, विद्यार्थियों तथा अभिभावकों की काउंसलिंग, मेंटर-मेंटी, गार्डियन-ट्यूटर आदि के संबंध में विस्तार से प्रस्तुतिकरण किया। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि शासकीय महाविद्यालय, आईटीआई, विद्यालयों के साथ-साथ निजी शैक्षणिक संस्थाओं तथा कोचिंग सेंटर्स की नियमित रूप से बैठकें आयोजित करें।

युवा संगम कार्यक्रम बाबई चीचली में 15 जून को आयोजित होगा

नरसिंहपुर। स्वतंत्र मत। जिला रोजगार अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि राज्य शासन एवं जिला प्रशासन नरसिंहपुर के निर्देशन में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में जिला स्तरीय रोजगार/ अप्रेंटिसशिप और रोजगार अवसर के लिए युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन 15 जून को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बाबई चीचली में प्रातः 10:30 बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम में शासन की विभिन्न स्वरोजगार मूलक योजनाओं के ऋण वितरण पत्र जारी किए जाएंगे।

विभागों के द्वारा स्वरोजगार मूलक योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी। इसके साथ- साथ विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनियों के द्वारा अभ्यर्थियों का चयन कर निजी प्रतिष्ठित कम्पनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

इच्छुक आवेदक अपने समस्त दस्तावेजों के साथ कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ ले सकते हैं। जिले के विभिन्न निजी क्षेत्र के नियोक्ताओं से कहा गया है कि वे अपनी कम्पनी, शोरूम और अन्य प्रतिष्ठित निजी संस्थाओं के लिए कर्मचारियों की आवश्यकता है तो वह भी मेला स्थल पर अपना स्टॉल लगाकर आवश्यकतानुसार बेरोजगार युवक/युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए चयन कर सकते हैं।

गाय को मिले राष्ट्र माता का दर्जा, सौंपा ज्ञापन

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

मुस्लिम विकास परिषद ने राष्ट्रहित एवं सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने के उद्देश्य से भारत की राष्ट्रपति प्रधानमंत्री तथा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर के माध्यम से एक विस्तृत ज्ञापन सौंपकर गाय को राष्ट्र माता घोषित करने तथा देशभर में सशक्त गोवंश संरक्षण कानून लागू करने मांग की है। परिषद द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन में कहा गया है कि सनातन परंपरा में गाय को केवल एक पशु नहीं बल्कि करुणा पालन-पोषण समृद्धि और धार्मिक आस्था का प्रतीक माना जाता है। मुस्लिम विकास परिषद ने स्पष्ट किया कि मुस्लिम समुदाय देश के सभी धर्मों और उनकी आस्थाओं का सम्मान करता है तथा सामाजिक सौहार्द और पारस्परिक सम्मान को बनाए रखने के पक्ष में है।

इसी भावना के तहत परिषद ने केंद्र एवं राज्य सरकारों से मांग की है कि गाय के संरक्षण और सम्मान को लेकर स्पष्ट एवं प्रभावी नीतियां बनाई जाएं ताकि इस विषय पर होने वाले विवादों और राजनीति पर रोक लगाई जा सके। मांग है कि गाय को राष्ट्रहित में राष्ट्र माता घोषित किया जाए। गोवंश संरक्षण के लिए सशक्त एवं प्रभावी कानून बनाया जाए। कमजोर एवं बूढ़ी गायों की खरीद-फरोख्त पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए तथा मृत्यु के बाद उनका अंतिम संस्कार धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार कराया जाए।

गाय संरक्षण के नाम पर संचालित गौ रक्षा दलों पर प्रतिबंध लगाकर उनकी आड़ में होने वाली अवैध गतिविधियों और गौ तस्करी पर सख्त कार्रवाई की जाए। गौवंश मांस गाय एवं बैल के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले निर्यातकों के लाइसेंस निरस्त किए जाएं। गौशालाओं के संचालन हेतु विशेष आर्थिक सहायता, पारदर्शी व्यवस्था तथा संरक्षण तंत्र विकसित किया जाए। गौ आधारित उत्पादों, पंचगव्य उत्पादों और जैविक खेती को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाए।

सभी धर्मों और समुदायों के बीच आपसी सम्मान बनाए रखने तथा गौ संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाए। इस दौरान जनाब शाह फैसल खान,जावेद कुरैशी, लारेब कुरैशी,अतीक अहमद, बाकर भाईजान,सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग शामिल रहे।

संपादकीय

तिनका-तिनका टीएमसी

यह बात अब स्पष्ट हो चुकी है कि भाजपा ही तृणमूल कांग्रेस को तोड़ रही है। इसका यह साक्ष्य ही पर्याप्त है कि तृणमूल के 12-14 बागी सांसद केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के बंगाल प्रभारी भूपेन्द्र यादव के आवास पर इकट्ठा हुए। बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेन्दु अधिकारी भी उस बैठक और विमर्श में शामिल थे। सोमवार शाम को मुख्यमंत्री सुवेन्दु बागी सांसदों की कथित उपनेता शताब्दी रॉय के आवास पर भी पहुंचे। वहां भी तृणमूल के बागी गुट से मुलाकात हुई। दरअसल, कोई लालच या आकर्षण नहीं होगा, तो कोई भी विधायक या सांसद बगावत क्यों करेगा? असंतोष और बगावत किसी भी राजनीतिक दल में संभव है और इतिहास ऐसी घटनाओं से भरा है। यह तोड़ा-फोड़ी की कवायद तब चल रही थी, जब तृणमूल अध्यक्ष ममता बनर्जी विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन की बैठक में शिरकत कर रही थीं। ममता अपने सांसदों को पाला बदलने से रोक नहीं पाईं, क्योंकि भाजपा में बागियों को राजनीतिक भविष्य 'चमकीला' दिख रहा था। जिन सांसदों ने ममता बनर्जी की 15 वर्षीय सत्ता के दौरान 'मलाई' चाटी, ममता को देवी-तुल्य मानते रहे, ममता की पार्टी के चुनाव चिह्न और उनके राजनीतिक आह्वानों के सहारे चुनाव जीत कर लोकसभा में आए, आज वे तृणमूल को दलालों, चोरों, डकैतों और रेपिस्ट की पार्टी करार दे रहे हैं।

ये कैसी संसदीय राजनीति है और कैसा दलबदल-विरोधी कानून है? बेशक यह कानून बागी गुट के दो-तिहाई सदस्यों को अलग गुट बनाने और उसकी मान्यता की अनुमति देता है, लेकिन यह कानून भी लक्ष्यहीन और बेमकसद साबित हुआ है। यदि तृणमूल के सांसदों को टूटना ही था, तो वे भाजपा नेता के आवास पर क्यों गए? भाजपा नेता ने अघोषित आमंत्रण क्यों दिया था? मुख्यमंत्री भी संयोगवश नहीं पहुंचे। जाहिर है कि भाजपा नेतृत्व में ही तय हुआ है कि चुनाव में करारी शिकस्त के बाद तृणमूल को तोड़ा जाए, यह काम आसान होगा और एनडीए में एक घटक के तौर पर शामिल किया जाए। दरअसल भाजपा-एनडीए को संसद के दोनों सदनों में अपनी संख्या बढ़ानी है, ताकि उन संविधान संशोधन विधेयकों को आसानी से पारित किया जा सके, जिनके लिए सदन में दो-तिहाई बहुमत अनिवार्य है। प्राथमिकता परिसीमन बिल की है, जिसके आधार पर ही महिला आरक्षण कानून लागू किया जा सकता है। राज्यों से सांसदों की सीटें बढ़ाई जा सकती हैं। सत्ता पक्ष बीते संसद सत्र में यह बिल 54 मतों से पारित नहीं करा सका था। अब तृणमूल के 20 बागी सांसदों ने स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखा है कि उन्हें 'अलग गुट' के तौर पर मान्यता दी जाए। अब वे एनडीए का हिस्सा बनना चाहते हैं, लिहाजा बैठने की व्यवस्था भी उसी के अनुरूप की जाए। यह निर्णय स्पीकर को करना है, लेकिन मूल तृणमूल के नेता ऐसे प्रस्ताव पर 20 सांसदों के हस्ताक्षरों पर सवाल उठा रहे हैं।

बुनियादी सवाल यह है कि भाजपा तृणमूल के बिखराव को प्रश्रय क्यों दे रही है? भाजपा के ही बंगाली मंत्री दिलीप घोष और प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य कई बार बयान दे चुके हैं कि बंगाल में भाजपा का तृणमूलीकरण नहीं होगा, लिहाजा तृणमूल के लिए दरवाजे बंद हैं। दिल्ली में पार्टी आलाकमान की छाया में तृणमूल सांसदों को तोड़ा जा रहा है। यह कैसा विरोधाभास है? दरअसल यह लोकतंत्र नहीं है। बागी सांसदों को भी जनादेश भाजपा के विरोध में मिला था। तो फिर अब वे सांसद भाजपा-एनडीए के पाले में कैसे जा सकते हैं?

'कॉकरोच जनता पार्टी'

लोकतंत्र का व्यंग्य या लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर संकट

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल मतदान की व्यवस्था नहीं, बल्कि संवाद, सहमति, असहमति, संवैधानिक मर्यादाओं और सामाजिक उत्तरदायित्वों का एक सशक्त तंत्र है। लोकतंत्र की शक्ति विरोध में निहित है, लेकिन उसकी गरिमा विरोध की शैली, उद्देश्य और मर्यादा से निर्धारित होती है। हाल के दिनों में चर्चित हुई तथाकथित 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) इसी संदर्भ में गंभीर विमर्श की मांग करती है। यह आंदोलन प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरोध के नाम पर उभरा। प्रारम्भ में यह सोशल मीडिया पर व्यंग्यात्मक अभियान के रूप में सामने आया और बाद में दिल्ली के जंतर-मंतर तक पहुंच गया। इसके समर्थकों ने इसे युवाओं के आक्रोश की अभिव्यक्ति बताया, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या यह वास्तव में शिक्षा सुधार का आंदोलन है या लोकतांत्रिक असंतोष को व्यंग्य, उपहास और राजनीतिक ध्रुवीकरण की दिशा में मोड़ने वाला एक नया प्रयोग?

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार देता है। किंतु कोई भी अधिकार निरंकुश नहीं होता। लोकतंत्र में विरोध का उद्देश्य समाधान की खोज होना चाहिए, न कि अराजकता का विस्तार। यदि विरोध का स्वर केवल उपहास, आक्रोश और टकराव तक सीमित रह जाए, तो वह लोकतंत्र को मजबूत करने के बजाय कमजोर करने लगता है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' का नाम ही एक नकारात्मक और व्यंग्यात्मक मानसिकता का परिचायक है। किसी राजनीतिक दल की नकल करते हुए स्वयं को कॉकरोच के प्रतीक से जोड़ना लोकतांत्रिक विमर्श को गंभीरता से अधिक तमाशे में बदलने का प्रयास प्रतीत होता है। लोकतंत्र में व्यंग्य का स्थान है, लेकिन व्यंग्य यदि विचार का स्थान ले ले, तो वह जनमत को भ्रमित भी कर सकता है।

किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन उसकी मांगों और कार्यप्रणाली से किया जाता है। सीजेपी की प्रमुख मांगें हैं-परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, पेपर लीक की रोकथाम, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना। इनमें से अधिकांश मांगें ऐसी हैं जिन पर देश का हर जिम्मेदार नागरिक सहमत हो सकता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इन मांगों को मनवाने का तरीका भी उतना ही जिम्मेदार है? क्या कॉकरोच के मुखौटे पहनना, राजनीतिक व्यंग्य को आंदोलन का आधार बनाना और सोशल मीडिया पर उत्तेजक अभियानों को बढ़ावा देना शिक्षा सुधार का व्यावहारिक मार्ग है? क्या इससे सरकार, विशेषज्ञों और समाज के बीच सार्थक संवाद स्थापित होगा? इतिहास बताता है कि स्थायी परिवर्तन नारेबाजी से नहीं, बल्कि वैचारिक स्पष्टता, संगठनात्मक अनुशासन और रचनात्मक दबाव से आते हैं।

भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। लेकिन यही शक्ति यदि निराशा, बेरोजगारी और असंतोष से घिर जाए तो विभिन्न राजनीतिक शक्तियों के लिए उपयोग का साधन भी बन सकती है। आज देश का युवा प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार और भविष्य को लेकर चिंतित है। यह चिंता वास्तविक है। लेकिन हर वास्तविक चिंता के साथ एक खतरा भी जुड़ा होता है-उसका राजनीतिक दोहन। जब किसी आंदोलन के पीछे विभिन्न राजनीतिक समूहों, सत्ता-विरोधी संगठनों और वैचारिक एजेंडों की उपस्थिति दिखाई देने लगे, तब यह आशंका स्वाभाविक हो जाती है कि कहीं युवाओं की पीड़ा को राजनीतिक हथियार तो नहीं बनाया जा रहा। यदि छात्र आंदोलन शिक्षा सुधार की जगह सरकार-विरोधी अभियान में बदल जाए, तो सबसे बड़ा नुकसान स्वयं छात्रों का होता है। युवाओं को यह समझना होगा कि वे किसी राजनीतिक प्रयोगशाला के उपकरण नहीं हैं। उनकी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण के लिए है, किसी छिपे हुए राजनीतिक एजेंडे के लिए नहीं।

सीजेपी के समर्थकों द्वारा कभी-कभी नेपाल, बांग्लादेश अथवा अन्य देशों में हुए युवा आंदोलनों का उल्लेख किया जाता है। ऐसी तुलना न केवल जल्दबाजी है बल्कि भ्रामक भी हो सकती है। भारत की लोकतांत्रिक संरचना, संस्थागत शक्ति, न्यायिक व्यवस्था, मीडिया की स्वतंत्रता और संवैधानिक ढांचा पड़ोसी देशों से भिन्न है। जिन परिस्थितियों में अन्य देशों में जनआंदोलन उभरे, वे परिस्थितियां भारत में मौजूद नहीं हैं। भारत में चुनावी परिवर्तन की सशक्त व्यवस्था है। यहां सरकारें जनमत से बनती और बदलती हैं। इसलिए भारत के युवाओं को विदेशी या पड़ोसी देशों के आंदोलनों की भावनात्मक तुलना के बजाय भारतीय लोकतंत्र की विशेषताओं को समझना चाहिए। हर देश की राजनीतिक परिस्थितियां अलग होती हैं। इसलिए विदेशी उदाहरणों के आधार पर भारत में असंतोष को भड़काना न तो बौद्धिक रूप से उचित है और न ही राष्ट्रीय हित में।

आज सोशल मीडिया किसी भी विचार को कुछ ही घंटों में लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। लेकिन यही उसकी सबसे बड़ी चुनौती भी है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लोकप्रियता और वैधता एक जैसी चीजें नहीं हैं। कई बार कोई विचार ट्रेंड तो बन जाता है, लेकिन उसके पास न स्पष्ट दृष्टि होती है, न कोई रचनात्मक कार्यक्रम और न कोई उत्तरदायित्व। सोशल मीडिया पर वायरल होना लोकतांत्रिक स्वीकृति का प्रमाण नहीं है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' का तेजी से लोकप्रिय होना इस बात का संकेत अवश्य है कि युवाओं में असंतोष है, लेकिन यह इस बात का प्रमाण नहीं कि आंदोलन का मार्ग सही है। लोकतंत्र में ट्रेंडिंग हैशटैग से अधिक महत्व तथ्यों, नीति और संस्थागत संवाद का होता है। यदि राजनीति केवल मीम, व्यंग्य और डिजिटल आक्रोश तक सीमित हो जाए तो लोकतंत्र धीरे-धीरे विचारशील नागरिकता से हटकर भीड़तंत्र में बदल सकता है।

भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक विकास का नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता, संस्थागत विश्वास और राष्ट्रीय एकता का भी है। यदि युवा शक्ति का बड़ा हिस्सा निरंतर अविश्वास, नकारात्मकता और टकराव की राजनीति की ओर आकर्षित होता है, तो यह लक्ष्य प्रभावित हो सकता है। विकास के लिए केवल आलोचना नहीं, बल्कि सहभागिता भी आवश्यक है। युवाओं को सरकार से प्रश्न पूछने चाहिए, लेकिन साथ ही समाधान भी प्रस्तुत करने चाहिए। उन्हें जवाबदेही मांगनी चाहिए, लेकिन संस्थाओं के प्रति सम्मान भी बनाए रखना चाहिए। लोकतंत्र की सफलता विरोध और सहयोग के संतुलन में निहित है। इस पूरे प्रकरण का एक महत्वपूर्ण पक्ष उन राजनीतिक दलों और नेताओं की भूमिका है जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से ऐसे आंदोलनों को समर्थन देते दिखाई देते हैं।

यदि कोई राजनीतिक दल वास्तव में शिक्षा सुधार चाहता है तो उसे संसद, विधानसभाओं और नीति मंचों पर ठोस प्रस्ताव रखने चाहिए। लेकिन यदि छात्र असंतोष को केवल सरकार को घेरने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, तो यह लोकतंत्र और युवाओं दोनों के साथ अन्याय है। राजनीतिक दलों को स्पष्ट करना चाहिए कि वे शिक्षा सुधार के लिए क्या ठोस कार्यक्रम रखते हैं। केवल विरोध का समर्थन करना पर्याप्त नहीं है। लोकतंत्र में जिम्मेदार विपक्ष का दायित्व विकल्प प्रस्तुत करना भी होता है। परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता, पेपर लीक पर कठोर दंड, रोजगार सृजन, शिक्षा की गुणवत्ता और युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार-ये सभी वास्तविक और महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। लेकिन इनका समाधान व्यंग्यात्मक राजनीति या प्रतीकात्मक आक्रोश में नहीं है। समाधान सरकार, न्यायपालिका, शिक्षाविदों, विशेषज्ञों, छात्र संगठनों और समाज के बीच निरंतर संवाद में है। आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं के असंतोष को रचनात्मक ऊर्जा में बदला जाए। भारत का लोकतंत्र विरोध को स्वीकार करता है, लेकिन वह विरोध तभी सार्थक होता है जब वह व्यवस्था को तोड़ने के बजाय सुधारने की दिशा में आगे बढ़े।

'कॉकरोच जनता पार्टी' जैसी प्रवृत्तियां पहली दृष्टि में लोकतांत्रिक व्यंग्य और युवा असंतोष की अभिव्यक्ति लग सकती हैं, लेकिन इनके दूरगामी प्रभावों की गंभीर समीक्षा आवश्यक है। यदि राजनीति उपहास, प्रतीकात्मक आक्रोश और डिजिटल उत्तेजना तक सीमित हो जाएगी, तो लोकतांत्रिक विमर्श की गुणवत्ता प्रभावित होगी। भारत को आज ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो प्रश्न भी पूछें और समाधान भी खोजें। जो विरोध भी करें और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी भी निभाएं। लोकतंत्र की शक्ति संघर्ष में नहीं-संवाद में है, विभाजन में नहीं-समन्वय में है और तात्कालिक उत्तेजना में नहीं-दीर्घकालिक राष्ट्रहित में है। इसलिए समय की मांग है कि युवा, राजनीतिक दल और समाज सभी मिलकर यह विचार करें कि क्या 'कॉकरोच राजनीति' वास्तव में लोकतंत्र को मजबूत करेगी, या फिर वह भारत की लोकतांत्रिक संस्कृति, राजनीतिक मर्यादाओं और विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय संकल्प के सामने एक नई चुनौती बनकर उभरेगी। यही प्रश्न आज सबसे अधिक प्रासंगिक है।

पुलिस और जनता में दूरी नहीं, विश्वास का रिश्ता चाहिए

पवन शर्मा
अध्यक्ष
आर्ट वेद कल्चरल एंड स्पोर्ट्स सोसायटी

किसी भी सभ्य और स्वस्थ समाज की पहचान केवल उसकी सड़कों, इमारतों या आर्थिक प्रगति से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वहां की जनता और पुलिस के बीच संबंध कितने विश्वासपूर्ण हैं। पुलिस और जनता एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। एक के बिना दूसरे की कल्पना नहीं की जा सकती। फिर भी हमारे समाज में अक्सर पुलिस और आम नागरिक के बीच एक अदृश्य दूरी, संकोच और कभी-कभी भय देखने को मिलता है।

जब कोई नागरिक पुलिस थाने जाने से पहले दस बार सोचता है, तो यह केवल उस व्यक्ति की समस्या नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए चिंतन का विषय है। कानून का रक्षक यदि जनता का विश्वास पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं कर पाता, तो कानून व्यवस्था की मजबूती भी प्रभावित होती है।

यह भी सत्य है कि पुलिस का कार्य अत्यंत कठिन और चुनौतीपूर्ण है। चौबीसों घंटे ड्यूटी, त्योहारों पर परिवार से दूरी, राजनीतिक और सामाजिक दबाव, सीमित संसाधन तथा लगातार मानसिक तनाव उनके कार्य का हिस्सा हैं। एक सामान्य नागरिक जब अपने परिवार के साथ त्योहार मनाता है, तब भी पुलिसकर्मी सड़क पर खड़ा होकर उसकी सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा होता है।

विशेष रूप से कनिष्ठ पुलिसकर्मियों की स्थिति पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। लंबी ड्यूटी, अपर्याप्त विश्राम, पारिवारिक जीवन के लिए सीमित समय तथा मानसिक दबाव उनके जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। थका हुआ और तनावग्रस्त व्यक्ति समाज को वह संवेदनशील व्यवहार नहीं दे सकता जिसकी अपेक्षा की जाती है। यदि हम पुलिस से बेहतर व्यवहार की उम्मीद करते हैं, तो हमें उनके कार्य और जीवन की परिस्थितियों को भी बेहतर बनाने की दिशा में कार्य करना होगा।

दूसरी ओर, पुलिस व्यवस्था को भी आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। जनता में सम्मान आदेश से नहीं, व्यवहार से प्राप्त होता है। आम नागरिक जब थाने पहुंचे तो उसे अपराधी नहीं बल्कि नागरिक समझा जाए। शिकायतकर्ता को संदेह की दृष्टि से नहीं, सहायता की भावना से देखा जाए। भाषा में कठोरता की जगह संवेदनशीलता और संवाद में अधिकार की जगह सहयोग का भाव होना चाहिए।

समस्या का एक बड़ा कारण यह भी है कि कुछ पुलिसकर्मी आज भी हर व्यक्ति को संभावित अपराधी की दृष्टि से देखने लगते हैं। जबकि समाज में अधिकांश लोग कानून का सम्मान करने वाले और शांति प्रिय नागरिक होते हैं। अच्छी और बुरी प्रवृत्तियों में अंतर करना तथा निर्दोष नागरिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करना पुलिस की विश्वसनीयता को कई गुना बढ़ा सकता है।

इसी प्रकार समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। केवल आलोचना करने से समाधान नहीं निकलता। पुलिस भी हमारे समाज का ही हिस्सा है। जब कोई पुलिसकर्मी कर्तव्य निभाते हुए शहीद होता है, तो उसका परिवार भी उतना ही दर्द सहता है जितना किसी सैनिक का परिवार।

हाल ही में हमारी संस्था आर्ट वेद कल्चरल एंड स्पोर्ट्स सोसायटी द्वारा एक शहीद पुलिसकर्मी की पत्नी का सम्मान किया गया। यह केवल एक सम्मान समारोह नहीं था, बल्कि समाज और पुलिस के बीच विश्वास का एक छोटा सा पुल बनाने का प्रयास था। ऐसे कार्यक्रम दोनों पक्षों को यह संदेश देते हैं कि हम एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि सहयोगी हैं।

पुलिस और जनता के बीच संबंध सुधारने के लिए मोहल्ला स्तर पर संवाद कार्यक्रम, स्कूलों और कॉलेजों में पुलिस-जनता परिचर्चा, सामुदायिक गतिविधियों में पुलिस की सहभागिता तथा नागरिकों द्वारा पुलिस परिवारों के प्रति सम्मान जैसे प्रयास अत्यंत प्रभावी हो सकते हैं।

एक आदर्श समाज वह नहीं है जहां पुलिस का भय हो, बल्कि वह है जहां पुलिस की उपस्थिति से सुरक्षा और विश्वास की भावना उत्पन्न हो। पुलिस की वर्दी सम्मान का प्रतीक बने और नागरिक कानून के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें। जब जनता पुलिस को अपना सहयोगी मानेगी और पुलिस जनता को अपना परिवार, तब एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध समाज की स्थापना संभव होगी।

आज आवश्यकता आरोप लगाने की नहीं, बल्कि विश्वास बनाने की है। क्योंकि कानून व्यवस्था केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझी जिम्मेदारी है। जनता और पुलिस के बीच जितना अधिक विश्वास होगा, समाज उतना ही अधिक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और प्रगतिशील बनेगा।

बेगुनाह जिंदगियों से खेलता भ्रष्ट तंत्र और दिल्ली के अंतहीन अग्निकांड

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

इन दिनों दिल्ली के मालवीय नगर स्थित हौजरानी क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि हमारे यहां हादसे अचानक नहीं होते बल्कि उन्हें पैदा किया जाता है। 21 लोगों की दर्दनाक मौत, दर्जनों घायल, धुएं में घुटती सांसें, तीसरी मंजिल से जान बचाने के लिए छलांग लगाते लोग और बेसमेंट के बाहर बंद पड़ा निकास द्वार, यह केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि प्रशासनिक विफलता, भ्रष्ट व्यवस्था और नियमों की खुलेआम हत्या का भयावह परिणाम था। दुखद यह है कि यह कोई नई कहानी नहीं है। दिल्ली बार-बार अग्निकांडों में जलती है, लोग बार-बार मरते हैं, जांच समितियां बनती हैं, मुआवजे घोषित होते हैं और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है। मालवीय नगर के हादसे में जो शुरुआती तथ्य सामने आए, वे किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने वाले थे। जिस भवन में 'लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट' और 'मिकासा होम्स' संचालित हो रहे थे, वहां कथित रूप से छह कमरों की अनुमति के बावजूद 25 से अधिक कमरे बनाए गए थे। भवन से निकलने का केवल एक रास्ता था। बेसमेंट में लोगों की मौजूदगी के बावजूद बाहरी गेट पर ताला लगा था। आग लगने के बाद धुआं इतनी तेजी से फैला कि लोग बाहर निकल ही नहीं सके। कुछ लोगों ने तीसरी मंजिल से कूदकर जान बचाने की कोशिश की। यह दृश्य 1997 के उपहार सिनेमा अग्निकांड की भयावह यादों को फिर से ताजा कर गया, जहां बाहर निकलने के रास्ते बंद होने के कारण 59 लोगों की मौत हो गई थी।

दिल्ली में अग्निकांडों का इतिहास बताता है कि हर बड़ी त्रासदी के पीछे कहानी लगभग एक जैसी है, अवैध निर्माण, सुरक्षा मानकों की अनदेखी, भ्रष्टाचार, फर्जी प्रमाणपत्र, बंद निकास द्वार और प्रशासनिक लापरवाही। 13 जून 1997 को हुए उपहार सिनेमा अग्निकांड में 59 लोगों की मौत हुई थी, जो दिल्ली का अब तक का सबसे भयावह अग्निकांड माना जाता है। आग लगने के बाद सिनेमा हॉल में धुआं भर गया और निकास मार्ग अवरुद्ध होने के कारण लोग बाहर नहीं निकल सके। पूरे देश को झकझोर देने वाले इस हादसे के बाद सुरक्षा नियमों को सख्त बनाने की बातें तो बहुत हुई लेकिन वास्तविकता यही है कि उनसे कोई स्थायी सबक नहीं लिया गया। 31 मई 1999 को लाल कुआं स्थित केमिकल गोदाम में लगी आग में 57 लोगों की मौत हो गई। उसके बाद भी अवैध गोदामों और रासायनिक इकाइयों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया गया। 8 दिसंबर 2019 को अनाज मंडी की अवैध फैक्टरी में लगी आग में 43 लोगों की मौत हुई। उस समय भी खुलासा हुआ था कि इमारत में निकास के पर्याप्त रास्ते नहीं थे, सीढ़ियां सामान से भरी थी और खिड़कियों पर लोहे की ग्रिलें लगी थी। जहरीले धुएं ने मजदूरों को सोते हुए ही मौत की नींद सुला दिया।

12 फरवरी 2019 को करोल बाग के अर्पित पैलेस होटल में लगी आग में 17 लोगों की जान गई। जांच में सामने आया कि होटल में अवैध निर्माण हुआ था और सुरक्षा उपकरण पर्याप्त नहीं थे। 2022 में मुंडका की व्यावसायिक इमारत में लगी आग में 27 लोगों की मौत हुई। वहां भी केवल एक निकास मार्ग था और सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी की गई थी। उसी वर्ष गोकुलपुरी की झुग्गी बस्ती में आग से 7 लोगों की जान चली गई। 2024 में अलीपुर की अवैध पेंट फैक्टरी में लगी आग में 11 लोगों की मौत हुई। 2026 में पालम और विवेक विहार में हुए अग्निकांडों में नौ-नौ लोगों की जान गई। अब मालवीय नगर की त्रासदी ने मृतकों की सूची में 21 और नाम जोड़ दिए हैं। दिल्ली फायर सर्विस के आंकड़े बताते हैं कि जनवरी 2026 से 27 मई 2026 तक आग की घटनाओं में 45 लोगों की मौत हो चुकी थी। इसके बाद विवेक विहार और मालवीय नगर की घटनाओं को जोड़ दें तो यह संख्या 67 से अधिक हो चुकी है। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं बल्कि उन परिवारों की बर्बादी का दस्तावेज है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसी इमारतें बन कैसे जाती हैं? कैसे आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियां चलने लगती हैं? कैसे छह कमरों की अनुमति वाले भवन में 25 कमरे बन जाते हैं? कैसे फायर एनओसी के बिना होटल, रेस्टोरेंट और फैक्ट्रियां वर्षों तक संचालित होती रहती हैं? कैसे चार मंजिल की अनुमति वाले क्षेत्र में छह-सात मंजिलें खड़ी हो जाती हैं? इन सवालों का जवाब किसी जांच आयोग की मोटी रिपोर्ट में नहीं बल्कि भ्रष्टाचार की उस जड़ में छिपा है, जिसने पूरे सिस्टम को खोखला कर दिया है। यदि कोई अवैध इमारत बनती है तो वह एक दिन में नहीं बनती। उसकी नींव पड़ती है, दीवारें उठती हैं, मंजिलें तैयार होती हैं, बिजली के कनेक्शन लगते हैं, पानी के कनेक्शन मिलते हैं और फिर व्यापार शुरू होता है। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक सरकारी विभागों की आंखों के सामने सब कुछ होता है। इसलिए यह कहना कि प्रशासन को जानकारी नहीं थी, वास्तविकता से आंखें मूंदना होगा। सच यह है कि ऐसी अधिकांश इमारतें प्रशासन और कारोबारियों की मिलीभगत का परिणाम होती हैं। हर हादसे के बाद राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप लगाते हैं। मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद और विधायक घटनास्थल पर पहुंचते हैं। जांच के आदेश दिए जाते हैं, मुआवजे की घोषणाएं होती हैं और कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया जाता है। लेकिन क्या कभी किसी बड़े अधिकारी को कठोर दंड मिला? क्या कभी किसी विभागीय प्रमुख को जवाबदेह ठहराया गया? क्या कभी ऐसी कार्रवाई हुई कि भविष्य में कोई अधिकारी नियमों की अनदेखी करने का साहस न कर सके? दुर्भाग्य से जवाब है 'नहीं'। मालवीय नगर का हादसा भी केवल एक होटल या रेस्टोरेंट की कहानी नहीं है। यह उस पूरे शहरी विकास मॉडल पर प्रश्नचिह्न है, जहां मुनाफा मानव जीवन से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। दिल्ली में हजारों ऐसी इमारतें हैं, जहां फायर सेफ्टी के उपकरण या तो हैं ही नहीं या केवल दिखावे के लिए लगाए गए हैं। अनेक भवनों में इमरजेंसी एग्जिट कागजों में मौजूद हैं लेकिन वास्तविकता में बंद पड़े हैं। कई जगहों पर बेसमेंट का उपयोग पार्किंग की बजाय व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। संकरी गलियों में बहुमंजिला भवन खड़े हैं, जहां दमकल की गाड़ियां तक नहीं पहुंच सकती।

तृणमूल की बगावत कथा

आदित्य नारायण चौपड़ा
वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार के बाद पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी अत्यंत मुश्किलों का सामना कर रही हैं। पार्टी के 80 में से 58 विधायक पहले ही बगावत कर अपना अलग गुट बना चुके हैं।इस अलग गुट ने ऋतब्रत बनर्जी को इस गुट का नेता बनाया है और पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें नेता प्रतिपक्ष के तौर पर मान्यता भी दे दी है। सोमवार को इंडिया गठबंधन की बैठक में ममता बनर्जी भाग ले रही थी तो दूसरी तरफ पार्टी के 20 सांसद लोकसभा अध्यक्ष को अपनी निष्ठा बदलने का पत्र दे चुके हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीति ने एक बार फिर यह स्पष्टकर दिया है कि आज के दौर में सिद्धांत और विचारधारा की कोई कीमत नहीं है।

आज के दौर में सुविधा की राजनीति जनादेश से कहीं अधिक शक्तिशाली हो चुकी है। पार्टी भी वही है लेकिन वफादारी बदल गई है। पार्टी से अलग होने की घोषणा करने वाले विधायकों और सांसदों की संख्या दो-तिहाई से ज्यादा है इसलिए दलबदल कानून के प्रावधानों का कोई असर उन पर नहीं पड़ेगा। तृणमूल के झंडे और उसकी विचारधारा के नीचे जनता के वोट हासिल कर जीतने वाले जनप्रतिनिधि पार्टी तोड़कर या दलबदल कर लोकतंत्र को कितना मजबूत कर पाएंगे, यह सवाल भी अब पुराना हो चुका है। क्योंकि देश में आया राम-गया राम की संस्कृति कोई नई नहीं है।

थोक में दलबदल पहले भी होते रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस की नियति भी महाराष्ट्र की शिवसेना और एनसीपी जैसी हो चुकी है। आज कानून की नजर में (असली शिवसेना) महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पास है जबकि मराठा क्षत्रप शरद पवार की एनसीपी उन्हीं की परिवार की बहू स्वर्गीय अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के कब्जे में है। अजित पवार की विमान हादसे में मौत के बाद उनके गुट ने भाजपा से गठबंधन कर लिया और सुनेत्रा पवार उपमुख्यमंत्री बन गईं। इतिहास को देखा जाए तो ममता बनर्जी ने भी कांग्रेस से विद्रोह कर अपनी पार्टी का गठन किया था। ममता बनर्जी ने पहले भाजपा की मदद लेकर पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को कमजोर किया था, फिर उसे पूरी तरह खत्म कर दिया।

1997 में ममता बनर्जी कांग्रेस में पूरी तरह से अलग-थलग पड़ चुकी थीं और वह अपने बागी तेवर दिखाने लगी थीं। मतभेद इतने बढ़ गए कि ममता बनर्जी ने अपनी राह अलग कर ली। ममता बनर्जी ने जनवरी 1998 में कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस बनाई थी। फरवरी में लोकसभा के मध्यावधि चुनाव हुए। यह चुनाव उन्होंने भाजपा से समझौता करके लड़ा था। पश्चिम बंगाल में टीएमसी दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी तब कांग्रेस का केवल एक सांसद जीता था। इसके बाद हुए विधानसभा चुनावों में ममता ने वामपंथियों को साफ किया और कांग्रेस को दूसरे नम्बर पर पछाड़ दिया। कभी ममता ने कांग्रेस की तुलना तरबूज से करते हुए कहा था कि वह ऊपर से हरा लेकिन अन्दर से लाल है। उन्होंने कांग्रेस पर वामपंथियों से सांठगांठ का आरोप लगाया था।

इसमें कोई संदेह नहीं कि ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी को लेकर कई गलतियां कीं। लगातार तीन कार्यकाल सत्ता में रहने के बाद भ्रष्टाचार, निरंकुश शासन, असहमति का दमन और महिलाओं के खिलाफ हिंसा के कारण टीएमसी का पतन लंबे समय से तय था।

इन सब ने प्रशासन और पार्टी दोनों में जनता के विश्वास को लगातार कमज़ोर किया, वहीं अभिषेक बनर्जी की बढ़ती भूमिका ने वरिष्ठ नेताओं की उस पीढ़ी को पार्टी से दूर कर दिया, जिन्होंने पार्टी को ज़मीनी स्तर से खड़ा किया था। मुख्यमंत्री सुभेंदु अधिकारी राज्य में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री कभी ममता बनर्जी के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से थे।वे भतीजे के बढ़ते प्रभाव से नाराज़ थे और उन पर केंद्रीय एजेंसियों का दबाव भी था जो उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों की जांच कर रही थीं। टीएमसी को सत्ता के लिए राज्य संसाधनों, स्थानीय प्रशासन और पुलिस तंत्र का इस्तेमाल करने में कोई संकोच नहीं था, लेकिन वह भाजपा का सामना नहीं कर सकी, जो खेल के नियमों को और भी आगे बढ़ाने को तैयार है।

टीएमसी बनाम टीएमसी की इस लड़ाई में वैध टीएमसी होने का दावा करने वाले दोनों गुटों की स्थिति को लेकर लंबी कानूनी लड़ाई चलेगी। यह घटनाक्रम पश्चिम बंगाल की दशकों पुरानी जहरीली राजनीतिक संस्कृति को भी उजागर करता है, जो हिंसा और अवसरवादिता से ग्रस्त है।

टूट-फूट के बीच केन्द्र सरकार भी अपना समीकरण बनाने में जुटी हुई है। एनडीए सरकार को हाल ही में तब झटका लगा जब संविधान (एक सौ इकतीसवां संशोधन) बिल, या डिलिमिटेशन बिल, जो चुनावी सीमाओं को फिर से बनाने और लोकसभा की ज़्यादा से ज़्यादा सीटों की संख्या 545 से बढ़ाकर 850 करने की कोशिश करता है, वह अप्रैल में लोकसभा में ज़रूरी दो-तिहाई बहुमत से कम रहने पर गिर गया। सरकार इस कानून को फिर से लाने और 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले वन नेशन-वन इलेक्शन बिल लाने पर भी विचार कर रही है। हाल के विधानसभा चुनावों में टीएमसी और डीएमके को लगे झटकों के साथ बीजेपी लीडरशिप ने भी डीएमके से संपर्क करना शुरू कर दिया है, जिसने सूत्रों के मुताबिक केंद्र को मुद्दों पर आधारित समर्थन पर विचार करने की इच्छा दिखाई है।

अमेरिका-ईरान में खूनी जंग

एक तरफ ताबड़तोड़ हमले दूसरी तरफ महाडील की तैयारी

वॉशिंगटन/तेहरान

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह रूप लेता हुआ नजर आ रहा है। जहां अमेरिका और ईरान के बीच जारी खूनी तनातनी अब विनाशकारी महायुद्ध में तब्दील हो चुकी है। गुरुवार को दोनों देशों ने एक-दूसरे पर भारी हवाई हमले किए, जिसने पूरे पश्चिम एशिया की नींद उड़ा दी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुली हुंकार भरते हुए चेतावनी भी दी है कि अगर ईरान ने तुरंत आत्मसमर्पण जैसी शांति डील पर दस्तखत नहीं किए, तो उसे ऐसे भीषण और श्मशान बना देने वाले हवाई हमलों का सामना करना पड़ेगा, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। हलांकि एक तरफ दोनों देशों के बीच ताबड़तोड़ हमले और बमबारी जारी है। वहीं दूसरी तरफ इन हमलों के बीच ही दोनों देशों के बीच एक शुरुआती समझौते को लेकर बातचीत पर्दे के पीछे काफी तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों पक्ष एक सहमति पत्र (एमओयू) के ड्राफ्ट पर संदेशों का आदान-प्रदान कर रहे हैं, हालांकि कई मुद्दों पर अभी पेंच फंसा हुआ है।

ईरान के सरकारी सूत्रों और एक यूरोपीय अधिकारी के मुताबिक, बातचीत में सबसे बड़ा मुद्दा विदेशों में फ्रीज पड़े ईरान के अरबों डॉलर के फंड को जारी करना है। ईरान चाहता है कि विदेशों में फंसे उसके तेल की कमाई के 6 से 12 अरब डॉलर तुरंत जारी किए जाएं। साथ ही, वह लेबनान में हिज्बुल्लाह पर इजरायली हमले रोकने, प्रतिबंध हटाने और समुद्री रास्ते पर अपना नियंत्रण चाहता है।

वहीं बात अब अगर अमेरिका की शर्तों की करें तो अमेरिका का कहना है कि वह पूरा पैसा एक साथ नहीं देगा, बल्कि मानवीय सामान (दवा, अनाज) खरीदने के लिए किस्तों में फंड जारी करेगा। ट्रंप की शर्त है कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की जिद छोड़े और समुद्री रास्तों पर जहाजों को न रोके।

बता दें कि इस हफ्ते सोमवार को होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान द्वारा अमेरिका के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को गिराए जाने के बाद से दोनों देशों में जंग जैसी स्थिति है। अमेरिकी सेना ने रात के अंधेरे में ईरान के सैन्य निगरानी केंद्रों, संचार प्रणालियों और हवाई रक्षा ठिकानों पर जोरदार हमले किए। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने तुरंत डील साइन नहीं की, तो भारी बमबारी दोबारा शुरू होगी।

जवाब में ईरान के इलामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कुवैत और बहरीन में मौजूद 18 अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े और जॉर्डन में अमेरिकी एयरबेस पर ईरान ने 12 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इन हमलों के कारण कुवैत को कुछ समय के लिए अपना एयरस्पेस (हवाई क्षेत्र) बंद करना पड़ा।

युगांडाः राष्ट्रपति मुसेवेनी का दावा, देश में इबोला का प्रकोप अब कम होने लगा है

कम्पाला (वार्ता)। युगांडा के राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी ने बुधवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि देश में इबोला के प्रकोप में कमी आयी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, देश में इबोला के कुल 19 मामले सामने आए हैं, जिनमें दो मौतों की पुष्टि हुई है और पांच मरीज ठीक हो चुके हैं। राहत की बात यह है कि पिछले सप्ताह से इन आंकड़ों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। राष्ट्रपति मुसेवेनी ने अपने संबोधन में कहा, पिछले पांच दिनों से कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। ऐसा लग रहा है कि इबोला का प्रभाव अब घटने लगा है। इसलिए, कृपया ध्यान दें कि हमें अभी बहुत काम करना बाकी है। हमें इसे पूरी गंभीरता से लेना होगा और लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं छोड़नी चाहिए। निर्देशों को ध्यान से सुनें और उसी के अनुसार कार्य करें।

इस बीमारी को रोकना आसान है। हमने अतीत में भी इसे रोका था और हम इसे अब भी रोक सकते हैं। युगांडा में सामने आए सभी मामलों के तार पड़ोसी देश डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो से आने वाले यात्रियों से जुड़े हैं, जो इस प्रकोप का मुख्य केंद्र बना हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि डीआरसी के साथ साझा सीमा होने के कारण युगांडा में अभी भी जोखिम का स्तर काफी ऊंचा है। हालांकि, संगठन ने दोनों देशों के बीच यात्रा प्रतिबंध लगाने के खिलाफ सलाह दी है।

'नेतन्याहू से भी हुई हैं कुछ गलतियां' : जेडी वेंस

वाशिंगटन, (वार्ता)

ईरान के खिलाफ युद्ध में सहयोगी रहे अमेरिका और इजरायल के बीच पिछले कुछ हफ्तों से रिश्तों में तल्खी साफ देखने को मिल रही है। इस बीच, अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक बड़ा बयान देते हुए कहा है कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से 'निश्चित रूप से कुछ चीजें गलत हुई हैं।'

बीबीसी के अमेरिकी सहयोगी %सीबीएस न्यूज% से बातचीत में श्री वेंस ने हालांकि इसका कोई खास उदाहरण नहीं दिया, लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि श्री नेतन्याहू 'अपने देश के हितों की आक्रामक रूप से पैरवी करते हैं', लेकिन उनके हित हमेशा अमेरिका के हितों के अनुकूल नहीं होते। उनका यह बयान दोनों सहयोगियों के बीच हाल के दिनों में उपजे तनाव को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने जैसा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली नेता के बीच लेबनान में सैन्य कार्रवाई को लेकर तीखी बहस हुई थी। इजरायल की इस कार्रवाई के कारण क्षेत्र में नए सिरे से हमले शुरू हो गए हैं, जिससे ईरान के साथ चल रही शांति वार्ता खटाई में पड़ती दिख रही है।

बीती रात अमेरिका और ईरान के बीच लगातार दूसरे दिन हवाई हमलों हुए जिससे अप्रैल महीने से दोनों देशों के बीच लागू युद्धविराम संकट में आ गया है। यह तनाव तब दोबारा भड़का जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान ने युद्ध को समाप्त करने का 'सौदा करने में बहुत लंबा समय ले लिया।' ताजा संघर्ष की मुख्य वजह लेबनान के घटनाक्रम हैं, जहां इजरायल ईरान-समर्थित सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह के खिलाफ अपना सैन्य अभियान लगातार जारी रखे हुए है।

इस साक्षात्कार का प्रसारण आगामी रविवार होगा। इसमें श्री वेंस ने कहा कि श्री नेतन्याहू एक ऐसे देश का शासन चला रहे हैं जो निश्चित रूप से अमेरिका का बहुत करीबी भागीदार रहा है। लेकिन, बेहद करीबी सहयोगी होने के बावजूद, कभी-कभी हमारे हित पूरी तरह एक जैसे होते हैं और कभी-कभी उनमें टकराव होता है। मैंने प्रधानमंत्री के रुख में यही देखा है कि वह अपने देश के हितों को बहुत आक्रामक तरीके से सामने रखते हैं, कभी इसका मतलब यह होता है कि हम दोनों एक ही राह पर हैं, और कभी इसका मतलब होता है कि हम अलग हैं।

अमेरिकी उप राष्ट्रपति ने आगे स्पष्ट किया कि ट्रंप प्रशासन का मुख्य काम इस बात पर ध्यान केंद्रित करना है कि अमेरिका के सर्वोत्तम हित में क्या है। उन्होंने कहा, जहां हमारे हितों में टकराव होगा, वहां इजरायलियों के लिए दुर्भाग्य से ही सही हमें अमेरिकी जनता का पक्ष चुनना होगा।

जब श्री वेंस से उन उदाहरणों के बारे में पूछा गया, जहां श्री नेतन्याहू से गलतियां हुईं, तो उन्होंने यह कहकर बात टाल दी कि 'ऐसी बातचीत को निजी रखना ही बेहतर होता है।'

चीन में बिना गड़बड़ी के हुई 1.3 करोड़ छात्रों की परीक्षा

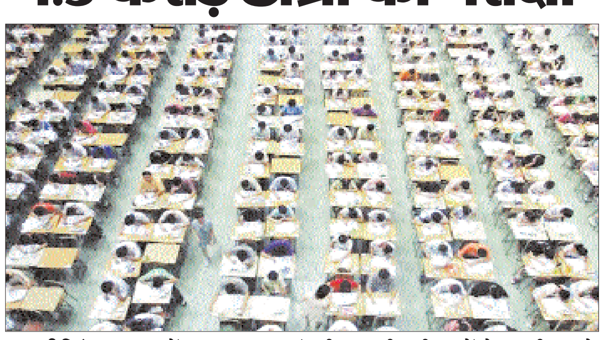

बीजिंग। भारत में इस समय जहां नीट-यूजी परीक्षा में पेपर लीक को लेकर विवाद देखने को मिल रहा है। वहीं, इस बीच चीन में दुनिया की सबसे बड़ी परीक्षा संपन्न हुई है। इस परीक्षा में रिकॉर्ड 1.3 करोड़ छात्र शामिल हुए। छात्रों को परीक्षा के दौरान कोई असुविधा न हो और वे पूरी एकाग्रता के साथ पेपर दे सकें, इसके लिए पूरे देश ने एकजुटता दिखाई। परीक्षा केंद्रों के आसपास की फैक्ट्रियां उस दिन बंद कर दी गईं और सड़कों पर सन्नाटा पसर गया, ताकि कहीं से भी शोर न हो। एग्जाम सेंटर के आसपास ट्रैफिक पाबंदियां लगाई गईं, छात्रों के आने-जाने के लिए खास इंतजाम किए गए। चीन में दुनिया की सबसे बड़ी और भारत के जेईई/नीट के संयुक्त स्तर वाली प्रतिष्ठित परीक्षा गाओकाओ को मात्र दो दिनों के भीतर बेहद सुचारू रूप से संपन्न करा लिया गया। भारत में स्थित चीनी दूतावास ने दावा किया है कि उन्होंने करीब 1.3 करोड़ छात्रों की गाओकाओ परीक्षा को बिना किसी रुकावट और गड़बड़ी के सफलतापूर्वक संपन्न करा लिया है। चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस परीक्षा की तुनला भारत में होने वाले जेईई और नीट से की। यू जिंग ने लिखा, चीन की गाओकाओ दुनिया की सबसे बड़ी परीक्षा है और यह भारत की JEE और NEET का मिला-जुला रूप है। महज 2 दिनों में 1.3 करोड़ छात्रों के लिए इस परीक्षा को सफलतापूर्वक आयोजित कर लिया गया। चीनी दूतावास की ओर से परीक्षा के दौरान की गई भारी-भरकम लॉजिस्टिक व्यवस्था की भी तारीफ की गई। यू जिंग ने लिखा, परीक्षा के लिए फैक्ट्रियों का काम रोक दिया गया। सड़कों को शांत कर दिया गया। छात्रों के लिए पूरा देश एक साथ खड़ा रहा। बता दें कि गाओकाओ परीक्षा को चीन का शिक्षा मंत्रालय आयोजित कराता है। गाओकाओ एग्जाम चीन के विश्वविद्यालयों में एडमिशन के लिए होने वाली प्रमुख प्रवेश परीक्षा है।

ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि एक 'गिरोह' है : दिलीप घोष

सिलीगुड़ी, (वार्ता)

पश्चिम बंगाल के पंचायत मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस को एक राजनीतिक संगठन के बजाय 'गिरोह' करार दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में यह पार्टी जिस दौर और संकट से गुजर रही है, वह 'तय' था।

श्री घोष ने यहां संवाददाताओं से कहा, जिस तरह संगठित आपराधिक गिरोह होते हैं, ठीक उसी तरह तृणमूल कांग्रेस का भी एक गिरोह था। आज पार्टी के साथ जो कुछ भी हो रहा है, वह होना ही था। अवसरवादी लोग व्यक्तिगत लाभ के लिए इसमें शामिल हुए थे और अब वे इसे छोड़कर जा रहे हैं। हमने बहुत पहले ही कहा था कि अगर तृणमूल कभी सत्ता से बाहर हुई, तो इसके इर्द-गिर्द बना पूरा ढांचा ढहने लगेगा। आज बिल्कुल वैसा ही हो रहा है।

दिल्ली में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रमों और तृणमूल कांग्रेस के भीतर आंतरिक कलह की खबरों के बीच पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के भविष्य को लेकर पूछे गये सवाल पर श्री घोष ने बेहद नपा-तुला जवाब दिया। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, पहले चीजों को सामने आने दीजिए। जब तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी, तब टिप्पणी करने के लिए काफी समय होगा।

श्री घोष इस समय तृणमूल कांग्रेस द्वारा संचालित सिलीगुड़ी महाकुमा परिषद के कामकाज और वहां के बुनियादी ढांचे की समीक्षा करने के लिए सिलीगुड़ी पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि उनके इस दौरे का मुख्य उद्देश्य महाकुमा परिषद की जरूरतों का आकलन करना है।

उन्होंने कहा, सिलीगुड़ी महाकुमा परिषद में अभी भी बुनियादी ढांचे की भारी कमी है। मैं यहां इसकी आवश्यकताओं को विस्तार से समझने आया हूं।

फर्जी लाइसेंस से 17 साल तक उड़ाईं 900 से अधिक फ्लाइट्स, एयर कनाडा का पायलट गिरफ्तार

ओटावा। एअर कनाडा के एक कैप्टन ने बिना लाइसेंस के करीब 17 साल तक सैकड़ों यात्री विमान उड़ाता रहा। पूर्व एअर कनाडा पायलट जेफ्री वॉल पर आरोप है कि उन्होंने साल 2009 से 2025 के बीच 900 से अधिक घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें भरीं, जबकि उनके पास कैप्टन बनने के लिए अनिवार्य एअरलाइन ट्रांसपोर्ट पायलट लाइसेंस फॉर एअरोप्लेन नहीं था। पायलट क्रेडेंशियल्स में लंबे समय से की जा रही इस धोखाधड़ी के बाद जेफ्री वॉल को 1 जून को गिरफ्तार कर लिया गया। इस धोखाधड़ी के दौरान जेफ्री वॉल ने बोइंग 767, 777 और 787 जैसे बड़े और आधुनिक विमान उड़ाए। उन्होंने इन उड़ानों के जरिए हजारों यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया और वेतन के रूप में लगभग 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक कमाए। ओंटारियो में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पील रीजनल पुलिस के डिप्टी चीफ मिलिनोविच ने कहा, इस जांच और इससे जुड़े विवरण किसी फिल्मी स्क्रिप्ट की तरह लगते हैं। आरोपी पायलट इन कमांड के पद तक पहुंच गया और लगभग 17 वर्षों तक बोइंग विमान उड़ाता रहा।

फारूक अब्दुल्ला ने यूएन मानवाधिकार समिति से पीओके के हालात की जांच करने का किया आग्रह

श्रीनगर, (वार्ता)

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार समिति से पाकिस्तान के कब्ज़े वाले कश्मीर (पीओके) के हालात की जांच करने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाके में जारी अशांति के बीच वहां के लोग भारी दमन का सामना कर रहे हैं। श्री अब्दुल्ला ने श्रीनगर में पत्रकारों से कहा कि यह राज्य मुश्किल में है। पाकिस्तान के कब्ज़े वाला इसका एक हिस्सा है वहां लोगों पर जुल्म हो रहा है। वहां कई लोग शहीद हो चुके हैं। वहां की ख़बरें पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं। पाकिस्तान के नियंत्रण वाले जम्मू-कश्मीर में बहुत उथल-पुथल मची हुई है और लोगों की जानें जा रही हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार समिति से उस इलाके का दौरा करने और ज़मीनी हालात का जायज़ा लेने की अपील की। उन्होंने कहा, मैं संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार समिति से अपील करता हूं कि वे वहां जाएं और देखें कि उन्हें किस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है ताकि हमें और पूरी दुनिया को पता चल सके कि वे किन मुश्किलों से गुज़र रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने आगे कहा कि अंतरराष्टीय संस्था को मौजूदा हालात की जांच करनी चाहिए और वहां के लोगों की चिंताओं को दूर करने में मदद करनी चाहिए। हाल ही में पीओके में बड़े पैमाने पर अशांति देखी गई जब अधिकारियों ने जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी पर प्रतिबंध लगा दिया और इसके सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी। रिपोर्टों के अनुसार इन विरोध प्रदर्शनों और उसके बाद हुई झड़पों में 20 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई है।

इस आलोचना का जवाब देते हुए कि नेशनल कॉन्फ्रेंस लोगों की शिकायतों को दूर करने में नाकाम रही है, श्री अब्दुल्ला ने कहा कि पार्टी सीमित अधिकारों के साथ मुश्किल हालात में काम कर रही थी।श्री अब्दुल्ला ने कहा, वे हमेशा यही कहेंगे। उन्हें उन मुश्किलों का अंदाज़ा नहीं है जिनमें हम काम कर रहे हैं। शक्तियां बंटी हुई हैं। ज़्यादातर शक्तियां उपराज्यपाल के पास हैं, जबकि उनके पास ये शक्तियां नहीं होनी चाहिए। वह तो बस दिल्ली से मनोनीत होकर आए हैं। यहां लोगों ने सरकार चुनी है। शक्तियां चुनी हुई सरकार के पास होनी चाहिए, न कि उपराज्यपाल के पास।

जम्मू-कश्मीर में राज्य का दर्जा बहाल करने के मुद्दे पर श्री अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस अपना संवैधानिक संघर्ष जारी रखेगी और इस बात पर बल दिया कि सभी पार्टियां इस मामले पर एकजुट हैं। उन्होंने कहा, हम पहले से ही लड़ रहे हैं। हम चुप नहीं हैं। हम लड़ते रहेंगे। संविधान के तहत हमें विरोध करने का अधिकार है ताकि हम वह वापस पा सकें जो हमसे छीन लिया गया है। एक सवाल के जवाब में कि क्या नेशनल कॉन्फ्रेंस दिल्ली में राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए होने वाले विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए जम्मू-कश्मीर की सभी राजनीतिक पार्टियों को बुलाएगी, श्री अब्दुल्ला ने कहा कि पार्टी व्यक्तिगत रूप से किसी को भी मनाने की कोशिश नहीं करेगी। उन्होंने कहा, हम उन्हें क्यों बुलाना चाहिए ? हम तो जा ही रहे हैं। जिन्हें आना है, वे आएं। हम किसी के सामने झोली फैलाने नहीं जा रहे हैं। हम उनसे आने के लिए नहीं कहेंगे। श्री मोदी के देश के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहने पर श्री अब्दुल्ला ने कहा कि यह रिकॉर्ड अभी भी पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नाम ही है। उन्होंने कहा, नेहरू 17 वर्षों तक प्रधानमंत्री रहे थे जबकि मोदी अभी 12 वर्षों से ही इस पद पर हैं। यह बहुत बड़ा अंतर है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

शादी के बाद बदली किस्मत, तब मिलने लगे काम के ऑफरः अपारशक्ति खुराना

अभिनेता अपारशक्ति खुराना ने खुलासा किया है कि शादी से पहले उन्हें मनोरंजन जगत में काम पाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। अभिनेता अपारशक्ति खुराना ने हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के चैट शो डबल डेट में अपनी पत्नी आकृति खुराना के साथ शिरकत की, जहां उन्होंने अपनी जिंदगी और करियर से जुड़े कई दिल छू लेने वाले खुलासे किए। यह खास और भावुक एपिसोड हर गुरुवार नेहा के यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम होता है। बातचीत के दौरान अपारशक्ति ने इंडस्ट्री में अपने शुरुआती संघर्ष, अपने अलग सफर और एक्टिंग के अलावा अपने सपनों के बारे में खुलकर बात की। सफल अभिनेता बनने से पहले अपारशक्ति मुंबई में एक स्टाइलिस्ट के तौर पर काम करते थे और इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे थे।उन दिनों को याद करते हुए अपारशक्ति ने कहा, एक फेज था जब मैं सोचता था कि मेरे लिए बॉम्बे शिफ्ट होने का एक तरीका क्या हो सकता है। तो एक समय ऐसा भी था जब मैं मुंबई में स्टाइलिस्ट था। मैं कुछ होस्ट्स को स्टाइल किया करता था जो एक बहुत बड़े टीवी चैनल पर बॉलीवुड शोज होस्ट करते थे। धीरे-धीरे मैं जो अभी कर रहा हूं उसे अलविदा कह दूंगा। मेरा बहुत मन है कि अगले 10-12 साल बाद मैं टेलरिंग सीखूं। कपड़ा कैसे काटना है, कैसे सिलना है। अपारशक्ति ने शादी से पहले इंडस्ट्री में काम पाने के संघर्ष को भी याद किया और बताया कि कैसे शादी के बाद अचानक सब कुछ बदल गया। उन्होंने कहा, जब मैं रेडियो में काम कर रहा था, या दिल्ली हाई कोर्ट में, या जो भी छोटे-मोटे काम मैं शादी से पहले कर रहा था, तब मैं डायरेक्टर्स, कास्टिंग डायरेक्टर्स, प्रोडक्शन हाउसेस और टीवी चैनलों को मैसेज या ईमेल किया करता था। किसी ने मुझे एक बार भी जवाब नहीं दिया। लेकिन जिस दिन मेरी शादी हुई, उसी दिन मुझे तीन साल पुराने मैसेज के रिप्लाई आने लगे कि वो अब एक होस्ट ढूंढ रहे हैं और क्या मैं आकर जॉइन कर सकता हूं। मैं पहले 'लेडी लक' जैसी चीजों पर बिल्कुल विश्वास नहीं करता था, लेकिन तब मुझे लगा कि ऐसा भी कुछ हो सकता है। यह एपिसोड उस वक्त और भावुक हो गया जब अपारशक्ति ने अपने दिवंगत पिता को याद करते हुए चंडीगढ़ से जुड़ी यादें साझा कीं। अंगद बेदी और अपारशक्ति ने अपने पिता के रिश्ते और उनसे जुड़ी कई निजी यादों को साझा किया, जिसने इस बातचीत को बेहद खास और भावनात्मक बना दिया।

वीर पहाड़िया ने सोशल मीडिया पर शेयर की अपने कश्मीर वेकेशन की कुछ ख़ास खूबसूरत तस्वीरें

वीर पहाड़िया ने अपने कश्मीर ट्रिप की कुछ खास झलकियां सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें उन्होंने वादियों के बीच बिताए खूबसूरत पलों की झलक दिखाई है। पोस्ट को बेहद सिंपल रखते हुए वीर ने कैप्शन में सिर्फ कश्मीर लिखा है।

इन तस्वीरों में वीर कश्मीर की खूबसूरत वादियों, खुले आसमान और शांत माहौल का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों में उनके दोस्तों के साथ बिताए गए कुछ यादगार पल भी तस्वीरों में कैद हैं। गौरतलब है कि वीर की यह पोस्ट किसी एक खास पल की बजाय पूरे ट्रिप की यादों को सहज अंदाज में दिखाने की कोशिश कर रही है। सालों से कश्मीर देश के सबसे खूबसूरत और सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक रहा है और वीर की यह पोस्ट एक बार फिर उसकी खूबसूरती को बयां करती नजर आ रही है। साथ ही इन तस्वीरों में प्राकृतिक नजारों और सफर के छोटे-छोटे पलों को बेहद सरल तरीके से खिाया गया है, जो पोस्ट को और भी व्यक्तिगत एहसास दे रही हैं। इस पोस्ट की सबसे खास बात इसकी सादगी है।

'पुष्पा इम्पॉसिबल' में लौटीं बृंदा त्रिवेदी, करुणा पांडे संग दोस्ती बनी चर्चा का विषय

सोनी सब के लोकप्रिय धारावाहिक पुष्पा इम्पॉसिबल में अभिनेत्री बृंदा त्रिवेदी की वापसी होने जा रही है। बृंदा त्रिवेदी एक बार फिर कादम्बरी के किरदार में नजर आएंगी, जिसकी एंट्री से शो की कहानी में नया मोड़ आने वाला है।

निर्माताओं के अनुसार कादम्बरी की वापसी से पुष्पा की जिंदगी में नई चुनौतियां और पुराने तनाव लौटेंगे, जिससे आगामी एपिसोड्स में भावनात्मक टकराव और ड्रामा बढ़ेगा। हालांकि पर्दे पर कादम्बरी और पुष्पा के बीच तनावपूर्ण रिश्ते दिखाए जाते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में बृंदा त्रिवेदी और पुष्पा का किरदार निभाने वाली करुणा पांडेय के बीच गहरी दोस्ती है।

बृंदा और करुणा एक-दूसरे को लंबे समय से जानती हैं और इंडस्ट्री में वर्षों से उनके बीच अच्छे संबंध रहे हैं। दोनों कलाकारों का कहना है कि उनकी दोस्ती और आपसी समझ का असर उनके अभिनय पर भी दिखाई देता है, जिससे स्क्रीन पर उनके दृश्यों में सहजता और प्रभाव बढ़ जाता है।

अपनी वापसी को लेकर बृंदा त्रिवेदी ने कहा कि जिस सेट पर उन्होंने कई यादें बनाई हों, वहां लौटना हमेशा विशेष अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि करुणा पांडे के साथ दोबारा काम करना उनके लिए बेहद सुखद रहा और शूटिंग के दौरान ऐसा लगा मानो दोनों के बीच समय का कोई अंतर आया ही नहीं हो।

'पुष्पा इम्पॉसिबल' में कादम्बरी की वापसी के साथ दर्शकों को आगामी एपिसोड्स में कई नए उतार-चढ़ाव देखने को मिलेंगे। यह धारावाहिक सोमवार से शनिवार रात 9:30 बजे सोनी सब पर प्रसारित होता है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
शुक्रवार 12 जून 2026

एनसीएल ने नारी सशक्तिकरण विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया आयोजन

महिलाएं रूढ़िवादी सोच से ऊपर उठकर अपनी पहचान स्वयं बनाएं : सविता प्रधान

सिंगरौली, स्वतंत्र मत। सफलता का वास्तविक सौंदर्य व्यक्ति की मेहनत, लगन और उपलब्धियों में निहित होता है। महिलाओं को समाज द्वारा बनाई गई रूढ़िवादी धारणाओं से ऊपर उठकर अपनी पहचान स्वयं गढ़नी चाहिए।ज्ञ यह विचार नगर निगम आयुक्त, सिंगरौली , सविता प्रधान ने गुरुवार को नॉर्दर्न कोलफ़ील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) द्वारा सीईटीआई, सिंगरौली में आयोजित नारी सशक्तिकरण विषय पर आयोजित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यक्त किए।

इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य निर्धारित करने और अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को समाज द्वारा निर्धारित सीमाओं और रूढ़िवादी सोच से ऊपर उठकर अपनी पहचान स्वयं बनानी चाहिए। उन्होंने महिलाओं को अपने विचारों और सपनों के प्रति दृढ़ रहने की सलाह दी एवं समाज में प्रचलित रूढ़ियों को स्टीरियोटाइप बताते हुए महिलाओं से अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने का आह्वान किया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन), राजेश त्रिवेदी, महाप्रबंधक (मानव संसाधन/प्रशासन), संजय सिन्हा, महाप्रबंधक (एचआरडी), राजन मेक, अन्य अधिकारी और कर्मचारी तथा एनसीएल की सभी परियोजना और इकाइयों से महिला कर्मी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में डॉ. आर.डी. पाण्डेय, आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सक तथा अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति (न्यायपीठ), सिंगरौली ने रामचरितमानस के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से नारी शक्ति एवं उसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने महिलाओं की सामाजिक एवं पारिवारिक भूमिका को रेखांकित करते हुए आत्मबल, धैर्य और सकारात्मक सोच के महत्व को समझाया। इस दौरान उन्होंने योग, ध्यान और संतुलित जीवनशैली के लाभों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही उपस्थित प्रतिभागियों को स्वस्थ खान-पान, फाइबर, विटामिन एवं कैल्शियम युक्त आहार के महत्व की जानकारी दी। सत्र के अंत में उन्होंने सभी प्रतिभागियों को ध्यान एवं योगाभ्यास भी करवाया।

कार्यक्रम के अंत में अनुषा चेपुरी, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) ने कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 (पॉश एक्ट) के विभिन्न प्रावधानों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने महिला कर्मचारियों को उनके अधिकारों, शिकायत निवारण प्रक्रिया तथा सुरक्षित कार्यस्थल के महत्व के बारे में जागरूक किया।

एनटीपीसी विंध्याचल में उत्तरा महिला क्लब की अध्यक्षा ने सुहासिनी संघ के गतिविधियों का लिया जायजा

सिंगरौली, स्वतंत्र मत।

एनटीपीसी विंध्याचल के प्रवास के दौरान उत्तरा महिला क्लब की अध्यक्षा श्रीमती सीमा कौशिक ने सुहासिनी संघ की विभिन्न गतिविधियों एवं जनकल्याणकारी पहलों की समीक्षा की तथा महिला क्लब की सामान्य सभा (जनरल बॉडी मीटिंग) की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उनका स्वागत श्रीमती निशी सिन्हा, प्रभारी, वेलफेयर विंग, सुहासिनी संघ तथा महिला क्लब की वरिष्ठ सदस्यों द्वारा किया गया।

अपने दौरे के दौरान श्रीमती कौशिक ने सुहासिनी संघ द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की और सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में महिलाओं की सक्रिय सहभागिता की सराहना की। उनके सम्मान में सुहासिनी संघ, बाल भवन एवं वेलफेयर विंग के सदस्यों द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ एक भावपूर्ण गीत-संगीत प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर आयोजित पट्टचित्र कार्यशाला के प्रतिभागियों को भी श्रीमती सीमा कौशिक द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों की रचनात्मकता, उत्साह एवं भारतीय पारंपरिक कला के संरक्षण हेतु उनके प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक संरक्षण एवं सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने की दिशा में सुहासिनी संघ की सतत प्रतिबद्धता का एक प्रेरणादायी उदाहरण रहा।

मनोकामनेश्वर हनुमान मंदिर में हुआ आध्यात्मिक सत्संग एवं काव्य पाठ

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

हनुमान जी महाराज और लक्ष्मण जी सेवा दायित्व की प्रतिमूर्ति हैं।भरत जी आस्था विश्वास के प्रतीक हैं।मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु राम राम संस्कृति संस्कार और सम्पूर्ण चरित्र के अभिनेता हैं .. कृष्ण सुदामा सा मित्र होना चाहिए,दिल हनुमंत सा पवित्र होना चाहिए,मान सम्मान यश कीर्ति भी खूब मिले,पर श्री राम सा चरित्र होना चाहिए। उक्ताशय के विचार ओजस्वी कवि साहित्यकार अशोक त्रिपाठी ने मनोकामनेश्वर हनुमान मंदिर नरसिंहपुर में आयोजित आध्यात्मिक सत्संग में व्यक्त किये।गुरुवर नारायण प्रसाद साहू ने कहा कि जब हम भगवान के नाम का जप और ईश्वर के चरित्र को अपने आचरणों में उतारकर कार्य करते हैं तब परमात्मा से जुड़ जाते हैं।यही जुड़ाव भक्ति है। इसी भक्ति में असीम शांति और आनंद है।आध्यात्मिक काव्यपाठ के क्रम में कवि कुंज बिहारी कुंज ने भरत चरित्र पर अपना काव्यपाठ यूं किया...राम से मांगकर राम राम की पादुका,ले चले शीश धर राम की पादुका।कवि ने प्रभु राम की वंदना में पढ़ा.. देखें नहीं धूप छांव देखें न नगर गांव,दीर्घ लघु कोई काम राम नहीं देखते, देखते न जात पात भोर शाम दिन रात धनिक गरीब हरि दाम नहीं देखते। पंडित दयाराम दुबे ने सुमधुर भजन प्रस्तुत किए।चोला वंदन आर के रिछारिया द्वारा किया गया। आयोजन में पं मनीष गिरदोनिया लक्ष्मी कांत सरावगी मनोज बाजपेई जेपी श्रीवास्तव दिनेश श्रीवास्तव अशोक नेमा गंगाराम साहू श्री मती भागवती राय एस पी तिवारी दयाराम दुबे महेश नेमा बी डी रूसिया चौहान साहब पुरषोत्तम पहलवान सुभाष साहू तनू साहू तरुण साहू अलख सोनकिया राकेश शर्मा सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने प्रत्येक नागरिक का सर्वांगीण विकास किया है : मंत्री पटेल

मंत्री श्री पटेल ने ग्राम पंचायत भवन, बाउंड्रीबॉल व टीनशेड का लोकार्पण और धमना से मुराछ मार्ग में नवनिर्मित पुलों का शुभारंभ किया

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार ने प्रत्येक नागरिक का सर्वांगीण विकास किया है। शासन द्वारा हर वर्ग को लाभांवित करने के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की गई हैं। हितग्राही शासन की योजनाओं का लाभ उठाकर सर्वांगीण विकास कर रहा है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना प्लस से गरीब परिवारों के लिए पक्के मकान बनाए जा रहे हैं। इससे गरीब परिवारों का पक्के मकान में रहने का सपना साकार हो रहा है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल-जल योजना के माध्यम से घर- घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाया जा रहा है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह अपने गांव के विकास के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल गुरूवार को ग्राम पंचायत चंदपुरा में 20 लाख रुपये की लागत से बने नवनिर्मित ग्राम पंचायत भवन के लोकार्पण के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री पटेल ने धमना से मुराछ मार्ग पर 144.95 लाख और 158.86 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित पुलों का शुभारंभ किया।

ग्राम पंचायत चंदपुरा के गड़रिया खेड़ा में 18 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित बाउंड्रीबॉल एवं टीनशेड का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। मंत्री श्री पटेल ने ग्राम महादेव पिपरिया में स्थित महादेव मंदिर में रूद्राभिषेक कर पूजा-अर्चना कर समस्त क्षेत्रवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने इसके पश्चात नर्मदा तट पर निर्माणाधीन घाट का अवलोकन किया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि धमना से मुराछ मार्ग पर पुल बनने से क्षेत्रवासियों के लिए सुरक्षित और सुगम आवागमन सुविधा होगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

यह पुल इस क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन की सुविधा प्रदान करेगा। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि समृद्ध पंचायतें ही ग्रामीण विकास की धुरी हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि पंचायतों का कायाकल्प हो, नागरिकों को पंचायतों में ही सम्पूर्ण सुविधाएं मिले और उनकी समस्याओं का निराकरण भी स्थानीय स्तर पर हो। आयोजित कार्यक्रम को सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी और पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल ने भी संबोधित किया।

जनकल्याणकारी योजनाओं से हितग्राहियों को लाभांवित करने के लिए 12 से 18 जून तक जनकल्याण शिविर

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। राज्य शासन के निर्देशानुसार केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से हितग्राहियों को लाभांवित करने के लिए जिले में 12 से 18 जून तक प्रत्येक विकासखंड/नगरीय निकाय मुख्यालयों में जनकल्याण शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह शिविर तीन दिवसीय होंगे, जो सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। मैदानी अमले के सहयोग से ऐसे लाभार्थियों को शिविर तक लाने का कार्य किया जाएगा।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने इस संबंध में समस्त अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत और समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका व नगर परिषद को निर्देश दिए हैं। नरसिंहपुर में 12, 13 व 15 जून को जनपद पंचायत नरसिंहपुर और नगर पालिका नरसिंहपुर के लिए शिविर लगेंगे। करेली में 15, 16 व 17 जून को जनपद पंचायत करेली और नगर पालिका करेली के लिए शिविर लगेंगे। गोटेगांव में 12, 13 व 15 जून को जनपद पंचायत गोटेगांव और नगर पालिका गोटेगांव के लिए शिविर लगेंगे। सांईखेड़ा में 15, 16 व 17 जून को जनपद पंचायत सांईखेड़ा और नगर परिषद सांईखेड़ा के लिए शिविर लगेंगे।

चांवरपाठा में 12, 13 व 15 जून को जनपद पंचायत चांवरपाठा के लिए शिविर लगेंगे। गाडरवारा में 12, 13 व 15 जून को नगर पालिका गाडरवारा के लिए शिविर लगेंगे। सालीचौका में 15, 16 व 17 जून को नगर परिषद सालीचौका के लिए शिविर लगेंगे। चीचली में 15, 16 व 17 जून को जनपद पंचायत चीचली और नगर परिषद चीचली के लिए शिविर लगेंगे।

बीआरआईसीएस समिट इंदौर में कुशल मंगल जैविक कृषि फार्म नरसिंहपुर ने प्रदर्शनी द्वारा उत्पादों का प्रदर्शन किया

देश-विदेश के प्रतिनिधियों ने नरसिंहपुर जिले की जैविक गुड़ की प्रशंसा की

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन और उप संचालक कृषि श्री मोरिस नाथ के मार्गदर्शन में जिले के कुशल मंगल जैविक कृषि फार्म करताज ने अपने जैविक गुड़ एवं मूल्य संवर्धित उत्पादों का बीआरआईसीएस समिट 2026 इंदौर में आयोजित हाट बाजार में प्रदर्शनी द्वारा अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। आयोजित प्रदर्शनी में नरसिंहपुर जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए फार्म के संस्थापक श्री राकेश दुबे और कृषि विस्तार अधिकारी श्री विक्रम राधाकृष्णन द्वारा स्टॉल का सफल संचालन किया जा रहा है। विभिन्न प्रकार के फ्लेवर एवं पारंपरिक जैविक गुड़ ने देश-विदेश से आए प्रतिनिधियों को अपनी ओर आकर्षित किया। विदेशी प्रतिनिधियों ने स्टॉल का भ्रमण किया, गुड़ के स्वादों का परीक्षण किया तथा इसकी गुणवत्ता, प्राकृतिक उत्पादन पद्धति और स्वास्थ्य वर्धक गुणों की सराहना की। विदेशी प्रतिनिधियों के साथ जैविक भारतीय गुड़ एवं उससे निर्मित उत्पादों के आयात-निर्यात की संभावनाओं पर संवाद किया।

प्रतिनिधियों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय जैविक गुड़ की बढ़ती मांग और भविष्य में इसके व्यापक व्यापारिक अवसरों पर सकारात्मक चर्चा की तथा निर्यात क्षेत्र में उज्ज्वल संभावनाएं व्यक्त की। यह उपलब्धि केवल कुशल मंगल जैविक कृषि फार्म की नहीं, बल्कि नरसिंहपुर जिले के जैविक किसानों, प्राकृतिक खेती और भारतीय कृषि परंपरा की पहचान है। अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से नरसिंहपुर का जैविक गुड़ वैश्विक बाजारों तक अपनी मजबूत पहचान बनाएगा और लोकल टू ग्लोबल के सपने को साकार करेगा।

बाल ब्रह्मचारी वैराग्य भैया का आगमन हुआ

गाडरवारा। आचार्य प्रवर संत तारण तरण मण्डलाचार्य महाराज के परम साधक बाल ब्रह्मचारी वैराग्य भैया का यहाँ जबलपुर से पदयात्रा करते हुये आगमन हुआ। इस अवसर पर सकल तारण तरण समाज द्वारा स्थानीय पलोहा नाका पर उनकी भव्य अगवानी की गई। यहाँ से बाल ब्रह्मचारी वैराग्य भैया श्री संत तारण तरण दिगम्बर जैन चैत्यालय पहुँचे जहां उन्होंने अपने प्रवचन में जिनवाणी की महत्ता बताते हुये कहा की हमें जिनवाणी की सिर्फ परिक्रमा नही करना है बल्कि जिनवाणी हमें जो ज्ञान दे रही है ।

एनटीपीसी गाडरवारा के परियोजना प्रमुख हिम्मत सिंह चौहान कार्यकारी निदेशक पद पर पदोन्नत

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। एनटीपीसी गाडरवारा के परियोजना प्रमुख श्री हिम्मत सिंह चौहान को कार्यकारी निदेशक पद पर पदोन्नत किया गया है। श्री चौहान जनवरी 2026 से एनटीपीसी गाडरवारा की 1600 मेगावाट (2म800 मेगावाट) क्षमता वाली सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना का सफलतापूर्वक नेतृत्व कर रहे हैं।एनटीपीसी के एक अत्यंत सम्मानित एवं अनुभवी अधिकारी के रूप में श्री हिम्मत सिंह चौहान अपने साथ 38 वर्षों से अधिक का समृद्ध और विशिष्ट अनुभव लेकर आए हैं, जो उत्कृष्टता, निष्पक्षता तथा परिणामोन्मुखी नेतृत्व का परिचायक है। उन्होंने वर्ष 1987 में एनटीपीसी में कार्यकारी प्रशिक्षु के रूप में अपने करियर की शुरुआत की तथा अपने समर्पण, तकनीकी दक्षता और उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के

बल पर संगठन में एक विशिष्ट पहचान स्थापित की।श्री चौहान ने बड़े पैमाने की विद्युत परियोजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन में, विशेष रूप से यांत्रिक एवं विद्युत स्थापना के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। समयबद्ध परियोजना निष्पादन, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा परिचालन विश्वसनीयता को सुदृढ़ करने में उनकी भूमिका सदैव निर्णायक रही है।उनके व्यापक कार्यानुभव में एनटीपीसी नॉर्थ करनपुरा, बोंगाईगांव, तालचर कनीहा तथा ऊंचाहार जैसी प्रतिष्ठित परियोजनाएँ शामिल हैं। एनटीपीसी गाडरवारा में पदभार ग्रहण करने से पूर्व वे एनटीपीसी मौदा में परियोजना प्रमुख के रूप में कार्यरत थे, जहाँ उनके नेतृत्व में परियोजना प्रदर्शन एवं परिचालन उत्कृष्टता को नई ऊँचाइयाँ प्राप्त हुईं।श्री हिम्मत सिंह चौहान की कार्यकारी निदेशक पद पर पदोन्नति एनटीपीसी परिवार के लिए गर्व का विषय है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व, व्यापक अनुभव एवं संगठनात्मक समझ के मार्गदर्शन में एनटीपीसी गाडरवारा परियोजना निष्पादन, परिचालन उत्कृष्टता एवं सतत विकास के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता रहेगा।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने 16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्याखेट को प्रतिबंधित किया

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। प्रदेश में नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम के तहत 16 जून से 15 अगस्त 2026 तक मत्स्याखेट प्रतिबंधित रहेगा। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने म.प्र. नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम के प्रावधानों के तहत अधिसूचना जारी की है। जिसके तहत छोटे तालाब अथवा अन्य स्त्रोत जिनका कोई संबंध किसी नदी से नहीं है और जिन्हें निर्दिष्ट जल की परिभाषा में नहीं लाया गया है, को छोड़कर समस्त नदियों व जलाशयों में बंद ऋ्तु में मत्स्यखेट पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। अधिसूचना में कहा गया है कि बंद ऋ्तु की अवधि में जिले में अवैधानिक मत्स्याखेट/ परिवहन/ क्रय- विक्रय आदि कार्य करते पाये जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरूद्ध मप्र मत्स्योद्योग अधिनियम 1981 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जावेगी। शासन के निर्देशों और निर्धारित नियमों के उल्लंघन करने वाले व्यक्ति की दोष सिद्धि पर उसे एक वर्ष तक के कारावास या 5 हजार रूपये तक के जुर्माना से दंडित किया जा सकेगा।

प्राकृतिक खेती विषय पर कार्यशाला का आयोजन

नरसिंहपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार 19 एवं 20 जून 2026 को जिले में दो स्थानों पर प्राकृतिक खेती विषय पर कार्याशाला का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने आयोजित कार्यशाला में जनप्रतिनिधियों, विशेषज्ञों व वैज्ञानिकों और अनुभवी व्यक्तियों को आमंत्रित करने के निर्देश दिए हैं। कार्यशाला में खाद्य प्रसंस्करण विशेषज्ञों, कृषकों के साथ- साथ आजीविका मिशन के समूह सदस्यों, कृषि सखी को भी आमंत्रित किया जाएगा। कार्यशाला की सम्पूर्ण व्यवस्था उप संचालक कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग नरसिंहपुर करेंगे।

एनटीपीसी विंध्याचल में आत्मीयता से सजी यादगार संध्या

सिंगरौली, स्वतंत्र मत।

एनटीपीसी विंध्याचल में श्री दिवाकर कौशिक एवं श्रीमती सीमा कौशिक के सम्मान में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन एनटीपीसी विंध्याचल के उमंग भवन में 10 जून 2026 को क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (उत्तर) एवं सीईओ (एनएसपीसीएल) श्री दिवाकर कौशिक तथा उत्तरा महिला क्लब की अध्यक्ष श्रीमती सीमा कौशिक के सम्मान में एक भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के आत्मीय स्वागत, दीप प्रज्वलन एवं एनटीपीसी गीत के साथ हुआ।

इस अवसर पर श्री किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) सहित श्री ए. जे. राजकुमार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), श्री एम. सुरेश, महाप्रबंधक (मेंटेनेंस एवं एडीएम), श्री एस. के. सिन्हा, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं एफएम), डॉ. बी. के. भराली, महाप्रबंधक (चिकित्सा), श्री देबब्रत त्रिपाठी, महाप्रबंधक (टीएस एवं प्रोजेक्ट्स), श्रीमती रूमा दे शर्मा, मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल), एसएमसी सदस्य तथा लेडीज़ क्लब की वरिष्ठ सदस्याएं उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के दौरान जेम 2026 की चार सप्ताह की यात्रा, उपलब्धियों और भावनात्मक पलों पर आधारित एक विशेष फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया और पूरे समारोह को प्रेरणादायी स्वर प्रदान किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरुआत सुहासिनी संघ के वेलफेयर विंग द्वारा प्रस्तुत बंगाली थीम पर आधारित स्वागत नृत्य से हुई।

इसके बाद श्री मुकेश कश्यप, अपर महाप्रबंधक(एमजीआर), श्री टी. आर. राधिश, अपर महाप्रबंधक(सतर्कता), श्री सौरव कुमार साहू, प्रबंधक (सी एंड आई) तथा श्री रविन्द्र मिश्रा, सहायक (मानव संसाधन) ने अपनी मधुर गायकी से समां बांध दिया। वहीं श्री सौरभ बनौधा, उप महाप्रबंधक(आईटी) की मनमोहक बांसुरी वादन प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में वीवा क्लब की महिलाओं द्वारा प्रस्तुत आकर्षक नृत्य एवं वीवा क्लब के सदस्यों द्वारा प्रदर्शित ऊर्जावान स्केटिंग डांस भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

अपने संबोधन में श्री दिवाकर कौशिक ने सभी कलाकारों एवं आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि एनटीपीसी के जीवन की वास्तविक आत्मा उसकी टाउनशिप और सामुदायिक संस्कृति में बसती है।

कार्यक्रम को और भी यादगार बनाते हुए उन्होंने स्वयं एक मधुर गीत प्रस्तुत किया तथा अपने पुत्र श्री राघव कौशिक, जो मुंबई स्थित एक संगीत कलाकार हैं, की अप्रकाशित संगीत रचना भी श्रोताओं को सुनाई। मानव संसाधन, टीएडी एवं आईटी विभागों के उत्कृष्ट समन्वय से आयोजित यह सांस्कृतिक संध्या संगीत, संस्कृति और सामुदायिक एकता का अनुपम उत्सव बन गई, जिसकी मधुर स्मृतियां लंबे समय तक सभी के मन में बनी रहेंगी।

5100 दीपक का दीप यज्ञ एवं गंगा आरती

कटनी (स्वतंत्रमत)

अखिल विश्व गायत्री परिवार जिला कटनी की टीम ने गंगा दशहरे से बिलहरी में जाकर जो शुरुआत की थी। उसका प्रथम चरण ऐतिहासिक सफलता के साथ संपन्न हुआ। 5100 दीपक का दीप यज्ञ एवं गंगा आरती जिसमें बिलहरी ग्राम उमड़ पड़ा। हजारों लोगों ने दीप यज्ञ व गंगा आरती में भाग लिया तालाब के चारों तरफ दीपकों की श्रृंखला जगमगाती नजर आई, पूरी बिलहरी ने दीपावली मनाई। हर घाट पर सजावट की गई। हर घाट पर लोग जुटे। गंगा आरती का ऐसा दृश्य वहां के लोगों के अनुसार भूतों ना भविष्यति की युक्ति को चरितार्थ करती हुई प्रतीत हुई। पिछले 12 दिनों में बिलहरी ग्राम का जो मंथन चल रहा था, उसके नवनीत का बिलहरी की जनता ने स्वाद चखा। बहुत मेहनत से घाटों व तालाब को साफ किया गया। घाटों की लिपाई, पुताई हुई। भंडारे का आयोजन किया गया और दीप यज्ञ गंगा आरती से सब धन्य हो गए। ग्राम वासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया इतने लोग कार्यक्रम में आए कि यहां नाम देना भी संभव नहीं है। गायत्री परिवार जिला टीम कटनी के कमल राज अग्रवाल, विद्याभूषण खरे, शरद जायसवाल, लव सिंह राजपूत, ज्योति श्रीवास्तव, महेंद्र खरे, दहिया बाबूजी, हरिश्चंद्र गुप्ता, राकेश निषाद, वेदांत निषाद, ओजस खरे, धीरज नामदेव, नीति अगरवाल, हरीश भैया, राम मणि सोनी, जगदीश साहू, दीप्ति जायसवाल, सुभाष सोनी, रेखा वर्मा, गोमती देवी, ज्योति, गजानंद चौरसिया, कमलेश चौरसिया, राजा बाबू चौरसिया, सत्तू चौरसिया, रवि चौरसिया, गज्जू चौरसिया, राज चौरसिया, रिंकू चौरसिया, भूरा चौरसिया, डुग्गू चौरसिया, लकी चौरसिया, अमित चौरसिया, सुमित चौरसिया, यश चौरसिया सहित अनेकों अनेक गायत्री परिवार के कार्यकर्ता इस अद्भुत कार्यक्रम में साक्षी बने, कई रामायण मंडलों ने इसमें भाग लिया। बहुत से सामाजिक संगठनों ने इसमें भाग लिया कार्यक्रम का प्रारंभ रामायण पाठ से हुआ। उसके बाद गायत्री दीप यज्ञ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। पूरी तहसील के पदाधिकारी का आगमन हुआ। सभी ने कार्यक्रम को सराहा और उसमें भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने अपनी प्रतिक्रियाओं में इस कार्यक्रम को हर महीने के पहले रविवार को जारी रखने की सहमति दी। इसके अलावा तालाब में जो मल मूत्र का पानी पिछले कुछ दिनों से विसर्जित किया जाने लगा है। उसका लोगों ने निषेध किया और कहा कि से जल्द से जल्द बंद होना चाहिए कार्यक्रम का समापन विशाल भंडारे से हुआ जिसमें हजारों लोगों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम समापन के अवसर पर आभार प्रदर्शन जिला टीम की ओर से कमल राज अग्रवाल ने किया।

महिला की हत्या के बाद प्रेमी ने की आत्महत्या

पवई के सुनवानी में सनसनीखेज घटना, प्रेम प्रसंग का दर्दनाक अंत

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर के वार्ड क्रमांक 14 स्थित अंबेडकर पार्क क्षेत्र में कल दोपहर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। प्रेम प्रसंग से जुड़े विवाद में एक महिला की हत्या कर दी गई, जिसके बाद आरोपी युवक ने भी आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार रजनी शुक्ला 37 वर्ष, निवासी चौमुखा, की शादी सुनवानी में हुई थी। वह पिछले लगभग चार माह से अपनी बेटी के साथ अंबेडकर पार्क क्षेत्र में लक्ष्मी सोनी के मकान में किराए से रह रही थीं। बताया जा रहा है कि छोटी सुनवानी निवासी सुरेंद्र तिवारी 38 वर्ष के साथ उनका लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। सूत्रों के अनुसार बुधवार दोपहर करीब 12 बजे सुरेंद्र तिवारी महिला के किराए के मकान पर पहुंचा। दरवाजा खुलने के बाद वह अंदर चला गया और महिला के साथ मौजूद बेटी को बाहर भेज दिया। इसके बाद दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान सुरेंद्र तिवारी ने धारदार हथियार से रजनी शुक्ला पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ने भी स्वयं पर उसी हथियार से वार कर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना मिलने पर पवई एसडीओपी भावना दांगी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं और मौके का निरीक्षण किया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर घटना प्रेम प्रसंग और आपसी विवाद से जुड़ी बताई जा रही है, हालांकि वास्तविक कारणों का खुलासा जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल व्याप्त है।

जनसुनवाई में कटनी पुलिस के अधिकारियों ने सुनी आमजन की समस्याएं

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं प्रभावी समाधान हेतु प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के क्रम में 09 जून को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुना। इस दौरान शिकायत सुनवाई एवं समाधान हेतु नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया, एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी, डीएसपी अजाक शिवा पाठक जनसुनवाई में उपस्थित रहे एवं उन्होंने प्रत्येक आवेदक की समस्या को प्राथमिकता से लेते हुए संबंधित थाना प्रभारी एवं को त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कुछ प्रकरणों में साइबर संबंधी शिकायतों के प्राप्त होने पर, फरियादियों को शासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करने एवं साइबर अपराधों से जागरूक रहने की हिदायत भी पुलिस अधिकारियों द्वारा फरियादियों को दी गई। एवं आवश्यक कार्यवाही के निर्देश सायबर सेल को दिये गये। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों में मुख्यत: पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेन-देन से संबंधित मामले, पुलिस द्वारा सुनवाई न होने की शिकायतें, भूमि/प्लॉट संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध एवं अन्य पुलिस से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। कुछ समस्याएं अन्य विभागों से संबंधित होने पर, आवेदको को संबंधित विभाग में जाने की समझाइश भी दी गई। इस अवसर सभी अधिकारियों द्वारा पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में आवेदकों की समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुनकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की गई।

मोहन नगर के रहवासियों का हल्ला बोल आंदोलन आज

कटनी (स्वतंत्रमत)। इंदिरा गांधी वार्ड क्रमांक 4 स्थित मोहन नगर क्षेत्र में लंबे समय से गंदे पानी की निकासी, नाली निर्माण एवं मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं से परेशान रहवासी अब जनआंदोलन का रास्ता अपनाने जा रहे हैं। क्षेत्रवासियों द्वारा आज 12 जून शुक्रवार को प्रात: 9 बजे से रविदास तिराहा, मोहन नगर में हल्ला बोल आंदोलन एवं जन आक्रोश प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। मोहन नगर के नागरिकों का कहना है कि क्षेत्र में

स्वीकृत नाली निर्माण कार्य आज तक प्रारंभ नहीं किया गया है, जिसके कारण घरों एवं सड़कों पर गंदा पानी जमा रहता है। कच्ची सड़क पर कीचड़ और दूषित जलभराव से आमजन, महिलाओं, बुजुर्गों एवं स्कूली बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के माध्यम से क्षेत्रवासी प्रशासन एवं नगर निगम का ध्यान अपनी समस्याओं की ओर आकर्षित करते हुए मांग करेंगे कि गंदे पानी की निकासी की तत्काल व्यवस्था की जाए, स्वीकृत नाली निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए तथा वार्डवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के समस्त नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने अधिकारों की आवाज बुलंद करने की अपील की है।

बुलडोजर से जमींदोज हुआ ऐतिहासिक शहीद द्वार

रेत से भरे डंपर की ठोकर से हुआ था क्षतिग्रस्त, राहगीरों के लिए था खतरनाक

कटनी (स्वतंत्रमत)। नई बस्ती क्षेत्र में शहीदों की स्मृति में निर्मित शहीद द्वार गुरूवार दोपहर अंतत: जमींदोज कर दिया गया। बुधवार रात रेत से भरे डंपर की टक्कर से क्षतिग्रस्त होने के बाद यह खतरनाक स्थिति में पहुंच गया था। नगर निगम के अधिकारियों के संज्ञान में लाये जाने के बाद दोपहर में इसे गिराने की कार्यवाही शुरू हुई। बुलडोज़र के एक्शन के बाद अतीत की यह ऐतिहासिक धरोहर मलबे के ढेर में बदल गई। जानकारी के अनुसार रात के समय तेज रफ्तार से गुजर रहे रेत से भरे एक डंपर ने शहीद द्वार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि द्वार का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं कराई गई तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है, किंतु मरम्मत की बजाय निगम ने इसे गिरा दिया। बताया जा रहा है कि इसके स्थान पर अब नया द्वार बनाया जा सकता है। हालांकि कमानिया गेट गिराए जाने के वक्त भी नए गेट के निर्माण की बात कही गई थी, लेकिन आज तो इसे अमल में नहीं लाया गया। शहीद द्वार के अतीत के बारे में बताया जाता है कि सन 1962 में भारत और चीन के

बीच हुए युद्ध में शहीद देश के सैनिकों की स्मृति में नई बस्ती के प्रतिष्ठित निवासियों द्वारा सन 1963 में बड़े उत्साह के साथ जन सहयोग से शहीद द्वार का निर्माण कराया गया था। विगत 63 वर्ष से यह कटनी नगर एवं नई बस्ती की शान और पहचान रहा है। विगत 63 वर्षों में स्थानीय प्रशासन द्वारा इस प्रवेश द्वार की कोई खैर खबर नहीं ली गई। वैसे वाहन की टक्कर से द्वार को क्षति पहुंचने की बात सही है तो सीसीटीवी कैमरे खंगाल कर संबंधित वाहन चालक को पकड़ा और दोषियों पर मामला कायम किया जाना चाहिए तथा शहीद द्वार का पुनर्निर्माण कराया जाना चाहिए।

रेत से भरे डंपरों ने शहीदों की याद में बने द्वार को भी नहीं छोड़ा

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी के नई बस्ती क्षेत्र स्थित शाहिद द्वार, जिसे शहीदों की याद में बनवाया गया था, वह गत रात्रि क्षतिग्रस्त हो गया। शहर में रात्रि के समय बेखौफ दौड़ते रेत के डंपर ने द्वार को क्षतिग्रस्त कर दिया। द्वार क्षतिग्रस्त होने के कारण उसके अकस्मात गिरने की संभावना भी बनी हुई है। वरिष्ठ कांग्रेस पार्षद एडवोकेट मिथिलेश जैन के संबंध में नगर निगम

के अधिकारियों को अवगत कराते हुए आम जनमानस से सावधानी बरतने की अपील की है। जिले में रेत का ठेका भले बंद हो लेकिन शाम ढलने के बाद अवैध रूप से रेत का खेल शुरू हो जाता है। नदी के घाटों से निकाली गई रेत को शहर के निर्माण स्थलों में डंपरों के जरिए पहुंचाया जाता है। इस पूरे खेल की जानकारी प्रशासन एवं पुलिस को भी है, लेकिन उसके बावजूद कार्यवाही सिर्फ छोटे वाहनों तक सिमट कर रह जाती है। टीपी यानी ट्रांजिट पास का इस्तेमाल इस तरह से किया जाता है कि टीपी कहीं और की होती है लेकिन रेत कटनी जिले के नदी घाटों से भरकर सप्लाई की जाती है। विगत रात्रि एक ऐसे ही रेत से बड़े डंपर ने शहीदों की याद में बनाए गए द्वार को क्षतिग्रस्त कर दिया।

सरकार की तानाशाही और दमनकारी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन

कटनी (स्वतंत्रमत)

देश और प्रदेश की राजधानी से लेकर जिलों तक राज्यसभा चुनाव में कथित झूठ, षड्यंत्र और लोकतांत्रिक परंपराओं को ठेस पहुँचाने का मामला गरमा गया है। कांग्रेस की कद्दावर नेता मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द किए जाने के विरोध में पूरे प्रदेश के साथ-साथ कटनी जिले में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आक्रोश फूट पड़ा है। बुधवार को कटनी जिला मुख्यालय पर कांग्रेस द्वारा इस लोकतंत्र विरोधी कृत्य के खिलाफ एक बड़ा विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया गया। जिला मुख्यालय में बुधवार को जिला कांग्रेस

अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह के नेतृत्व में भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता जिला कलेक्टर परिसर के बाहर एकत्रित हुए। कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार की तानाशाही और दमनकारी नीतियों के खिलाफ कड़ा विरोध जताते हुए गांधीवादी तरीके से सामूहिक उपवास रखा। इस विरोध प्रदर्शन का असर केवल जिला मुख्यालय तक ही सीमित नहीं रहा। जिला कांग्रेस कमेटी एवं महिला कांग्रेस के संयुक्त नेतृत्व में जिले के सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर भी सामूहिक उपवास कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपना विरोध दर्ज कराया। जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस उपवास कार्यक्रम में कांग्रेस के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए, जिनमें मुख्य रूप से रजनी वर्मा महिला अध्यक्ष अजय जैसवानी, राजा जगवानी, राजेश जाटव, मौजूद अहमद, कमल पांडे, गोल्डन पांडे, अजय गोटियां, नारायण निषाद, मंगल सिंह श्याम यादव, जीतू गुप्ता, संतोष पटेल, देवीदीन गुप्ता, रंजीत सिंह, सचिन गर्ग सहित बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस और ब्लॉक कांग्रेस के अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष पद हेतु आभार

कटनी (स्वतंत्रमत)। सपना अभिनंदन सरावगी महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष पद हेतु हमारे मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भाईसाहब, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे राजवाड़े दीदीजी, हमारे खजुराहो क्षेत्र के सांसद विष्णु दत्त शर्मा भाई साहब, कटनी जिले के जिला अध्यक्ष दीपक टंडन भाई साहब, हमारे जिले के चारों विधायक, संदीप जयसवाल भाई साहब, संजय पाठक भाई साहब, प्रणय पांडे भाई साहब, धीरेंद्र भाई साहब। हमारे वरिष्ठ जन, हमारे क्षेत्र के सभी मंडल अध्यक्ष, देवतुल्य कार्यकर्ता, समस्त मातृशक्ति एवं जिला पदाधिकारी, आप समाज

के प्रबुद्ध जन, आप सभी का मैं आभार व्यक्त करती हूं। जिन्होंने मुझ पर यह विश्वास जताया। मैं आप सभी का आभार व्यक्त करती हूं एवं आप सभी को विश्वास दिलाती हूं की इस पद का मैं पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ इस दायित्व का निर्वहन करूंगी एक बार पुन: आप सभी को तहे दिल से धन्यवाद।

रामकृष्ण परमहंस वार्ड में दो विकास कार्यों का भूमिपूजन गरिमामय वातावरण में संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर के रामकृष्ण परमहंस वार्ड में विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नगर निगम कटनी द्वारा लाखों की लागत से दो निर्माण कार्यों का भूमिपूजन महापौर प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद शकुंतला सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में गरिमामय वातावरण में संपन्न किया गया। कार्यक्रम में मेयर इन काउंसिल सदस्य डॉ. रमेश सोनी, सुभाष साहू, जयनारायण निषाद, बीना बैनर्जी, पार्षद सीमा श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष कौशलेश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। भूमिपूजन के अंतर्गत दो महत्वपूर्ण विकास कार्यों की शुरुआत की गई, जिनमें साहू हाउस से कबाड़ी मेन रोड तक लगभग 17.60 लाख रुपये की लागत से सी.सी. रोड निर्माण कार्य तथा बिलगवां रोड पर 4.46 लाख रुपये की लागत से रिटेनिंग वॉल निर्माण कार्य शामिल है। इन कार्यों के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में आवागमन व्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा बारिश के समय होने वाली समस्याओं से नागरिकों को राहत मिलेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य हर वार्ड

में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली, रिटेनिंग वॉल और सीसी रोड जैसे कार्यों से शहर की तस्वीर बदल रही है और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। क्षेत्रीय पार्षद शकुंतला सोनी ने कहा कि वार्ड में लंबे समय से लंबित विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा कराया जा रहा है। उन्होंने महापौर एवं नगर निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आगे भी क्षेत्र में विकास कार्यों की गति तेज रहेगी और हर समस्या का समाधान चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।

कैमोर नगर में स्वास्थ्य सेवा का नया अध्याय

ममता आई केयर क्लिनिक एवं ममता द ब्रांडेड ऑप्टिकल का भव्य शुभारंभ

कटनी (स्वतंत्रमत)

विजयराघवगढ़ कैमोर नगरवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि लेकर आया जब कैमोर नगर में ममता आई केयर क्लिनिक एवं ममता द ब्रांडेड ऑप्टिकल का भव्य शुभारंभ बड़े ही उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह नगर की पहली ऐसी आधुनिक नेत्र सेवा संस्था है जहां लोगों को एक ही स्थान पर नेत्र परीक्षण नेत्र रोगों की सलाह एवं उपचार के साथ-साथ देश-विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों और ब्रांडेड चश्मे उपलब्ध है। कार्यक्रम का शुभारंभ विजयराघवगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ डॉ. विनोद कुमार द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर विजयराघवगढ़ नगर परिषद अध्यक्ष राजेश्वरी हरीश दुबे, संता विश्वकर्मा, शेरा मिश्रा, विपिन पटेल, आचार्य हनुमान प्रसाद पाण्डेय, डॉ. प्रियांश जैन, राजेंद्र मौर्य, देव मौर्य, शनिराज़ पटेल, डॉ. रवि उर्मालिया सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कैमोर नगर में इस प्रकार की आधुनिक नेत्र सेवा का प्रारंभ

क्षेत्रवासियों के लिए किसी सौगात से कम नहीं है। अब लोगों को आंखों की जांच उपचार एवं गुणवत्तापूर्ण ब्रांडेड चश्मों के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों एवं नागरिकों का आत्मीय स्वागत डॉ. शारदा साहू ने अपने परिवार के साथ किया। अतिथियों का पुष्पमालाओं एवं सम्मान के साथ अभिनंदन किया गया। पूरे आयोजन में उत्साह अपनत्व और सेवा भावना का अद्भुत संगम देखने को मिला। डॉ. शारदा साहू ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य केवल व्यवसाय नहीं बल्कि लोगों को बेहतर नेत्र स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। यहां आधुनिक उपकरणों से आंखों की जांच अनुभवी परामर्श विभिन्न नेत्र रोगों के संबंध में मार्गदर्शन तथा हर आयु वर्ग के लिए उच्च गुणवत्ता वाले ब्रांडेड चश्मे उपलब्ध रहेंगे। भव्य शुभारंभ समारोह के दौरान उपस्थित जनसमूह ने इस नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देते हुए इसे कैमोर नगर के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और दूरगामी कदम बताया। सेवा समर्पण और विश्वास के भाव के साथ शुरू हुई यह पहल निश्चित रूप से क्षेत्रवासियों की आंखों की रोशनी और जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मेक्सिको और दक्रीका के बीच मुकाबले से होगी विश्व कप की शुरुआत

मेक्सिको सिटी (वार्ता)।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत शुक्रवार तड़के होगी। टूर्नामेंट के सबसे बड़े एडिशन (जिसमें 104 मैच होंगे) का पहला मैच ग्रुप ए में सह-मेजबान मेक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच मशहूर मेक्सिको सिटी स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच 2010 वर्ल्ड कप के ओपनिंग मैच की यादें ताजा करता है, जब अफ्रीकी धरती पर टूर्नामेंट के पहले मैच में ये दोनों टीमें आमने-सामने थीं। कोच जेवियर एगुइरे की अगुवाई में मेक्सिको अपनी घरेलू धरती पर बड़ी उम्मीदों के साथ इस मैच में उतरेगा। अनुभवी कोच ने इस मौके को अपनी टीम के लिए जीवन में एक बार आने वाला भावनात्मक पल बताया है। मैच से एक दिन पहले एगुइरे ने कहा,मैंने फुटबॉल के अपने 50 साल के करियर में घरेलू मैदान पर वर्ल्ड कप खेलने से ज़्यादा रोमांचक अनुभव कभी नहीं किया। यह बहुत बड़ी बात है और टीम इसे गहराई से महसूस कर रही है। ह्यूगो ब्रूस की कोचिंग वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भी सीएएफ ग्रुप सी से शानदार तरीके से

क्वालिफाई किया है। मेक्सिको, दक्षिण कोरिया और चेक गणराज्य जैसे मुश्किल ग्रुप में होने के बावजूद वे पूरे आत्मविश्वास के साथ यहां आए हैं। ब्रूस ने मेजबान टीम की ताकत को मानते हुए मेक्सिको को ग्रुप की सबसे मजबूत टीम कहा, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उनकी टीम पूरे 90 मिनट के मुकाबले के लिए तैयार है। ब्रूस ने कहा, हम मैदान के हर हिस्से और हर गेंद के लिए लड़ेंगे। दक्षिण अफ्रीका के मिडफील्डर टेबोहो मोकोएना ने भी इसी भावना को दोहराते हुए ओपनिंग मैच के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, उम्मीदें बहुत ज़्यादा हैं। यह एक शानदार मैच और माहौल होगा। हम उत्साहित और तैयार हैं। ग्रुप ए में दक्षिण कोरिया और चेक गणराज्य भी शामिल हैं, और ये दोनों टीमें ग्रुप स्टेज में बाद में अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। इस मैच का ऐतिहासिक महत्व भी है, क्योंकि 16 साल पहले जोहान्सबर्ग में 2010 वर्ल्ड कप के ओपनिंग मैच में दक्षिण अफ्रीका और मेक्सिको का आमना-सामना हुआ था। उस मैच में सिफिवे तशाबालाला ने यादगार ओपनिंग गोल किया था, जिसके जवाब में राफेल मार्केज़ ने मेक्सिको के लिए गोल किया था। मेक्सिको सिटी स्टेडियम, जहाँ पहले 1970 और 1986 में वर्ल्ड कप फ़ाइनल हो चुके हैं, इस टूर्नामेंट में पाँच मैचों की मेज़बानी करेगा। इनमें मेक्सिको के ग्रुप-स्टेज के मैच और नॉकआउट गेम शामिल होंगे।

पहली बार भिड़ेंगे कोरिया रिपब्लिक और चेकिया-फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप ए के मुकाबले शुक्रवार सुबह शुरू होंगे, जिसमें कोरिया रिपब्लिक का सामना गुआडालाजारा स्टेडियम में चेकिया से होगा। यह पहले दिन का एक रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है। इन दोनों टीमों के बीच वर्ल्ड कप में यह पहली भिड़ंत होगी। कोरिया रिपब्लिक लगातार 11 बार वर्ल्ड कप में खेलने के अनुभव के साथ मैदान पर उतरेगी, जबकि चेकिया 20 साल के लंबे अंतराल के बाद ग्लोबल स्टेज पर वापसी कर रही है, जिससे उनके पहले मैच का महत्व और बढ़ जाता है। मैच की शुरुआत भारतीय समयानुसार सुबह 7.30 बजे होगी। कोरिया रिपब्लिक की कप्तानी सोन ह्युंगमिन करेंगे, जिन्हें अटैक में ली कांगिन और ली जेसुंग का साथ मिलेगा। हेड कोच होंग म्युंगबो के किम मिनजे की डिफेंसिव मौजूदगी और ह्वांग इनबीओम के मिडफील्ड कंट्रोल पर भरोसा करने की उम्मीद है, क्योंकि वे अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत करना चाहते हैं।

सिंधु और तन्वी शर्मा ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वाटर फाइनल में

सिडनी (वार्ता)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और युवा खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने गुरुवार को अपने ही देश की खिलाड़ियों को हराकर ऑस्ट्रेलियान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर-फाइनल में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये मुकाबले में बैडमिंटन रैंकिंग में 10वें नंबर पर मौजूद पीवी सिंधु ने अपनी जूनियर साथी और दुनिया की 39वें नंबर की खिलाड़ी इशरानी बरुआ को 42 मिनट में 22-20, 21-12 से हराया।

तीसरी वरीयता प्राप्त पीवी सिंधु ने पहले गेम में इशरानी बरुआ से कड़ी टक्कर का सामना किया, लेकिन दूसरे गेम में दबदबा बनाते हुए क्वार्टर-फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। सिंधु अब क्वार्टर-फ़ाइनल में चीनी ताइपे की चेन सु-यू का सामना करेंगी और मलेशिया ओपन के बाद इस साल अपने दूसरे सेमी-फाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेंगी। तन्वी शर्मा ने भी सिंधु की तरह क्वार्टर-फ़ाइनल में जगह बनाई। उन्होंने एक और ऑल-इंडियन मुकाबले में अपनी सीनियर साथी मालविका बंसोड़ को 21-13, 21-15 से हराया। इस जीत के साथ 17 साल की तन्वी शर्मा ने इस साल अपने दूसरे क्वार्टर-फ़ाइनल में प्रवेश किया।

इस भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी को इस सीज़न में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में संघर्ष करना पड़ा है; वह अपने आठ बीडब्ल्यूएफ स्पर्धा में से केवल दो में ही शुरुआती दौर से आगे बढ़ पाई हैं। क्वार्टर-फ़ाइनल के मुश्किल मुकाबले में उनका सामना जापान की तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन और टॉप सीड अकाने यामागुची से होगा।

तान्या हेमंत का महिला एकल का सफ़र प्री-क्वार्टर-फ़ाइनल में ही खत्म हो गया। उन्हें थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त और दुनिया की 8वें नंबर की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग से 21-12, 21-15 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, एमआर अर्जुन और हरिहरन अमसाकरुणन ने न्यूज़ीलैंड के माइकल ओवेन और डायलन सोएडजासा के खिलाफ़ 21-17, 21-7 से आसान जीत दर्ज करके बीडब्लयूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में भारत की पुरुष युगल की उम्मीदों को बनाए रखा।

महक नरवासे भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान नियुक्त

राजनांदगांव (वार्ता)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले की युवा क्रिकेटर महक नरवासे को आगामी श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। जिले की कोरिनभाठा निवासी महक ने अपने खेल कौशल और लगातार प्रदर्शन के दम पर यह उपलब्धि हासिल की है। वह पिछले आठ वर्षों से कोच मनोज तिवारी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं। इस दौरान उन्होंने पुरुष खिलाड़ियों के साथ नेट प्रैक्टिस कर अपने खेल को और अधिक निखारा। महक का क्रिकेट सफर सबेरा कप और शाला स्तरीय प्रतियोगिताओं से शुरू हुआ था। इसके बाद उन्होंने विभिन्न स्तरों पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में अपनी जगह बनाई। बीसीसीआई अंडर-19 इंडिया कैंप में भी उन्होंने अपने खेल और नेतृत्व क्षमता से चयनकर्ताओं एवं विशेषज्ञों को प्रभावित किया था।

4 अक्टूबर से 21 नवंबर तक खेला जाएगा 2027 पुरुष वनडे विश्व कप

नयी दिल्ली (वार्ता)। दक्षिण अफ्रीका, ज़िम्बाब्वे और नामीबिया की मेज़बानी में होने वाला 2027 वनडे विश्व कप 4 अक्टूबर से 21 नवंबर के बीच खेला जाएगा। ईएसपीएन क्रिकइंफो को पता चला है कि इन तारीख़ों पर सहमति मई में अहमदाबाद में हुई आईसीसी की बोर्ड मीटिंग के दौरान बनी थी और जुलाई में होने वाली वार्षिक बैठक में सूक्ष्म चीज़ों पर चर्चा होगी।

द्रविड़ के बेटे अन्वय का भारत अंडर-19 टीम में चयन

मुंबई (वार्ता) ।

भारत के पूर्व कप्तान और प्रमुख कोच राहुल द्रविड़ के छोटे बेटे, अन्वय द्रविड़ को अगले महीने श्रीलंका के दौरे के लिए इंडिया अंडर-19 की वनडे टीम में शामिल किया गया है। इस पूरे दौरे पर तीन वनडे मैच और दो चार-दिवसीय मैच खेले जाएंगे। अन्वय दाएं हाथ के बल्लेबाज़ और विकेटकीपर हैं, जिन्होंने नवंबर 2025 में बेंगलुरु के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में वनडे ट्राई-सीरीज़ के हिस्से के रूप में अफ़ग़ानिस्तान अंडर-19 के ख़िलाफ़ इंडिया क्र अंडर-19 के लिए एक मैच खेला है।

उस मैच में वह पहली ही गेंद पर शून्य पर आउट हो गए थे और विकेट के पीछे दो कैच लपके थे। अन्वय ने हाल ही में वीनू मांकड़ ट्रॉफ़ी के क्वार्टर फ़ाइनल में कर्नाटक की अंडर-19 टीम की कप्तानी की थी। उन्होंने इस टूर्नामेंट में छह पारियों में 55.00 की औसत से 220 रन बनाए जो उनकी टीम की ओर से दूसरे सबसे

ज़्यादा रन थे। आगामी दौरे के लिए चुनी गई दोनों अंडर-19 टीमों की कप्तानी मध्य प्रदेश के यशवर्धन सिंह चौहान करेंगे, जबकि उत्तराखंड के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। 17 वर्षीय रायचंदानी पहले ही अपना फ़र्स्ट-क्लास डेब्यू कर चुके हैं और उन्होंने 2025-26 रणजी ट्रॉफ़ी सीज़न में पांच पारियों में तीन अर्धशतक बनाए हैं। दौरे की शुरुआत तीन वनडे मैचों से होगी, जो 4, 6 और 9 जुलाई को हंबनटोटा में स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे से खेले जाएंगे। पहला चार-दिवसीय मैच 13 से 16 जुलाई तक गॉल में और दूसरा 20 से 23 जुलाई तक कोलंबो में खेला जाएगा। द्रविड़ के बड़े बेटे, समित द्रविड़, जो 20 वर्ष के हैं उन्हें भी 2024 में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के ख़िलाफ़ खेलने के लिए इंडिया अंडर-19 टीम में चुना गया था, लेकिन घुटने की चोट के कारण वह बाहर हो गए थे। समित ने कर्नाटक की टी20 लीग, महाराजा टी20 ट्रॉफ़ी में शानदार प्रदर्शन करने के बाद अंडर-19 टीम में जगह बनाई थी।

इंडिया पुरुष अंडर-19 वनडे दल

सागर विर्क, लक्ष्य रायचंदानी (उप-कप्तान), यशवर्धन सिंह चौहान (कप्तान), विनीत वी के, अर्जुन राजपूत, कुशाग्र ओझा, रजत बघेल (विकेटकीपर), अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), अनमोलजीत सिंह, वुटकुर यशवीर गौड़, रोहित अनिल यादव, शाविन वी, काव्य पारस पटेल, मोहित उल्वा, ईशान सूद।

इंडिया पुरुष अंडर-19 चार दिवसीय दल

सागर विर्क, लक्ष्य रायचंदानी (उप-कप्तान), यशवर्धन सिंह चौहान (कप्तान), पटेल कुश, मनाल चौहान, कुशाग्र ओझा, मानव कृष्णा (विकेटकीपर), आर्यन संदेश सकपाल (विकेटकीपर), हेमचुडेशन जे, बीके किशोर, रोहित अनिल यादव, काव्य पारस पटेल, प्रियंशु सिंह, प्रणव राघवेंद्र, चिगुरुपति वेंकट।

रोहित ने किया अभ्यास, किशन और रेड्डी ने अभ्यास सत्र में किया प्रभावित

मोहाली (वार्ता) बीसीसीआई के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (सीओई) से फ़िट घोषित होने के बाद रोहित शर्मा ने भारतीय वनडे टीम के साथ मोहाली के वैकल्पिक अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। भारतीय टीम गुरुवार को धर्मशाला रवाना होगी, जहां उन्हें शनिवार को अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ़ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ का पहला वनडे खेलना है। बुधवार शाम जब रोहित, पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के मोहाली स्टेडियम में पहुंचे तो सबसे पहले उन्होंने मुंबई इंडियंस के अपने पूर्व साथी ईशान किशन के साथ हल्की दौड़ लगाई। थोड़ा सा वार्मअप करने के बाद वह, किशन और भारतीय टी20 के नए कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ बल्लेबाज़ी नेट्स में पहुंच गए। रोहित ने सबसे पहले तेज़ गेंदबाज़ों का सामना किया। नीतीश कुमार रेड्डी की पहली गेंद ऑफ़ स्टंप के गुड लेंथ से अंदर आई और उनके पैड पर लगी। इसके बाद उन्होंने अर्शदीप सिंह और गुरनूर बराड़ की बाहर जाती गेंदों को बल्ला उठाकर जाने दिया। इसके बाद प्रिंस यादव की गेंद को वह पहली बार बल्ले से छू पाए, हालांकि यह भी बल्ले पे मिडल नहीं हुआ था और अंदरूनी किनारा लेकर मिडविकेट की ओर गया। हालांकि इसके बाद वह थोड़ी लय में आते दिखे। कुछ गेंदों पर उन्होंने रक्षात्मक और कुछ गेंदों पर आक्रामक शॉट लगाए।

अकासा एयर ने शुरू किया पायलट प्रशिक्षण कार्यक्रम

नयी दिल्ली (वार्ता)। नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर ने अकासा स्काईकैडेट के नाम से पायलट प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की गुरुवार को घोषणा की। एयरलाइंस ने बताया कि यह कार्यक्रम भविष्य के कमर्शियल पायलटों को तैयार करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के नियमों और एयरलाइंस के वैश्विक परिचालन मानकों के अनुरूप व्यापक विमानन प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। यह कार्यक्रम की शुरुआत मान्यता प्राप्त उड़ान प्रशिक्षण

संगठनों स्काईनेक्स एयरो और ड्यून्स एविएशन अकादमी के सहयोग से की जा रही है। इसका उद्देश्य व्यापक विमानन शिक्षा, उड़ान प्रशिक्षण और एयरलाइन-उन्मुख तैयारी के माध्यम से पायलटों का मार्गदर्शन और विकास करना है। उल्लेखनीय है कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रहे विमानन बाजारों में से एक है। वर्तमान में भारतीय विमान सेवा कंपनियों ने 1,700 विमानों के ऑर्डर किये हैं जिनकी आपूर्ति साल 2035 तक पूरी होने की उम्मीद है। विमानों के साथ प्रशिक्षित पायलटों, केबिन क्रू और ग्राउंड स्टाफ की भी जरूरत बढ़ रही है। अनुमान है कि वर्तमान में देश में लगभग 12,000-15,000 वाणिज्यिक पायलट हैं। साल 2035 तक भारत को लगभग 35,000 पायलटों की आवश्यकता होगी, जबकि अगले दो दशकों में भारत और दक्षिण एशिया में लगभग 45,000 नये पायलटों की मांग बनेगी।

केंद्र ने पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क हटाया

नयी दिल्ली (वार्ता)। केंद्र सरकार ने 22 प्रतिशत, 25 प्रतिशत, 27 प्रतिशत और 30 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क शून्य कर दिया है। वित्त मंत्रालय की बुधवार देर रात जारी अधिसूचनाओं में कहा गया है कि इन चारों प्रकार के पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क शून्य और इससे संबंधित सभी उपकर शून्य कर दिये गये हैं, बशर्ते इनमें मिश्रित पेट्रोल पर नियमों के मुताबिक उत्पाद शुल्क और उपकर तथा इथेनॉल पर वस्तु एवं सेवा कर और उपकर का पूरा भुगतान पहले ही किया जा चुका हो।

रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक अपनाने से तीन साल में पांच गुना बढ़ेगा रोजगार: नेक्सजेन सर्वेक्षण

नयी दिल्ली (वार्ता) दुनिया भर में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और सुरक्षा चुनौतियों के बीच रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक अपनाने से अगले तीन साल में रोजगार में पांच गुना वृद्धि की संभावना है। नेक्सजेन एग्जीबिशन्स प्राइवेट लिमिटेड (एनईपीएल) द्वारा किये गये एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आयी है। गुरुवार को जारी सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि देश का रक्षा एवं आंतरिक सुरक्षा क्षेत्र तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। अगले तीन साल में इस क्षेत्र में स्वदेशी तकनीकों का उपयोग 35 प्रतिशत तक बढ़ सकता है, जिससे में रोजगार के अवसर पांच गुना तक बढ़ने की संभावना है। साल 2025 में इस क्षेत्र में लगभग 10 हजार औपचारिक नौकरियां थीं। अगले पांच साल में यह संख्या बढ़कर करीब 50 हजार तक पहुंचने का अनुमान है। यह सर्वेक्षण दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई और पुणे के 1,500 से अधिक रक्षा विशेषज्ञों, रक्षा तकनीक स्टार्टअप्स, तकनीकी विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों के बीच कराया गया था। उनमें 68 प्रतिशत प्रतिभागियों ने माना कि स्वदेशी तकनीकों के बढ़ते उपयोग से रक्षा एवं आंतरिक सुरक्षा क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उनका मानना है कि यह बाजार साल 2025 के 27 अरब डॉलर से बढ़कर अगले तीन साल में 36.45 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। वहीं, 34 प्रतिशत प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा को स्वदेशी तकनीकों को अपनाने का सबसे बड़ा कारण बताया।

यूपीआई अब नेपाल में भी चालू

भारत-नेपाल के लोगों के बीच मोबाइल ऐप से लेन-देन की सुविधा

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारत और नेपाल ने परस्पर डिजिटल वित्तीय संपर्क और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए लोगों को मोबाइल ऐप के माध्यम से सीमा-पार धन प्रेषण की सुविधा शुरू कर दी है। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भारत और नेपाल ने छह जून को आधिकारिक तौर इस सुविधा तंत्र का शुभारंभ किया। इसके तहत भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) और नेपाल के राष्ट्रीय भुगतान इंटरफेस (एनपीआई) के बीच एक सीधा समन्वय स्थापित किया गया है।

इससे दोनों देशों के नागरिकों को मोबाइल बैंकिंग अनुप्रयोगों और डिजिटल वॉलेट के माध्यम से किसी भी समय, निर्बाध, और सुरक्षित रूप से धन के लेन-देन की सुविधा मिल गयी है। यह तकनीकी समन्वय नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया की अंतरराष्ट्रीय शाखा-एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) और नेपाल क्लियरिंग हाउस लिमिटेड (एनसीएचएल) के बीच सहयोग से किया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यूपीआई-एनपीआई जुड़ाव वित्तीय समावेशन में एक बडी प्रगति को दर्शाता है, जो भारत और नेपाल के बीच मजबूत आर्थिक और डिजिटल संबंधों को बढ़ावा देता है। यह सुलभ, सुरक्षित और किफायती सीमा पार भुगतानों के क्षेत्रीय लक्ष्यों के साथ पूरी तरह मेल खाता है, जिससे दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक संबंध मजबूत होते हैं। इसके साथ ही भारत का यूपीआई अब नौ देशों-सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, भूटान, कतर, श्रीलंका और कंबोडिया में काम करने लगा है। इन देशों में भारतीय यात्री अपने परिचित यूपीआई प्लेटफार्मों के माध्यम से आसानी से डिजिटल भुगतान कर सकते हैं।

रुपया 60 पैसे टूटा

मुंबई (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया गुरुवार को 60 पैसे लुढ़क गया और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 95.85 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा का यह तीन सप्ताह का निचला स्तर है। पिछले कारोबारी दिवस पर 16 पैसे चढ़कर 95.25 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपये पर आज शुरू से ही दबाव रहा। यह 30 पैसे गिरकर 95.55 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। यही इसका दिन का उच्चतम स्तर रहा। इसके बाद लगातार टूटते हुए कारोबार की समाप्ति से पहले यह 95.85 रुपये प्रति डॉलर तक उतर गया और अंत में उसी स्तर पर बंद हुआ।

गिरावट में बंद हुए शेयर बाजार

आईटी सेक्टर पर दबाव

मुंबई (वार्ता)। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ने तथा आईटी सेक्टर में बिकवाली से घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को गिरावट रही। दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद बीएसई का सेंसेक्स 150.63 अंक (0.20 प्रतिशत) नीचे 73,832.55 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 53.35 अंक यानी 0.23 प्रतिशत टूटकर 23,161.60 अंक पर रहा। दोनों प्रमुख सूचकांकों की शुरुआत लाल निशान में हुई थी, लेकिन दोपहर से पहले वे हरे निशान में पहुंचने में कामयाब रहे। हालांकि आखिरी एक घंटे में फिर गिरावट में चले गये। सेंसेक्स में आज 875 अंक

का भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। यह नीचे 73,519 अंक तक और ऊपर 74,394 अंक तक गया। अमेरिका और ईरान के बीच इस सप्ताह तनाव बढ़ने से बाजार में निवेश धारणा कमजोर है। विशेषकर आईटी सेक्टर में बिकवाली देखी जा रही है। प्रमुख सूचकांकों के मुकाबले वृहत बाजार में गिरावट अधिक रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.82 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.67 प्रतिशत नीचे बंद हुआ।

आईटी कंपनियों में बिकवाली से निफ्टी आईटी सूचकांक 1.62 प्रतिशत टूट गया। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, रसायन, एफएमसीजी, सार्वजनिक बैंकों और रियल्टी सेक्टरों पर भी काफी दबाव देखा गया। मीडिया, फार्मा और निजी बैंकों के समूहों में निवेशकों ने विश्वास दिखाया। सेंसेक्स की कंपनियों में इंफोसिस का शेयर करीब पौने तीन फीसदी टूट गया। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, अडानी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, इटरनल, बीईएल, एलएंडटी, हिंदुस्तान यूनीलिवर और एशियन पेंट्स के शेयर एक से दो प्रतिशत की गिरावट में रहे। इंडिगो, बजाज फिनसर्व, टीसीएस, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी नीचे बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर डेढ़ प्रतिशत से ज्यादा चढ़े। कोटक महिंद्रा बैंक में एक फीसदी से अधिक की तेजी रही। सन फार्मा, भारती एयरटेल और मारुति सुजुकी के शेयर भी हरे निशान में रहे।

14 जून को योग के ऑनलाइन सत्र में हर नागरिक हों शामिल : डॉ. यादव

प्रदेशवासियों से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की अपील

घर-घर योग, हर व्यक्ति निरोग के संकल्प को साकार करने में बनें सहयोगी

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समस्त प्रदेशवासियों से ऑनलाइन योग सत्र में शामिल होने की अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जिसने आज सम्पूर्ण विश्व को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का मार्ग दिखाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक वैश्विक जनआंदोलन के रूप में स्थापित हुआ है। आज अनेक राष्ट्र योग के महत्व को स्वीकार और अंगीकार कर चुके हैं। योग दिवस 21 जून पर अनेक आयोजनों के साथ ही 14 जून को विशेष ऑनलाइन सत्र आयोजित किया जा रहा है। बीस मिनिट के इस ऑनलाइन सत्र में कोई भी नागरिक हिस्सा ले सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के सातवें काउन्ट डाउन के अवसर पर आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 14 जून, 2026 को प्रातः 06:15 बजे से 07:35 बजे तक एक विशेष ऑनलाइन योग सत्र के आयोजन का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को योग से जोड़ते हुए स्वस्थ, जागरूक एवं निरोग समाज का निर्माण करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठजनों, विद्यार्थियों, शासकीय सेवकों एवं सामाजिक संगठनों से आग्रह किया है कि वे इस ऑनलाइन योग सत्र में अधिकाधिक संख्या में सहभागी बनें और योग को अपनी दैनिक जीवन शैली का अभिन्न अंग बनाएं।

टोल फ्री नंबर सुविधा

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए टोल-फ्री नम्बर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर पंजीयन किया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से की गई अपील में कहा है कि आइए, हम सभी मिलकर घर-घर योग, हर व्यक्ति निरोग के संकल्प के साथ अब हर घर योग को गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाने में सहभागी बनें और स्वस्थ मध्यप्रदेश और विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

डॉ. यादव ने निर्विरोध निर्वाचित राज्यसभा सदस्यों को दी बधाई

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए प्रत्याशियों तरुण चुघ, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि तीनों निर्वाचित सदस्य राज्यसभा में जनता के हितों, जनभावनाओं और विकास से जुड़े विषयों को प्रभावी रूप से उठाएंगे और देश और प्रदेश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

हायर सेकंडरी द्वितीय परीक्षा 2026 का परिणाम आज

भोपाल (स्वतंत्र मत)। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा आयोजित हायर सेकंडरी द्वितीय परीक्षा वर्ष-2026 का परीक्षा परिणाम 12 जून 2026 को घोषित किया जाएगा। यह परिणाम शाम 4 बजे जारी किया जाएगा। परीक्षार्थी अपना परीक्षा परिणाम मंडल की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर देख सकेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को ट्रेजर्स ऑफ ताप्ती वैली एण्ड बुरहानपुर की प्रति भेंट की

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पुस्तक ट्रेजर्स ऑफ ताप्ती वैली एण्ड बुरहानपुर की प्रति, पूर्व मंत्री तथा बुरहानपुर विधायक अर्चना चिटनिस ने मंत्रालय में गत दिवस भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ताप्ती नदी घाटी और विशेष रूप से बुरहानपुर के इतिहास में गहराई से उतरती यह पुस्तक इतिहासकारों, पुरातत्वविदों, शोधार्थियों, पर्यटन एवं विरासत संरक्षण से जुड़े विशेषज्ञों तथा सामान्य पाठकों के लिए समान रूप से उपयोगी होगी। पुस्तक का प्रकाशन नई दिल्ली के इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट द्वारा किया गया है। पुस्तक के लेखक सुप्रसिद्ध पुरातत्वविद तथा विरासत संरक्षण और संग्रहालय विशेषज्ञ डॉ. ओम प्रकाश मिश्रा है। पुस्तक में बुरहानपुर और ताप्ती नदी घाटी के इतिहास, पुरातत्व, संस्कृति और स्थापत्य विरासत का व्यापक एवं शोधपरक जानकारी है। बुरहानपुर के ऐतिहासिक विकास, यहाँ प्राप्त मुद्राओं (न्यूमिसमेटिक्स) तथा

अभिलेखीय साक्ष्यों (एपिग्राफी) के माध्यम से पुस्तक में क्षेत्र के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक इतिहास का समग्र विश्लेषण है। बुरहानपुर की सूफी परंपरा, मंदिरों तथा अन्य धार्मिक स्थलों का भी इसमें विस्तार से वर्णन है, जो इस क्षेत्र की सांस्कृतिक विविधता और धार्मिक सह-अस्तित्व की परंपरा को दर्शाता है। पुस्तक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बुरहानपुर के शहरी स्वरूप, परकोटे, द्वारों, घाटों और सरायों पर केंद्रित है। पारंपरिक जल प्रबंधन प्रणाली 'कुंडी भंडारा' का अध्ययन यह दर्शाता है कि मध्यकालीन समाज किस प्रकार जल संसाधनों का वैज्ञानिक और सतत उपयोग करता था। सांस्कृतिक विरासत, फारूकी एवं मुगल कालीन स्मारकों तथा असीरगढ़ दुर्ग के विस्तृत विश्लेषण से यह पुस्तक, बुरहानपुर की ऐतिहासिक महत्ता को रेखांकित करती है। पुस्तक के लेखक डॉ. मिश्रा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत टैगोर नेशनल फेलो एवं टैगोर नेशनल स्कॉलर रहे हैं। प्रदेश के पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय विभाग में निदेशक के रूप में कार्य करते हुए डॉ. मिश्रा ने अनेक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों पर व्यापक उत्खनन कार्यों का निर्देशन किया। वर्तमान में डॉ. मिश्रा मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड में पुरातत्व सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं।

मंदिर से अष्टधातु की प्रतिमा गायब पुजारी पर आरोप

दमोह (स्वतंत्र मत)।

सीतानगर स्थित देवराम कुमार बड़ी शाला ट्रस्ट में स्थापित राम जानकी मंदिर की अष्टधातु प्रतिमा गायब होने का मामला सामने आया है। महामंडलेश्वर महंत हरिदास महाराज ने प्रतिनिधि मंडल के साथ गुरुवार दोपहर 1.30 बजे पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एसपी आनंद कलादगी को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने मंदिर में रखी प्राण-प्रतिष्ठित प्रतिमा और उससे जुड़े चांदी के आभूषणों के गायब होने की जांच की मांग की है। शिकायत में महंत हरिदास ने मंदिर की देखरेख कर रहे संतोष दास बिल्थरे पर प्रतिमा को हटाने, चोरी करने तथा ट्रस्ट की जमीनों और संपत्तियों के संबंध में वित्तीय गड़बड़ियां करने के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि मंदिर की महत्वपूर्ण प्रतिमा अब सिंहासन पर नहीं है जिससे श्रद्धालुओं में चिंता और आक्रोश है। महंत ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी ने चौकी प्रभारी को तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जर्मनी के कॉन्सुलेट जनरल क्रिस्टोफ हॉलियर ने इंदौर-पीथमपुर की औद्योगिक एवं आईटी क्षमताओं का किया अवलोकन

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

जर्मनी के कॉन्सुलेट जनरल क्रिस्टोफ हॉलियर ने इंदौर एवं पीथमपुर क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे के दौरान यहां विकसित औद्योगिक अधोसंरचना, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रगति तथा निवेश संभावनाओं का अवलोकन किया। उन्होंने क्षेत्र में संचालित उद्योगों, आधुनिक विनिर्माण सुविधाओं और तकनीकी नवाचारों की जानकारी प्राप्त की।

पीथमपुर में महले आनंद थर्मल सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड की उत्पादन इकाई का भ्रमण कर विनिर्माण प्रक्रियाओं एवं औद्योगिक व्यवस्थाओं को देखा। साथ ही इंदौर स्थित इंफोबीन्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का अवलोकन कर सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में विकसित हो रहे नवाचारों और सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान एमपीआईडीसी इंदौर के कार्यकारी संचालक हिमांशु प्रजापति ने उन्हें इंदौर-पीथमपुर क्षेत्र की औद्योगिक प्रगति, निवेश अवसरों, लॉजिस्टिक्स नेटवर्क, आईटी इकोसिस्टम तथा व्यापारिक संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने क्षेत्र में उपलब्ध विश्वस्तरीय अधोसंरचना, उद्योग-अनुकूल वातावरण, कुशल मानव संसाधन तथा निवेशकों को प्रदान की जा रही सुविधाओं की जानकारी भी दी। कॉन्सुलेट जनरल ने इंदौर की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत से भी परिचय प्राप्त किया। उन्होंने राजवाड़ा और लालबाग पैलेस का भ्रमण कर शहर की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान और पर्यटन संभावनाओं की सराहना की। क्रिस्टोफ हॉलियर ने बताया कि भारत और जर्मनी के बीच आर्थिक एवं औद्योगिक सहयोग निरंतर मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि इंदौर-पीथमपुर क्षेत्र विनिर्माण, ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग तथा प्रौद्योगिकी आधारित उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण संभावनाएं रखता है और भविष्य में जर्मन निवेशकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सकता है। यह दौरा मध्यप्रदेश और जर्मनी के बीच औद्योगिक एवं आर्थिक सहयोग को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जनसंपर्क अभियान के तहत विधायक मलैया ने किया नागरिकों से संवाद

दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत विधायक जयंत मलैया ने बांदकपुर मण्डल के विभिन्न प्रतिष्ठित नागरिकों से भेंट की संवाद कर उनका सम्मान किया। इस दौरान विधायक जयंत मलैया ने विजय सिंह, रामदयाल प्रजापति, रामप्रकाश नेमा, नवीन नायक, सीताराम यादव, नन्हे सिंह खेत सिंह एवं नन्हे सिंहसे भेंट की।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा मंडल प्रभारी महेश पटेल, भाजपा मंडल अध्यक्ष ब्रजेश लोधी, सिकेंदर गुप्ता, सरपंच सुनील डबुल्या, अभिलाष हजारी, पप्पू सिंह लोधी जनपद सदस्य, करन चौबे साथ रहे।

शासकीय भूमि बिक्री का आरोप, शिकायतकर्ता ने जान का खतरा बताया

हटा (स्वतंत्र मत)। ग्राम मुराछ निवासी श्यामलाल साहू ने पुलिस अधीक्षक दमोह को शिकायत सौंपकर शासकीय भूमि की कथित बिक्री, धमकी और झूठे प्रकरणों में फंसाने की आशंका जताई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ग्राम मुराछ स्थित एक निजी कृषि भूमि पर बिना अनुमति कॉलोनी विकसित की जा रही है तथा उससे लगी शासकीय भूमि का भी कथित रूप से विक्रय किया जा रहा है। आवेदक का कहना है कि जब उसने संबंधित लोगों को शासकीय

भूमि बेचने से रोका तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि कुछ लोगों द्वारा उसे झूठे बलात्कार एवं अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के मामलों में फंसाने की चेतावनी दी गई। साथ ही आरोप लगाया गया है कि उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है और उसकी हत्या तक करवाने की बातें गांव में कही गई हैं। श्यामलाल साहू ने यह भी आरोप लगाया कि 10 जून को एक महिला उसके घर पहुंची और विवादित भूमि को खरीदे जाने का दावा करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया तथा झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी। शिकायतकर्ता के अनुसार घटना की सूचना देने के लिए वह गैसाबाद थाने पहुंचा लेकिन उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह गंभीर बीमारी का उपचार करा रहा है और लगातार मिल रही धमकियों से भयभीत है। उसने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने तथा सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत प्रस्तुत किए जाने के बाद मामले की जांच की मांग की गई है।

नहाने गए भाई बहन तलैया में डूबे, बच्ची की मौत

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले के तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सैलवाड़ा गांव में गुरुवार दोपहर भैंसों को पानी पिलाने गए सगे भाई और बहन तलैया में डूब गए। स्थानीय लोगों ने दोनों को पानी में डूबता हुआ देखा तो उन्हें पानी से बाहर निकाला और इलाज के लिए तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां बहन को डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया है। वहीं भाई का इलाज चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

जानकारी के अनुसार अनिल यादव की 11 वर्षीय बेटी गत्तू यादव और 6 वर्षीय बेटा श्रेयांस घर की भैंसों को पानी पिलाने के लिए गांव में ही खुदी तिवारी की तलैया में लेकर गए थे। भैंसे पानी पी रही थी इसी दौरान दोनों भाई बहन पानी में नहाने के लिए चले गए और पानी में डूबने लगे। तभी स्थानीय लोगों ने बच्चों को पानी में डूबता हुआ देखा तो तत्काल उन्हें बचाने पहुंचे और परिजनों को सूचना दी गई। कुछ लोग तलैया में कूंदे और पानी में जाकर दोनों भाई बहन को पानी से बाहर निकालकर इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जानकारी लगते ही घर के लोग भी तेंदूखेड़ा अस्पताल पहुंचे जहां चैकअप के बाद डॉक्टरों ने बेटी गत्तू को मृत घोषित कर दिया है जबकि बेटे श्रेयांश की हालत ठीक है। बेटी कक्षा सातवीं में पढ़ती थी और बेटा दूसरी कक्षा का छात्र है। बेटी की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उनका कहना है कि बच्चे तो वहां पर खेलने के लिए गए थे लेकिन पता नहीं कैसे पानी में डूब गए। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

महिला बंदियों के पुनर्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना हमारी पहली प्राथमिकता : रेखा यादव

राज्य महिला आयोग ने केंद्रीय जेल भोपाल का किया निरीक्षण

भोपाल (स्वतंत्र मत)। सुधार गृह केवल दंड का स्थान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास और पुनर्वास का केंद्र होना चाहिए। महिला बंदियों को सम्मानजनक वातावरण, आवश्यक सुविधाएं और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराना समाज और शासन दोनों की जिम्मेदारी है। यह बात मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव ने केंद्रीय जेल भोपाल के निरीक्षण के दौरान कही। उन्होंने कहा कि आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि प्रत्येक महिला को उसके अधिकार, सम्मान और न्याय मिले। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती यादव एवं सदस्य श्रीमती साधना स्थापक ने महिला बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। आयोग ने जेल प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। आयोग ने महिला वार्ड, चिकित्सालय, रसोई घर, पुस्तकालय, सांस्कृतिक कक्ष, आर्ट एवं क्रॉफ्ट सेंटर तथा ब्यूटी पार्लर का अवलोकन किया।

सांस्कृतिक कक्ष में महिला बंदियों द्वारा संचालित ऑर्केस्ट्रा दल ने भजन प्रस्तुत किए। आयोग की अध्यक्ष एवं सदस्य ने ऑर्केस्ट्रा की सराहना करते हुए इसे सकारात्मक मानसिक विकास और सामाजिक पुनर्स्थापन की दिशा में प्रभावी पहल बताया। महिला बंदियों से संवाद के दौरान उनकी दिनचर्या, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, कौशल विकास कार्यक्रमों और पुनर्वास गतिविधियों से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। आयोग ने बंदियों द्वारा आर्ट एवं क्रॉफ्ट सेंटर में तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों का अवलोकन भी किया।

चिकित्सा के क्षेत्र में सेवा-भाव, कर्तव्यनिष्ठा और मानवीय मूल्यों का समावेश अत्यंत आवश्यक : परमार

पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद संस्थान में नेशनल होम्योपैथी कॉन्फ्रेंस-अमृतम सम्पन्न

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि होम्योपैथी केवल एक चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और समर्पण का माध्यम है। चिकित्सकों का दायित्व केवल रोगों का उपचार करना नहीं, बल्कि समाज को स्वस्थ, जागरूक एवं निरोग बनाने में सक्रिय भूमिका निभाना भी है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में सेवा-भाव, कर्तव्यनिष्ठा और मानवीय मूल्यों का समावेश अत्यंत आवश्यक है। मंत्री श्री परमार भोपाल स्थित पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद संस्थान के रजत जयंती सभागार में आरोग्य भारती एवं शासकीय होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नेशनल होम्योपैथी कॉन्फ्रेंस - अमृतम शुभारम्भ कर चिकित्सकों, शिक्षाविदों एवं विशेषज्ञों को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयुष चिकित्सा पद्धतियों को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है। प्रदेश सरकार भी आयुष एवं होम्योपैथी चिकित्सा के विस्तार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान तथा चिकित्सा अधोसंरचना के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। मंत्री श्री परमार ने उज्जैन में नवीन शासकीय होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित किए जाने की बात भी कही।

कार्यक्रम के सारस्वत वक्ता एवं राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. तारकेश्वर जैन ने कहा कि होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति मानव कल्याण और स्वस्थ समाज के निर्माण की भावना से विकसित हुई है। उन्होंने चिकित्सकों से चिकित्सा पद्धति के मूल सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध रहकर जनसेवा करने का आह्वान किया। आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय ने समग्र चिकित्सा पद्धतियों के समन्वित विकास पर बल देते हुए कहा कि सभी चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञों को सहयोग, संवाद और सेवा की भावना के साथ कार्य करना चाहिए, जिससे समाज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके।

देशभर से आए लगभग 450 होम्योपैथिक चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों की सहभागिता वाले इस सम्मेलन एवं कार्यशाला में होम्योपैथी चिकित्सा के नवीन आयामों, अनुसंधान, चिकित्सा शिक्षा, जनस्वास्थ्य तथा समग्र स्वास्थ्य प्रबंधन से जुड़े विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से नवीन ज्ञान एवं अनुभव प्राप्त किए।

कार्यशाला में अपर सचिव सह आयुक्त आयुष डॉ संजय मिश्रा, प्रख्यात प्रबंधन विशेषज्ञ एस.बी. डंगायच, आरोग्य भारती के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी, प्रदेश के विभिन्न होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालयों के प्राचार्य, चिकित्सक, शोधकर्ता एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मोहनीश बने विस अध्यक्ष

दमोह। प्रदेश हाईकमान के आदेशानुसार दमोह विधानसभा कमेटी जिलाध्यक्ष इंजी. गोवर्धन राज बहुजन समाज पार्टी दमोह द्वारा घोषणा की गई, जिसमे विस प्रभारी जुगेन्द्र चौधरी, विस अध्यक्ष मोहनीश राव, उपाध्यक्ष उदित नारायण प्यासी, महासचिव हर्वेन्द्र बौद्ध, सचिव रामशंकर बौद्ध, कोषाध्यक्ष सेवक अहिरवार, बीव्ही एफत्र विधानसभा संयोजक कृष्णकांत सारथी सभी से पार्टी गाइड लाइन पर चलने की उपेक्षा की जाती है।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS **MEGHA KARNIK** I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCE-FORTH I, SHALL BE KNOWN AS **NISHA DIGHE** W/O SATISH DIGHE RESIDENT OF - 975, SHAKTI NAGAR, NEAR PNB, GUPTESH-WAR, JABALPUR (M. P.) 482001.

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 11/06/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति सविता सिंह ठाकुर पत्नी आलोक सिंह गहरवार ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 37 राजुल टाउनशिप फेस 2 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 9000183182 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1935 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री रेमण्ड दास पिता बी.आर. दास का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 11/06/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सच्चिदानंद राय पिता सीताराम राय ने वार्ड क्रमांक 79 वार्ड का नाम ईश्वरदास रोहाणी के भवन क्रमांक सैनिक सोसायटी डुमना तिराहा हितकारिणी कालेज सम्पत्ति के पिन क्रमांक 100362815 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 2000 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 670 व.फु./ 439 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र मृत्यु प्रमाण पत्र/ विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री/श्रीमती कान्ती कुमार राय पिता/पति सच्चिदानंद राय का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

नगर निगम की ताबड़तोड़ कार्यवाही

होटल रिलैक्स इन हुई सील

जबलपुर। शहर में अग्नि सुरक्षा, सुरक्षित निकासी, भवन उपयोग एवं जन-सुरक्षा से जुड़े नियमों के पालन को लेकर नगर निगम द्वारा लगातार निरीक्षण एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत दो दिनों में होटल, लॉज, कोचिंग संस्थान एवं ज्वलनशील सामग्री के भंडारण से जुड़े प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई के उपरांत 11 जून गुरुवार को धन्वन्तरि नगर स्थित होटल रिलैक्स इन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान होटल में अग्नि सुरक्षा, विद्युत सुरक्षा, सुरक्षित आवागमन मार्ग, भवन उपयोग एवं स्वीकृत भवन मानचित्र से संबंधित गंभीर कमियां पाई गईं। जन-सुरक्षा की दृष्टि से इन कमियों को गंभीर मानते हुए तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं दुरुस्त कर उनका प्रमाणीकरण प्राप्त की समझाइश दी गई।

संभागायुक्त ने ली कलेक्टर्स की बैठक

जन-जन तक पहुंचाएं योजनाओं की जानकारी

जबलपुर। संभागायुक्त धनंजय सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मध्य जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु विशेष अभियान अंतर्गत विकास खंडनगरीय निकाय स्तर पर आयोजित जनकल्याणकारी शिविरों के माध्यम से शासन की योजनाओं में छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाया जाना सुनिश्चित करें। उक्त विशेष अभियान अंतर्गत पौधा रोपण कार्यक्रम के तहत श्एक पेड़ मां के नाम अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि पीपल, आम, बरगद, नीम आदि के पौधारोपण पर विशेष ध्यान दें।

हितकारिणी इंजीनियरिंग कॉलेज में नवाचार का उत्सव

8वें सेमेस्टर प्रोजेक्ट प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाया तकनीकी कौशल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में गुरुवार को 8वें सेमेस्टर के भावी इंजीनियरों द्वारा मेजर प्रोजेक्ट प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एन इनोवेशन एक्सीलेंस अवार्ड के अंतर्गत आयोजित हुआ, जिसे हितकारिणी इंजीनियरिंग कॉलेज एलुमनाई एसोसिएशन (हैका) का सहयोग प्राप्त था। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को अपने नवाचार और तकनीकी क्षमताओं को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपने अभिनव प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। इन प्रोजेक्ट्स में स्मार्ट टेक्नोलॉजी, ऑटोमेशन सिस्टम, पर्यावरण संरक्षण तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित समाधान तथा दैनिक जीवन को सरल बनाने वाले मॉडल शामिल थे। छात्रों ने अपनी रचनात्मकता और तकनीकी समझ के माध्यम से यह दिखाया कि भविष्य की इंजीनियरिंग किस दिशा में आगे बढ़ रही है।

विद्यार्थियों को प्रदान किए पुरस्कार

प्रतियोगिता का मूल्यांकन विशेषज्ञ निर्णायकों की टीम द्वारा किया गया, जिन्होंने प्रोजेक्ट्स की उपयोगिता, नवाचार, तकनीकी दक्षता और सामाजिक प्रभाव के आधार पर उनका आकलन किया। पुरस्कार वितरण के दौरान विद्यार्थियों में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजीव चांडक ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में इंजीनियरिंग केवल सिद्धांतों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका वास्तविक महत्व तभी है जब वह समाज की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करें। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि तकनीकी ज्ञान का सही उपयोग मानव जीवन को सरल और बेहतर बनाने में होना चाहिए।

इस अवसर पर महाविद्यालय के शासी निकाय अध्यक्ष इंजीनियर नितिन अग्रवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्थान और विद्यार्थियों के बीच का संबंध केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक आजीवन संबंध है। उन्होंने कहा कि हितकारिणी परिवार हमेशा अपने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान करता रहेगा।

उन्होंने नवाचार के तीन प्रमुख आधार-जिज्ञासा, सृजनात्मकता और साहस-पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी नया विचार तभी सफल होता है जब उसमें सीखने की इच्छा, नई सोच और चुनौतियों का सामना करने का साहस हो।

तीन सिद्धांतों को अपनाना जरूरी

इसके साथ ही उन्होंने 3 डी मंत्र साझा किया, जिसमें ड्रीम, डिटरमिनेशन और डेडिकेशन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी इन तीनों सिद्धांतों को अपनाते हैं, तो वे अपने जीवन में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर हितकारिणी सभा के उप सभापति मुकुल खम्परिया, असिस्टेंट डायरेक्टर देवाशीष मुखर्जी, प्राचार्य डॉ रिंकू कथूरिया, रजिस्ट्रार पूजा दुबे सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और प्रोफेसर, कर्मचारी और छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए न केवल एक प्रतियोगिता था, बल्कि उनके लिए सीखने, समझने और अपने विचारों को वास्तविक रूप देने का एक सशक्त मंच साबित हुआ।

व्यापारियों पर स्पॉट फाइन लगाकर निगमायुक्त ने लगाई फटकार

निरीक्षण कर सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने वालों पर हुई कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने गुरूवार को दीनदयाल चौक से लेकर पाटन बायपास तक के मुख्य मार्ग का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त करने और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखने के कड़े निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने पाया कि आरटीओ चुंगी के पास मुख्य मार्ग पर व्यापारियों द्वारा दुकानें लगाकर व्यवसाय किया जा रहा था, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा था तथा गंदगी भी फैलाई जा रही थी। सड़क को व्यवस्थित और सुगम बनाए रखने के उद्देश्य से निगमायुक्त ने 10 व्यापारियों पर स्पॉट फाइन लगाकर 8000 का जुर्माना लगाया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़कों पर अवैध रूप से दुकान लगाने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की अनुशासनात्मक कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि आम नागरिकों को आवागमन में कोई असुविधा न हो। इसी के साथ आगामी मानसून और जलप्लावन की स्थिति से निपटने के लिए निगमायुक्त ने ओमती नाला और मोतीनाला के सफाई कार्य का भी बारीकी से निरीक्षण किया।

बच्चों के दंत उपचार को सरल बनाएगा स्पेस मेंटेनर डेंटल उपकरण

हितकारिणी डेंटल कॉलेज के प्रोफेसर के उपकरण को भारत सरकार ने दिया पेटेंट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर के प्रतिष्ठित बाल दंत चिकित्सक डॉ. सौरभ तिवारी ने एक अभिनव स्पेस मेंटेनर डेंटल उपकरण विकसित कर राष्ट्रीय स्तर पर गौरव प्राप्त किया है। इस उपकरण को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय द्वारा आधिकारिक रूप से पेटेंट प्रदान किया गया है। यह नवाचार विशेष रूप से बाल दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उपयोगी सिद्ध होगा तथा बच्चों के दंत उपचार को अधिक सरल, प्रभावी, सुलभ एवं सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आपकों बता दें कि डॉ. सौरभ तिवारी वर्तमान में जबलपुर के प्रतिष्ठित हितकारिणी दंत चिकित्सालय एवं महाविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं तथा बाल दंत चिकित्सा के क्षेत्र में निरंतर अनुसंधान और नवाचार के लिए जाने जाते हैं। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर डॉ. सौरभ तिवारी ने अपनी टीम, सहकर्मियों एवं उन सभी दंत चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस परियोजना में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान किया।

घर पर सुअरमार बम पटकते सीसीटीवी में कैद हुए दहशतगर्द

माढ़ोताल थाना क्षेत्र का मामला, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

माढ़ोताल थाना क्षेत्र अंतर्गत करमेता बस्ती में 8 से 10 बदमाशों ने एक घर पर बम फेंककर इलाके में दहशत फैला दी। बुधवार को हुई इस घटना का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। जानकारी के मुताबिक बदमाशों ने सुमित चौबे के घर को निशाना बनाया। बमबाजी के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद डरे-सहमे लोग घरों से बाहर निकले और पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। साथ ही सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को सौंपे गए हैं। इस मामले में क्षेत्र के शातिर बदमाश सौरभ यादव का नाम सामने आया है। आरोप है कि उसने एक लाख रुपए की अवैध वसूली की मांग की थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि आरोपी पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। घटना के बाद से इलाके में डर और नाराजगी का माहौल है। लोगों का कहना है कि दिनदहाड़े बमबाजी जैसी घटना के बावजूद आरोपी अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

परिवर्तित मार्ग से चलेगी एकतानगर-रीवा महामना ट्रेन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल अंतर्गत वडोदरा जंक्शन स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग के अंतर्गत न्यू इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के दौरान पमरे से संचालित एकता नगर (केवड़िया)-रीवा महामना ट्रेन एक-एक ट्रिप के लिए मार्ग में परिवर्तन किया गया है। गाड़ी संख्या 20905 एकता नगर (केवड़िया)- रीवा महामना ट्रेन 19 जून को परिवर्तित मार्ग एकता नगर-डभोई जंक्शन-कायावरोहण-मियागाम करजण जंक्शन होते हुए रीवा पहुँचेगी। मार्ग परिवर्तन के दौरान वडोदरा जंक्शन स्टेशन पर ठहराव स्किप रहेगा। वहीं गाड़ी संख्या 20906 रीवा-एकता नगर (केवड़िया) महामना ट्रेन 20 जून को परिवर्तित मार्ग मियागाम करजण जंक्शन-कायावरोहण-डभोई जंक्शन होते हुए एकता नगर (केवड़िया) पहुँचेगी। मार्ग परिवर्तन के दौरान वडोदरा जंक्शन स्टेशन पर ठहराव स्किप रहेगा।

पुराने विवाद पर युवक को पीटा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संजीवनी नगर थाने में 21 वर्षीय गौरव उर्फ गौरी ठाकुर निवासी गढा बजार ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की बीती शाम वह संजीवनीनगर चौपाटी में मोबाइल चार्ज करने गया था उसी समय वहां पर ब्लू कलर की एक्सिस में अंशुल केवट व लक्की ठाकुर अपने एक साथी के साथ आकर उसे पकड़ लिये और गाली गलोज करते हुये शराब पीने के लिये हजार रूपये मांगने लगे, उसने मना किया तो अंशुल केवट ने चाकू से हमलाकर उसे घायक कर दिया। पीड़ित ने बताया की अंशुल केवट से उसकी पुरानी रंजिश है। जिसके बाद पुलिस ने अपराध दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू करदी है।

हृदय रोग से ग्रसित 8 माह की बालिका को मिला नया जीवन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित 8 माह की बालिका शिवांशी यादव को आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से सफल एवं निःशुल्क उपचार का लाभ प्राप्त। बालिका शिवांशी यादव, पिता कौशल किशोर यादव, निवासी एलपीआर रोड तिलगवां, मझौली गंभीर हृदय रोग से पीड़ित थी। बालिका की प्रथम हृदय सर्जरी 4 फरवरी को नारायणा हृदयालय, मुंबई में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पूर्णतः निःशुल्क कराई गई। द्वितीय सर्जरी की आवश्यक होने पर परिजनों द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए बालिका को पुनः नारायणा हृदयालय, मुंबई रेफर किया गया। जहां 5 जून को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत बालिका की द्वितीय हृदय सर्जरी भी सफलतापूर्वक एवं पूर्णतः निःशुल्क संपन्न हुई।

नवीन कुशवाहा का निधन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कंट्रोम रूम में प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ नवीन कुशवाहा (चिंटू) का गुरुवार की सुबह आकस्मिक निधन हो गया है। ग्वारीघाट स्थित मुक्तिधाम में उनके पुत्र द्वारा अंतिम संस्कार किया गया। नवीन स्वतंत्र मत में कार्यरत पत्रकार स्वप्निल कुशवाहा के बड़े भाई थे।

ट्रैक्टर और बाइक के बीच भीषण टक्कर, युवक की मौत

सिहोरा (स्वतंत्र मत) । शनि मंदिर के सामने बुधवार देर शाम हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका एक साथी घायल हो गया। बाइक और ट्रैक्टर के बीच हुई सीधी भिड़ंत इतनी तेज थी कि बाइक सवार युवक उछलकर सड़क पर जा गिरा और उसके सिर में गंभीर चोटें आ गईं। पुलिस के मुताबिक पान उमरिया निवासी 35 वर्षीय सत्येंद्र चौधरी अपने साढ़ू भाई 30 वर्षीय लक्ष्मण चौधरी के साथ सिहोरा आया था। रात को दोनों बाइक से शनि मंदिर की ओर से सिहोरा की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर से उनकी बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल सिहोरा अस्पताल पहुंचाया गया। सत्येंद्र की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे जबलपुर रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। वहीं घायल लक्ष्मण का उपचार जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

अब निगमायुक्त करेंगे 26 टन गोमांस मिलने वाले स्लॉटर हाउस का फैसला

भोपाल जिला प्रशासन ने किया था सील, मप्र हाईकोर्ट ने सुनाया आदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भोपाल नगर निगम द्वारा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर जिन्सी इलाके में संचालित आधुनिक स्लॉटर हाउस को सील किए जाने के मामले में मप्र हाईकोर्ट ने निगमायुक्त को याचिकाकर्ता के आवेदन पर 15 दिनों के भीतर विचार कर निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। यह कार्यवाही स्लॉटर हाउस को गौमांस मिलने के बाद प्रशासन ने सील किया था। हाईकोर्ट ने कहा है कि निर्णय लेते समय निगमायुक्त नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के दिशा-निर्देशों पर भी गौर करें। मामले की सुनवाई जस्टिस विशाल मिश्रा की वेकेशन बेंच में हुई। याचिका लाइव स्टॉक फूड प्रोसेसर प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर असलम कुरैशी की ओर से दायर की गई थी। याचिका में कहा गया कि भोपाल में पीपीपी मॉडल के तहत स्थापित आधुनिक स्लॉटर हाउस में नगर निगम स्वयं साझेदार था, लेकिन निगम ने 24 जनवरी 2026 को अचानक परिसर में तालाबंदी कर पूरे प्रोजेक्ट को बंद कर दिया। इससे पहले दिसंबर 2025 में पुलिस मुख्यालय भोपाल के पास एक ट्रक से 26 टन गौमांस बरामद हुआ था, जो इसी स्लॉटर हाउस का था। प्रशासन ने स्लॉटर हाउस को सील करके उसका संचालन करने वाले ठेकेदार असलम कुरैशी उर्फ़ असलम चमड़ा और उनके सहयोगियों को भी गिरफ्तार किया था।

कन्सेशन एग्रीमेंट की शर्तों की उल्लंघन का आरोप - याचिकाकर्ता असलम कुरैशी का याचिका में आरोप था कि नगर निगम ने कार्रवाई के दौरान कन्सेशन एग्रीमेंट (रियायत समझौते) की शर्तों की अनदेखी की। समझौते में किसी भी डिफॉल्ट या अनुबंध उल्लंघन की स्थिति में नोटिस, सुनवाई और टर्मिनेशन की विस्तृत प्रक्रिया निर्धारित थी, लेकिन निगम ने इन प्रक्रियाओं का पालन किए बिना प्लांट को सील कर दिया। याचिका में कहा गया कि इस कार्यवाही से न केवल कंपनी का वैध व्यवसाय ठप हो गया, बल्कि प्लांट में कार्यरत कर्मचारियों और मजदूरों के सामने भी रोजगार का संकट खड़ा हो गया। साथ ही कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि इस संबंध में नगर निगम को आवेदन प्रस्तुत किया गया था, लेकिन उस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। इसके बाद न्यायिक हस्तक्षेप की मांग करते हुए मप्र हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता पीयूष तिवारी, राज्य सरकार की ओर से उप महाधिवक्ता स्वप्निल गांगुली तथा भोपाल नगर निगम की ओर से अधिवक्ता एसएम गुरु ने पक्ष रखा। सभी पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने मामले का निराकरण करते हुए निगमायुक्त को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता के आवेदन पर 15 दिनों के भीतर विधिसम्मत निर्णय लिया जाए तथा निर्णय लेते समय एनजीटी के प्रासंगिक दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखा जाए।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**